● वर्ष-3
● अंक-09
रायपुर, शनिवार
19 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

प्रधानमंत्री ने जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों को किया संबोधित

प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 देशों से जनता की भलाई के लिए नवाचार का आग्रह किया

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 2.1 मिलियन डॉक्टरों, 3.5 मिलियन नर्सों, 1.3 मिलियन अर्द्ध चिकित्साकर्मियों, 1.6 मिलियन फार्मासिस्टों और भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में संलग्न लाखों अन्य लोगों की ओर से गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया ाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधीजी स्वास्थ्य को इतना महत्वपूर्ण मानते थे कि उन्होंने इस विषय पर की टू हेल्थ नामक पुस्तक की रचना की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने का आशय व्यक्ति के मन और शरीर का सामंजस्य और संतुलन की स्थिति में होना है, जिसका अभिप्राय है कि स्वास्थ्य ही जीवन का आधार है।प्रधानमंत्री ने संस्कृत का एक %श्लोक% भी पढ़ा जिसका अर्थ थाः %स्वास्थ्य ही परम धन है और अच्छे स्वास्थ्य से हर कार्य पूरा किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि कोविड-19 महामारी ने हमें याद दिलाया है कि स्वास्थ्य हमारे निर्णयों के केंद्र में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय ने हमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अहमियत भी समझायी है, चाहे वह दवा और वैक्सीन वितरण के संबंध में हो या अपने लोगों को घर वापस लाने के संबंध में हो।दुनिया को कोविड-19 वैक्सीन उपलब्ध कराने की भारत सरकार की मानवीय पहल पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वैक्सीन मैत्री पहल के तहत, भारत ने ग्लोबल साउथ के अनेक देशों सहित 100 से अधिक देशों को 300 मिलियन वैक्सीन की खुराक वितरित की ।महामारी के दौरान लचीलेपन को सबसे बड़ा सबक बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों को लचीला होना चाहिए। हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति की रोकथाम करने, तैयार रहने और मुकाबला

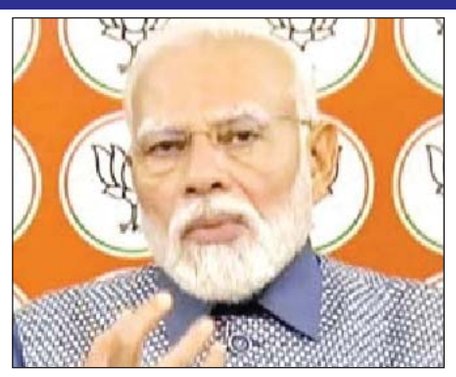

करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। मौजूदा परस्पर संबद्ध दुनिया में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जैसा कि हमने महामारी के दौरान देखा, दुनिया के एक हिस्से की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बहुत कम समय में दुनिया के अन्य सभी हिस्सों पर असर डाल सकती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत में, हम समग्र और समावेशी दृष्टिकोण का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं, चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों को बढ़ावा दे रहे हैं और सभी को किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहे हैं। दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन समग्र स्वास्थ्य की सार्वभौमिक इच्छा का प्रतीक है। वर्ष 2023 अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मोटे अनाज या श्री अन्न, जिस नाम से वे भारत में जाने जाते हैं, के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा मानना है कि समग्र स्वास्थ्य और कल्याण हर किसी की क्षमता को बढ़ाने में मददगार हो सकता है। गुजरात के जामनगर में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और, जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के साथ-साथ पारंपरिक चिकित्सा पर डब्ल्यूएचओ वैश्विक शिखर सम्मेलन के आयोजन से इसकी क्षमता का उपयोग करने के प्रयासों में तेजी आएगी। पारंपरिक चिकित्सा के वैश्विक भंडार का निर्माण करना हमारा साझा प्रयास होना चाहिए।स्वास्थ्य और पर्यावरण के एक-दूसरे से जैविक रूप से संबद्ध होने को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि साफ हवा, सुरक्षित पेयजल, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित आश्रय स्वास्थ्य के प्रमुख कारक हैं। उन्होंने जलवायु और स्वास्थ्य पहल के शुभारंभ की दिशा में उठाए गए कदमों के लिए गणमान्य व्यक्तियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) के खतरे से निपटने के लिए उठाए गए कदम भी सराहनीय हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एएमआर वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य और अब तक की सभी फार्मास्युटिकल प्रगति के लिए एक गंभीर खतरा है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि जी-20 स्वास्थ्य कार्य समूह ने वन हेल्थ को प्राथमिकता दी है। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का हमारा विजन पूरे इकोसिस्टम - मनुष्यों, पशुओं, पौधों और पर्यावरण के अच्छे स्वास्थ्य की परिकल्पना करता है। उन्होंने कहा कि यह एकीकृत दृष्टिकोण गांधीजी के किसी को भी पीछे नहीं छोड़ने का संदेश देता है।

स्वास्थ्य संबंधी पहलों की सफलता के प्रमुख घटक के रूप में सार्वजनिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हमारे कुष्ठ उन्मूलन अभियान की सफलता के मुख्य कारणों में से एक है। उन्होंने कहा कि तपेदिक उन्मूलन पर हमारा महत्वाकांक्षी कार्यक्रम जनभागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि हमने देश की जनता से नि-क्षय मित्र या टीबी उन्मूलन के लिए मित्र% बनने का आह्वान किया है, जिसके तहत लगभग 1 मिलियन रोगियों को नागरिकों द्वारा अपनाया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, अब, हम 2030 के वैश्विक लक्ष्य से काफी पहले ही तपेदिक का उन्मूलन करने की राह पर हैं।स्वास्थ्य सेवा सभी के लिए सुलभ बनाने में डिजिटल समाधानों और नवाचारों की भूमिका पर बल देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि ये हमारे प्रयासों को समानता आधारित और समावेशी बनाने का उपयोगी साधन हैं क्योंकि दूर-दराज के मरीज़ टेली-मेडिसिन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय मंच ई-संजीवनी की सराहना करते हुए कहा कि इसने अब तक 140 मिलियन टेली-स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा प्रदान की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के कोविन प्लेटफॉर्म ने मानव इतिहास में सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया। उन्होंने कहा कि इसने 2.2 अरब से अधिक वैक्सीन खुराकों की डिलीवरी और विश्व स्तर पर सत्यापन योग्य टीकाकरण प्रमाणपत्रों की वास्तविक समय पर उपलब्धता का प्रबंधन किया। डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल विभिन्न डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को एक साझा मंच पर लाएगी।प्रधानमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा, आइए हम अपने नवाचारों का उपयोग जनकल्याण के लिए करें।

इन दिनों

✍ अजय सेतिया

राजनीतिक दावपेंच में महाराष्ट्र का जवाब नहीं

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से कुछ पक रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शनिवार को एक कार्यक्रम में पुणे जाना था, लेकिन वह अचानक अपने घर सतारा चले गए। पुणे में अजीत पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री अस्वस्थ हैं, इसलिए वह आराम करने सतारा चले गए। लेकिन वह कितने अस्वस्थ हैं, क्या बहुत ज्यादा अस्वस्थ हैं, या राजनीति में कुछ बड़ा पक रहा है। शनिवार 12 अगस्त को ही शरद पवार और अजित पवार की पुणे में एक कारोबारी के घर पर हुई मुलाक़ात की भी चर्चा है। इस मुलाक़ात के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से हलचल है। आखिर अजीत पवार बार बार शरद पवार से मुलाकातें क्यों कर रहे हैं। क्या भारतीय जनता पार्टी को इन मुलाकातों पर आश्चर्य नहीं होता। कहने को तो कहा जा रहा है कि अजीत पवार की कोशिश शरद पवार को अपने साथ लाने की है। वह चाहते हैं कि एनसीपी एकजुट हो कर रहे, लेकिन शरद पवार मान नहीं रहे, उन्होंने इस बार भी अजीत पवार को दो-टूक जवाब दिया है कि वह भाजपा के साथ कभी नहीं जाएंगे। पहली बात तो यह है कि अगर भाजपा शरद पवार को अपने साथ लाना चाहती, तो यह बात प्रधानमंत्री के स्तर से होती, अजीत पवार के स्तर पर नहीं। नरेंद्र मोदी अपने स्तर पर शरद पवार को भाजपा के साथ लाने की कई बार कोशिश कर चुके हैं। इन कोशिशों के बार बार विफल होने के बाद ही भाजपा ने अजीत पवार को तोड़ा। 2016 में जब राजनीति में शरद पवार के 50 साल पूरे होने का पुणे में जश्न मनाया गया तो पवार को सम्मानित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री दवेंद्र फड़नवीस दोनों मौजूद थे। पवार और मोदी दोनों ने एक दूसरे की तारीफ़ की, मोदी ने यहां तक कहा कि राजनीति के शुरुआती दिनों में पवार ने उनका साथ दिया था। तब शरद पवार ने उनकी तारीफ़ करते हुए कहा था कि वह मोदी के काम करने के तरीके से आश्चर्यचकित हो जाते हैं, कल वह जापान में थे और सुबह वह गोवा गये, दोपहर में बेलगाम आये और अब वह वीएसआई पूना में हैं। मुझे नहीं पता कि वह रात में कहां जा रहे हैं। पवार ने कहा यह देश के हित के प्रति उनकी पूर्ण प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके कुछ महीने बाद ही मोदी सरकार ने जनवरी 2017 में शरद पवार को पद्म विभूषण से सम्मानित किया था। मोदी की तारीफ़ करते हुए शरद पवार ने कहा था कि वह जो काम अपने हाथ में लेते हैं, उसे कभी बीच में नहीं छोड़ते, काम पूरा करके ही छोड़ते हैं। और यह बात उन्होंने तब कही थी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कृषि कानूनों के कारण पूरे देश में विरोध हो रहा था। शरद पवार कृषि कानूनों को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ बाकी राजनीतिक दलों की तरह मुखर नहीं थे। अब यह बात किसी के पल्ले नहीं पड़ रही कि अजीत पवार की मुलाकातें शरद पवार को भाजपा के साथ लाने की कोशिशों का हिस्सा है।

क्या राष्ट्रपति शासन के दौरान जेके को बांट सकती है संसदः सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए पूछा कि 2018-19 में राष्ट्रपति शासन लागू रहने के दौरान जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को क्या संसद पारित कर सकती है जिसने इस राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेंस ने अपनी दलीलें दीं। यह जिरह गुरुवार को भी जारी रहेगी।प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेंस की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राजीव धवन से यह प्रश्न किया। धवन के मुवक्किल ने ना सिर्फ

अनुच्छेद 370 को हटाने के फैसले को चुनौती दी है बल्कि राज्य में 19 दिसंबर, 2018 को राष्ट्रपति शासन लगाने और उसे 3 जुलाई, 2019 को छह महीने के लिए बढ़ाने के फैसले को भी चुनौती दी है।प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने धवन से पूछा कि क्या संसद अनुच्छेद 356 (राष्ट्रपति शासन) लागू रहने के दौरान एक कानून (जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019) को लागू कर सकती है? इसके जवाब में धवन ने कहा,संसद संविधान के अनुच्छेद तीन और चार की सभी सीमाओं में रहते हुए कानून पारित कर सकती है।अनुच्छेद 3 के मुताबिक, संसद किन्हीं दो राज्यों को विभाजित करने, दो या उससे अधिक राज्यों को जोड़ने या उसके किसी क्षेत्र को किसी और राज्य से संबद्ध करने जैसे तमाम फैसले ले सकती है। इसके तहत वह किसी राज्य की सीमाएं बढ़ाने, कम करने या फिर उस राज्य का नाम बदलने जैसे फैसले भी ले सकती है।

वहीं, अनुच्छेद चार में पहली अनुसूची में बदलाव की अनुमति होती है। जैसे राज्यों के नाम बदले जा सकते हैं। चौथी अनुसूची से प्रत्येक राज्य के लिए राज्यसभा की सीटें अलाट की जा सकती हैं।

इस पर राजीव धवन ने संविधान पीठ से कहा कि अनुच्छेद 3 और 4 के तहत यह अनिवार्य शर्त है कि मौजूदा राज्यों के नाम या सीमाओं को बदलने के संबंध में राज्य की विधानसभा को मामला भेजते हैं। छठें दिन की बहस के दौरान धवन ने कहा कि जब राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था तो वहां राज्य का पुनर्गठन नहीं हो सकता था और ना ही अनुच्छेद 370 हटाया जा सकता था।

संसद नहीं हो सकती विधानसभा का विकल्प

उन्होंने कहा कि विधानसभा का विकल्प संसद नहीं हो सकती और ना ही राज्यपाल का विकल्प राष्ट्रपति हो सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, केंद्र सरकार ने वस्तुतः संविधान में संशोधन करके संविधान के अनुच्छेद 3 और 4 के तहत जम्मू और कश्मीर का पुनर्गठन कर दिया है। कभी भी वैकल्पिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य व्यवस्था को खत्म नहीं किया जाता है।उल्लेखनीय है कि जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को राज्यसभा में पांच अगस्त, 2019 तो पेश और पारित किया गया था और उसके ही अगले दिन उसे लोकसभा में भी ध्वनिमत से पारित कर दिया गया था। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी 9 अगस्त, 2019 को मिली थी।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफी के प्रति लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि विश्व फोटोग्राफी दिवस उन सभी फोटोग्राफर्स को समर्पित है जिन्होंने अपनी कला से दुनिया की खूबसूरती को कैमरे में कैद किया है। फोटोग्राफ इतिहास के साक्ष्य का बड़ा आधार होते हैं।

प्रमुख समाचार

फिर अमेठी से राहुल गांधी लड़ेंगे चुनाव

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं. कांग्रेस की ओर से भी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के चुनाव लड़ने को लेकर बड़ा दावा किया गया है. उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष अजय राय

ने शुक्रवार (18 अगस्त) को कहा कि राहुल गांधी अगले आम चुनाव में अमेठी से चुनाव लड़ेंगे. अजय राय ने साथ ही ये भी कहा कि प्रियंका गांधी की इच्छा जहां से चुनाव लड़ने की होगी वे वहीं से लड़ेंगी. प्रियंका गांधी चाहें तो वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं. उनके इस दावे के बाद अमेठी लोकसभा सीट फिर से सुर्खियों में आ गई है. इस सीट पर पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने बड़ा उलटफेर करते हुए राहुल गांधी को शिकस्त दी थी. राहुल गांधी ने 2019 के चुनाव में अमेठी और वायनाड, दोनों जगहों से चुनाव लड़ा था. अमेठी उनकी पारंपरिक सीट थी तो वायनाड के जरिए उन्होंने दक्षिण में एंट्री ली. अमेठी में राहुल गांधी को हराने के बाद स्मृति ईरानी एक दिग्गज नेता के रूप में उभरीं और मोदी कैबिनेट में मंत्री भी बनीं. राहुल गांधी वायनाड से लोकसभा के लिए चुने गए थे।

लालू की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर 25 को सुनवाई

नईदिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने शुक्रवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चारा घोटाले में लालू यादव को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत को चुनौती दी है.

सुप्रीम कोर्ट सीबीआई की याचिका पर 25 अगस्त को सुनवाई के लिए तैयार हो गया है. सीबीआई ने करोड़ों रुपये के चारा घोटाले (दुमका, चाईबासा, डोरंडा, देवघर कोषागार) से संबंधित चार मामलों में लालू प्रसाद को जमानत देने के झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है. सीबीआई चाहती है कि लालू यादव की जमानत रद्द हो. लालू यादव पर चारा घोटाले से जुड़े 5 मामले हैं. पांचों मामलों में लालू यादव दोषी साबित हो चुके हैं. जनवरी 1996 में चारा घोटाले का खुलासा हुआ था, तब बिहार सरकार के पशुपालन विभाग में करोड़ों रुपये की हेराफेरी सामने आई थी. उस समय बिहार और झारखंड एक राज्य था और लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री थे. ये पूरा घोटाला 950 करोड़ रुपये का बताया जाता है. मार्च 1996 में पटना हाईकोर्ट ने इस घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी।

बिहार में जाति जनगणना के प्रकाशन पर रोक से इनकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिहार सरकार को जाति-आधारित सर्वेक्षण के नतीजे प्रकाशित करने से रोकने के लिए अंतरिम निर्देश पारित करने से इनकार कर दिया।न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने कहा, जब तक प्रथम दृष्टया कोई मजबूत मामला न हो, हम किसी भी चीज़ पर रोक नहीं लगाएंगे। उन्होंने उन याचिकाकर्ताओं को धन्यवाद दिया, जिन्होंने बिहार में जाति-आधारित सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने के पटना उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका दायर की थी।विशेष रूप से, बिहार में जाति-आधारित सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और इसके नतीजे जल्द ही सार्वजनिक डोमेन में आने की उम्मीद है।याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सी.एस. वैद्यनाथन ने कहा कि सर्वेक्षण शुरू करने के लिए राज्य विधानमंडल द्वारा कोई कानून पारित नहीं किया गया था और प्रक्रिया राज्य सरकार द्वारा एक कार्यकारी अधिसूचना के आधार पर शुरू हुई। उन्होंने तर्क दिया, निजता के अधिकार का उल्लंघन वैध उद्देश्य के साथ निष्पक्ष और उचित कानून के अलावा नहीं किया जा सकता है।

दोहरे हत्याकांड में 28 साल बाद प्रभुनाथ दोषी करार

नईदिल्ली। आरजेडी के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने 28 साल पुराने दोहरे हत्याकांड में दोषी करार दिया है। ट्रायल कोर्ट और पटना हाई कोर्ट से बरी होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद को गुनहगार करार दिया। सुप्रीम कोर्ट

ने बिहार की पुलिस अभियोजन तथा जुडीशियरी की कड़ी निंदा की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन तीनों ने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया। ट्रायल कोर्ट ने आपराधिक न्याय शास्त्र के बुनियादी सिद्धांतों को ताक पर रखकर अभियुक्तों को बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार की डीजीपी और गृह सचिव को निदाश दिया कि प्रभुनाथ सिंह को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उसे एक सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में पेश किया जाए। सुप्रीम कोर्ट सजा तय करने से पहले सीआरपीसी की धारा 235 के तहत सुनवाई करेगा। जस्टिस संजय किशन कौल अभय श्रीनिवास ओका और विक्रम नाथ की बेंच ने अपने फैसले में 1995 के डबल मर्डर केस में पटना हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए प्रभुनाथ सिंह को दोषी करार दिया।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को झटका

वाशिंगटन । अमेरिका की एक अदालत ने 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के आरोपी और पाकिस्तानी मूल के कनाड़ाई व्यापारी तहव्वुर राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है जिसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन

द्वारा उसे भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रमाणपत्र जारी करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। 'सेंट्रल डिट्रिरक्ट ऑफ कोलंबिया में 'यूनाइटेड स्टेट डिट्रिरक्ट के न्यायाधीश डेल एस फिशर ने 10 अगस्त के अपने आदेश में लिखाग अदालत ने एक अलग आदेश जारी कर तहव्वुर राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है। बहरहाल, राणा ने इस आदेश के खिलाफ 'नाइंथ सर्किट कोर्ट में याचिका दाखिल की है और उस पर सुनवाई होने तक उसके भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाए जाने का अनुरोध किया है। राणा ने जून में अमेरिकी अदालत के उस आदेश को चुनौती देते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थीग जिसमें उसे भारत प्रत्यर्पित किए जाने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध को स्वीकार किया गया था। न्यायाधीश फिशर ने अपने आदेश में कहा कि राणा ने अपनी याचिका में दो मूल दलीलें पेश की हैं।

विपक्ष में विचारों की कमी, आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के बजाय देशहित हो सर्वोपरि

शंकर अय्यर

प्रबंधन गुरु माइकल पोर्टर के मुताबिक, किसी भी रणनीति का मूल तत्व यह चुनना होता है कि क्या नहीं करना है। कुछ साल पहले एक कामयाब एंटरप्रैन्योर ने अनौपचारिक बातचीत में कुछ न करने की रणनीति के भारतीय तर्क के बारे में बताया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की वह मशहूर उक्ति भी याद आती है कि, निर्णय न लेना भी एक निर्णय होता है। एंटरप्रैन्योर को उसके पिता से मिली सीख का सार यह था कि विरोधी हमेशा आपकी बुद्धिमत्ता और सही काम करने की क्षमता पर संदेह करेंगे। लेकिन किसी भी तरह के प्रलोभन में फंसना और कुछ कर या कहकर संदेह को सही साबित करना बड़ी भूल साबित हो सकता है। भारत के विपक्षी राजनीतिक दलों के गठबंधन %इंडिया% का मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला कुछ ऐसा ही था।

इस पूरी कसरत ने इंडिया समूह के अनुयायियों और उनके समर्थकों के सबसे भयावह डर को सामने ला दिया। दूसरी ओर, नरेंद्र मोदी ने इस पूरी प्रक्रिया को 2024 के अपने चुनावी अभियान के शुभारंभ में तब्दील कर दिया। गौरतलब है कि विपक्षी दलों का गठबंधन पिछले काफी समय से लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, महंगाई के मुद्दे की अनदेखी करने और ध्रुवीकरण के बढ़ते खतरे जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। पर अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्षी दलों की खराब रणनीति, राजनीतिक कौशल व तैयारी की कमी और आरोप लगाने की प्रक्रिया के बुनियादी तरीके को लेकर अनभिज्ञता साफ झलक रही थी।

विपक्षी गठबंधन का दावा है कि अविश्वास प्रस्ताव ने प्रधानमंत्री को संसद में आकर बोलने के लिए मजबूर किया है। हालांकि उसका यह भी आरोप है कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर पर सिर्फ दो मिनट बोला और उसके बाद भी कई महत्वपूर्ण सवालों पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। रणनीति कितनी ही प्रभावशाली क्यों न हो, उसके नतीजे ही मायने रखते हैं। नेपोलियन ने एक बार अपनी सेना से कहा था कि जब दुश्मन गलती कर रहा हो, तब हस्तक्षेप न करना ही बेहतर होता है। सवाल उठता है कि क्या विपक्षी दलों के उद्देश्य %कुछ न करने% की रणनीति से ज्यादा बेहतर ढंग से पूरे हो सकते थे?बेंजामिन फ्रेंकलिन की एक कहावत है कि अगर आप तैयारी करने में असफल रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप विफल होने की ही तैयारी कर रहे हैं। विपक्षी दलों की तैयारी कितनी पुख्ता थी? 2018 के अविश्वास प्रस्ताव के दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्षियों को धन्यवाद देते हुए अपनी बात रखी थी। तब उन्होंने भुवनेश्वर प्रसाद दीक्षित की पंक्तियों के जरिये विपक्षियों की खराब तैयारी पर निशाना साधा था।

2023 में उन्होंने भगवान और विपक्षी दलों को धन्यवाद देते हुए एक दूसरे कवि की पंक्तियों की मदद से गठबंधन की दरारों को उजागर किया और 2028 में फिर से कोशिश करने के लिए आमंत्रित किया। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधने के लिए मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने अपने द्वारा पारिभाषित भारत के राजनीतिक इतिहास की भूलों को गिनाया, चाहे वह 1966 में मिजोरम में इंदिरा गांधी के कृत्य हों या फिर कानून-व्यवस्था लागू करने में उनकी नाकामी। कांग्रेस पर निशाना साधने का मकसद भारत के समग्र राजनीतिक भूगोल को एक संदेश देना था।

2019 के चुनाव में 180 से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस के खिलाफ भाजपा ने 91 फीसदी से ज्यादा सीटें जीती थीं। वह उस रिकॉर्ड को दोहराना चाहेगी। दूसरी ओर, विपक्ष के हमले में न धार थी, न फोकस था। 18 राजनीतिक दलों में जो सांसद अच्छे वक्ता थे, उन्हें सामने नहीं लाया गया। भारत जोड़ो यात्रा के बाद एक बार फिर से उभरे और हाल ही में सांसद के तौर पर बहाल हुए राहुल गांधी को असहमति की आवाज का नेतृत्व की भूमिका के लिए चुना गया, ताकि वह अविश्वास प्रस्ताव के औचित्य को समझा पाएं। उन्होंने जोश तो दिखाया, फिर भी वह भटके हुए दिखे। दूसरे विपक्षी दल भी बिखरे थे और नारेबाजी करते रहे। %इंडिया% गठबंधन का कहना था कि अविश्वास प्रस्ताव सरकार पलटने के लिए नहीं, बल्कि %धारणा% की लड़ाई जीतने के लिए लाया गया था।

सवाल उठता है कि क्या यह हो पाया। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार कामयाबी के कई दावे कर रही है, लेकिन उन्हें सवालों के जवाब भी देने होंगे। विपक्ष सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि महिलाओं पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं।

सरगुजा में कांग्रेस का चक्रव्यूह भेदने के लिए भाजपा तैयार

■ पहली सूची में नए चेहरों को मौका

सरगुजा। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने चुनाव की घोषणा से पहले अपने प्रत्याशियों का ऐलान करके हर किसी को चौंका दिया है। क्योंकि दूसरी पार्टियों में जहां सीटों के ऊपर टिकट को लेकर मंथन चल रहा है।वहीं बीजेपी ने लगभग एक चौथाई सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। जिन 21 सीटों पर प्रत्याशी घोषित हुए हैं।वो सभी हाईप्रोफाइल सीटें हैं।

जीतने वाले कैंडिडेट पर ही पार्टी लगा रही दांव - बीजेपी की पहली सूची इसलिए भी हैरान करने वाली है क्योंकि सरगुजा की सामान्य सीटों पर पार्टी ने आदिवासी वर्ग के प्रत्याशी को खड़ा किया है।जो ये बताने के लिए काफी है कि पार्टी ने इस बार चुनाव की किस तरह से तैयारी की है। राजनीतिक पंडितों की मानें तो बीजेपी ने आगामी विधानसभा चुनाव को जीतने के लक्ष्य के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। मोदी शाह के फॉर्मूले में सिर्फ वही प्रत्याशी टिकट का दावेदार बनेगा,जिसमें जीतने की काबिलियत हो। सरगुजा की बात करें तो यहां 14 में 5 सीटों पर बीजेपी ने उम्मीदवार घोषित किए हैं। जिसमें सिर्फ रामविचार नेताम पुराने चेहरे हैं,बाकी चारों को पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने का मौका मिला है।

दिग्गजों को दरकिनार कर महिलाओं को टिकट- सरगुजा में जिन सीटों पर बीजेपी ने प्रत्याशियों के नाम डिक्लियर किए हैं। उन सभी सीटों पर कांग्रेस के विधायक हैं।ये विधायक भी किसी से कम नहीं हैं। लेकिन बीजेपी ने कांग्रेस के चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए नए और पुराने चेहरों को मौका दिया है।सरगुजा की पांच में से 2 सीटों पर बीजेपी ने महिला प्रत्याशियों को खड़ा किया है। इन सीटों पर कई दिग्गजों ने दावेदारी की थी।जिसमें पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, अनुराग सिंहदेव, पुष्पा नेताम, भीम सेन अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल, फुलेश्वरी पैकरा, अनूप सिन्हा जैसे नाम सामने आए थे।चर्चा ये भी थी कि केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह को भी चुनाव लड़ने का मौका दिया जाएगा।लेकिन पहली सूची में उनका नाम नहीं है।

सरगुजा संभाग की पांचों सीटों पर कांग्रेस विधायकों का हाल- प्रतापपुर से कांग्रेस के प्रेमसाय सिंह टेकाम विधायक हैं।

जो इस महीने की शुरुआत तक ट्राइबल और एजुकेशन मिनिस्टर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस के आंतरिक सर्वे में जब प्रेमसाय सिंह टेकाम की स्थिति गड़बड़ बताई गई।लिहाजा पार्टी ने मंत्री पद लेकर टेकाम को विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया।भटगांव में विधायक पारसनाथ राजवाड़े संसदीय सचिव हैं। वहीं लुंड्रा के प्रीतम राम भी दो बार के विधायक और संसदीय सचिव है।इन तीनों ही सीटों पर मौजूदा समय में स्थानीय मतदाता विधायक के कामों से खुश नहीं है।जिसका फायदा बीजेपी उठा सकती है। वहीं विधायक बृहस्पति सिंह के रामानुजगंज में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरु किया है।इसी दौरान ही बीजेपी ने रामानुजगंज के पुराने दिग्गज रामविचार नेताम को टिकट देकर बड़ी चुनौती पेश की है। बीजेपी ने दिग्गजों के सामने एकदम नये चेहरों को मैदान में उतारा है। जाहिर है इतनी लंबी पारी खेल चुके नेताओं की एन्टीइनकम्बेंसी भी अधिक होगी। ऐसे में बीजेपी ने इस सियासी गणित को भुनाने का प्लान सेट किया है।

किसे कहां से दी गई टिकट- बीजेपी की सूची में सरगुजा जिले की लुंड्रा विधानसभा से पूर्व महापौर प्रबोध मिंज का नाम शामिल है, वहीं बलरामपुर जिले के रामानुजगंज विधानसभा सीट से पूर्व गृहमंत्री और पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम को टिकट दिया गया है। इसी तरह सूरजपुर जिले की बात करें तो यहां तीनों विधानसभा सीटों पर नामों की घोषणा कर दी गई है। बीजेपी ने प्रेमनगर विधानसभा सीट से आदिवासी नेता भूलन सिंह मरावी, भटगांव विधानसभा से लक्ष्मी राजवाड़े और प्रतापपुर विधानसभा से शकुंतला सिंह पोर्ते को टिकट दिया है।

कौन हैं प्रबोध मिंज- बीजेपी ने लुंड्रा विधानसभा से नगर निगम के पूर्व महापौर प्रबोध मिंज को अपना प्रत्याशी बनाया है। प्रबोध मिंज का नाम वर्ष 2018 के चुनाव में भी फाइनल हुआ था लेकिन अंतिम समय में उनका टिकट बदल दिया गया। प्रबोध मिंज कई वर्षों से पार्टी से टिकिट की मांग कर रहे थे। अपनी तैयारी कर रहे है। प्रबोध मिंज वर्ष 2005 से 2010 और 2010 से 2015 तक दो बार नगर निगम के महापौर रह चुके हैं।लुंड्रा से प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। निगम महापौर रहते हुए उनके कार्यकाल में स्टेडियम ग्राउंड, प्रतीक्षा बस स्टैंड, स्विमिंग पूल, रिंग रोड, सरगुजा सदन जैसे बड़े सामुदायिक भवन, रिंग रोड, गौरव पथ का निर्माण कराया गया था। प्रबोध मिंज ने पंचायत स्तर से राजनीति की शुरुआत की है। इसलिए उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है। इसके साथ ही वो मसीही सामज से हैं और कांग्रेस के परंपरागत मसीही वोट में सेंध लगाने मे ये सफल रहे तो यहां कांग्रेस को दिक्कत हो सकती है।

राम विचार नेताम रह चुके हैं गृहमंत्री- बीजेपी ने संभाग की हाईप्रोफाइल सीट रामानुजगंज विधानसभा से कद्दावर आदिवासी नेता रामविचार नेताम को टिकट दिया है। रामविचार नेताम वर्ष 1990 से 2013 तक रामानुजगंज सीट से विधायक रहे ।डॉ। रमन सिंह की सरकार में गृहमंत्री बनाया गया था। वर्ष 2013 के बाद से इस सीट पर विधायक बृहस्पति सिंह का कब्जा है। इसके साथ ही रामविचार नेताम राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। लम्बे समय से रामानुजगंज सीट से अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे।

सूरजपुर जिले में तीनों प्रत्याशी नए- बीजेपी ने सूरजपुर जिले की तीनों सीटों से अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। ये सभी नये चेहरे हैं। ये कभी भी विधानसभा चुनाव नहीं लड़े हैं। इनमें प्रेमनगर से प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी ने 1995 में जनपद सदस्य के रूप में अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत की थी।उसके बाद लगातार कई पदों पर पार्टी के लिए कार्य किया। भूलन मरावी वर्तमान में बीजेपी जिला उपाध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। वहीं भटगांव प्रत्याशी लक्ष्मी राजवाड़े वर्तमान में बीजेपी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष हैं । पूर्व में जिला पंचायत सदस्य और जनपद सदस्य रह चुकी हैं। इसी तरह प्रतापपुर से प्रत्याशी शकुंतला सिंह पोर्ते बलरामपुर बीजेपी जिलाध्यक्ष और सरपंच हैं। जबकि पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं।

प्रदेश में बुलडोजर वाली सरकार की जरुरत अपराधियों पर अंकुश लगाएगी भाजपा : इंद्रकुमार

अभनपुर। अभनपुर से टिकट मिलने के बाद बीजेपी प्रत्याशी इंद्र कुमार साहू के तेवर दिखने लगे हैं। इंद्र कुमार साहू ने टिकट मिलने के बाद सबसे पहले केंद्रीय नेतृत्व का धन्यवाद दिया। इसके बाद प्रदेश की भूपेश सरकार पर हमला बोला। इंद्र कुमार की माने तो प्रदेश में इन दिनों अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है।अपराधियों के हौंसले बुलंद हो चुके हैं। जिसे रोकना जरुरी है। आपको बता दें कि यूपी और एमपी में बीजेपी की सरकार है।इन दोनों ही राज्यों में अपराध करने वालों के ठिकानों पर सरकार ने बुलडोजर चलाकर सुशासन का संदेश दिया है।इसी कड़ी में इंद्र कुमार साहू ने भी प्रदेश में बीजेपी की सरकार की जरुरत बताई है। इंद्र कुमार का मानना है कि प्रदेश में बढ़ते हुए अपराध को बीजेपी की बुलडोजर वाली सरकार ही रोक सकती है।

इंद्र कुमार साहू ने कहा जिस प्रकार छत्तीसगढ़ में अपराध बढ़ रहा है ऐसे में अब छत्तीसगढ़ में बुलडोजर वाली सरकार की जरूरत है । भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में ही अपराधियों पर रोक लगेगा ।भारतीय

जनता पार्टी प्रदेश में भारी बहुमत से सरकार बनाएंगे और अपराधों पर अंकुश लगाया जाएगा।

इंद्र कुमार साहू ग्राम पंचायत बेंद्री से दो बार के सरपंच रह चुके हैं। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी संगठन में 1993 से सक्रिय हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा अभनपुर मंडल के उपाध्यक्ष समेत जिला ग्रामीण कार्यसमिति सदस्य, मंडल महामंत्री, भाजपा अभनपुर मंडल की उपाध्यक्ष और 2021 में भाजपा जिला रायपुर ग्रामीण के प्रचार प्रसार सह मंत्री का दायित्व संभाला है इंद्र कुमार साहू भारतीय जनता पार्टी में लंबे समय से सक्रिय हैं। पार्टी में सक्रिय होने के साथ ही इंद्रकुमार सामाजिक गतिविधियों में लंबे समय से सक्रिय हैं।साहू समाज के महत्वपूर्ण पदों में रहकर इंद्र कुमार ने जिम्मेदारी निभाई है।

सामाजिक गतिविधियों की बात करें तो पिछले 23 साल से साहू समाज में महत्वपूर्ण पद पर जिम्मेदारियां निभाई हैं। 2018 से वर्तमान में इंद्र कुमार साहू ने साहू समाज अभनपुर के संरक्षण का दायित्व अपने कंधों पर लिया है।अभनपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी इंद्र कुमार साहू ने प्रत्याशी बनाए जाने पर भाजपा के प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व का धन्यवाद दिया।साथ ही प्रदेश में बुलडोजर वाली सरकार की जरुरत बताई।

अभनपुर से बीजेपी प्रत्याशी इंद्र कुमार साहू ने कहा कि अभनपुर से भाजपा के प्रत्याशी इंद्र कुमार साहू ने कहा मेरे जैसे छोटे से कार्यकर्ता को अभनपुर विधानसभा से टिकट दिया गया है। मैं इसके लिए पार्टी का धन्यवाद करना चाहूंगा। मैं एक छोटा सा सरपंच और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते-करते आज इस मुकाम तक पहुंचा हूं । मुझे भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया है। उसके लिए मैं तमाम हमारे नेताओं का शुक्रगुजार हूं।

किराया और ट्रेनों की श्रेणी का निर्धारण रेलवे का नीतिगत फैसला है : रेलवे

■ ज्यादा किराया लेकर स्पेशल ट्रेन चलाने और रियायती टिकट बंद करने के खिलाफ दायर पर दिया जवाब

बिलासपुर। पैसेंजर ट्रेन की जगह पर ज्यादा किराया लेकर स्पेशल ट्रेन चलाने और रियायती टिकट बंद करने के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर याचिका पर रेलवे ने अपना जवाब पेश करते हुए कोर्ट को बताया कि किराया और ट्रेनों की श्रेणी का निर्धारण रेलवे का नीतिगत फैसला है, उस पर हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता इस मामले में निर्णय रेलवे बोर्ड को लेना है। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता को प्रत्युत्तर देने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया।

हाई कोर्ट में अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई है कि कोविड-19 के बाद पैसेंजर ट्रेनों को निरस्त कर उन्हें मार्गों पर स्पेशल ट्रेन चला कर ज्यादा किराया वसूल करने साथ ही 39 श्रेणी के अंतर्गत आने वाले यात्रियों को टिकट पर रियायत बंद करने के खिलाफ यह याचिका है। इसमें कहा गया कि केवल विकलांग और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर किराए में सभी तरह की छूट बंद कर दी गई है। सीनियर सिटिजन कंसेशन भी इनमें शामिल है । रेलवे गरीब और आम यात्रियों पर अनावश्यक बोझ डालकर स्पेशल ट्रेन चला रही है जो पैसेंजर ट्रेनों के ही मार्ग पर चल रही है और उन्हीं स्टॉपेज पर रूकती है । इस दौरान मुंबई और दिल्ली में लोकल ट्रेन कोविड-19 के पहले की तरह शुरू की जा चुकी है।

हाईकोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद रेलवे से जवाब दाखिल करने के लिए कहा था। रेलवे ने अपने जवाब में कहा है कि किराया और ट्रेनों की श्रेणी का निर्धारण रेलवे का नीतिगत फैसला है, उस पर हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। अधिवक्ता श्रीवास्तव की ओर से कहा गया कि यह जनहित याचिका रेलवे की पॉलिसी के खिलाफ नहीं बल्कि पॉलिसी को लागू करने के लिए है, जिसमें रियायत और पैसेंजर ट्रेनों को चलाना शामिल है।

जेल भरो आंदोलन, शिक्षकों को पुलिस ने पेंड्रा रेलवे स्टेशन पर रोका

■ आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे रायपुर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। रायपुर में हो रहे जेल भरो आंदोलन में शामिल होने जा रहे एलबी संवर्ग शिक्षकों को पुलिस ने पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन के सामने रोक लिया। शिक्षकों में सरकार की दमनकारी नीति को लेकर काफी नाराजगी है। एलबी संवर्ग शिक्षक पूर्व सेवा गणना कर वेतन विसंगति दूर करते हुए क्रमोन्नत वेतनमान और पुरानी पेंशन योजना के तहत पूर्व सेवा के आधार पर पूर्ण पेंशन की मांग कर रहे हैं।

इन दिनों एलबी संवर्ग शिक्षक संघ हड़ताल पर चल रहे हैं और लगातार सरकार से अपनी मांगों को पूरा करने के लिए दबाव भी बना रहे हैं। इसी कड़ी में शिक्षक संगठनों ने शासन से अपनी कुछ प्रमुख मांगो को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। वहीं, सरकार इन शिक्षकों की मांगों को अभी पूरा नहीं कर सकी है, जिसे लेकर संवर्ग शिक्षक शुक्रवार को रायपुर में जेल भरो आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन पर रोक लिया।

जानकारी के अनुसार विभिन्न मांगों के पूरी न होने पर शिक्षकों में सरकार की दमनकारी नीति को लेकर नाराजगी दिखाई दे रही है। वहीं, शिक्षकों की प्रमुख मांगों में एलबी संवर्ग शिक्षक पूर्व सेवा गणना कर वेतन विसंगति दूर करते हुए क्रमोन्नत वेतनमान और पुरानी पेंशन योजना के तहत पूर्व सेवा के आधार पर पूर्ण पेंशन की मांग कर रहे हैं। एलबी वर्ग शिक्षकों ने कहा कि लगातार उनके द्वारा मांग की जा रही है, लेकिन शासन ने अब तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया है। जिसे लेकर शिक्षक संगठनों के द्वारा आज जेल भरो आंदोलन के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पेंड्रा रोड स्टेशन पर रोक दिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कोबरा कमांडो के इंस्पेक्टर ने बड़ी घटना को दिया अंजाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में शुक्रवार को सीआरपीएफ की जंगल युद्ध इकाई कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन (कोबरा) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। जिससे उसकी मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना बीजापुर शहर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 170वीं बटालियन के मुख्यालय में सुबह करीब 11 बजे हुई। कोबरा 210वीं बटालियन के इंस्पेक्टर सफी अख्तर ने एके-47 राइफल से खुद को गोली मार ली। गोलियों की आवाज सुनकर उनके सहकर्मी वहां पहुंचे। तुरंत उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर सफी अख्तर कोबरा के मोकुर शिविर में तैनात था और बीजापुर आया था। कुछ ही दिनों में छुट्टी पर दिल्ली जाने वाला था। सीआरपीएफ और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा को नक्सल विरोधी अभियानों के लिए दक्षिण बस्तर में बड़े पैमाने पर तैनात किया गया है, जिसमें दंतेवाड़ा सहित तीन जिले शामिल हैं।

वन विभाग की कार्यवाही में सागौन लकड़ी और वाहन जप्त

कोरिया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के निर्देश पर वन विभाग द्वारा लकडियों के अवैध परिवहन और कटाई पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। कोरिया वन मंडल की टीम द्वारा अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे लगभग 69 हजार अनुमानित मूल्य लागत के 11 नग सागौन लकड़ी का लट्ठा और एक पिकअप वाहन के जप्ती की कार्यवाही की गई। पीसीसीएफ श्री श्रीनिवास राव तथा वनमण्डलाधिकारी कोरिया सुश्री प्रभाकर खलखो के निर्देश पर वन विभाग के संयुक्त दल ने रात्रि गश्त के दौरान वनमंडल कोरिया के परिक्षत्र बैकुठपुर परिसर सलवा अंतर्गत अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे लगभग 69 हजार रूपए के 11 नग सागौन के लट्ठे और पिकअप वाहन को जप्त किया। कार्यवाही के दौरान वन विभाग की टीम ने सागौन वृक्षारोपण में अवैध कटाई कर पिकअप क्रमांक - सीजी 15 जेडबी 0129 में लोड अवैध 11 नग सागौन लकड़ी जप्त किया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की कार्यवाही की जा रही है।

डोमनी नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 2.88 करोड़ रूपए मंजूर

सरगुजा। राज्य शासन द्वारा सरगुजा जिला के

विकासखण्ड सीतापुर के रजपुरी से भुसू मार्ग के मध्यम डामनी (डोमनी) नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 2 करोड़ 87 लाख 51 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस आशय का पत्र मंत्रालय महानदी भवन स्थित लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रमुख अभियंता को जारी कर दिया गया है। गौरतलब है कि खाद्य एवं संस्कृति मंत्री की पहल पर डामनी (डोमनी) नाला पर पुल एवं मार्ग निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में शामिल किया गया था। डामनी (डोमनी) पुल एवं मार्ग निर्माण की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री अमरजीत भगत एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

दुपहिया पर सवार होकर कोंटा ब्लाक के धुर नक्सल प्रभावित गांव पहुंचे मंत्री लखमा

सुकमा। मंत्री कवासी लखमा दुपहिया पर

सवार होकर कोंटा ब्लाक के धुर नक्सल प्रभावित रामराम व पिडमेल इलाके में पहुंचे। मंत्री लखमा ने यहां के लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान मंत्री लखमा ने गांव में स्कूल भवन का शिलान्यास किया। सुकमा जिले के कोंटा ब्लाक का रामाराम, पिडमेल व करिगुंडम गांव जो कि धुर नक्सल प्रभावित इलाका है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कवासी लखमा दुपहिया वाहन से इस नक्सल प्रभावित गांव पहुंचे। रामाराम व पिडमेल गांव में ग्रामीणों से बात करते हुए मंत्री लखमा ने कहा, गांव में जब तक सड़क नहीं पहुंचेगी तब तक विकास नहीं होगा। इसलिए इन इलाकों में सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है, आप लोग सहयोग दें।

इनामी नक्सली कमांडर राजी रेड्डी के मौत की खबर

बस्तर। छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे से बड़ी खबर सामने आ रही है। छत्तीसगढ़ आंध्र और तेलंगाना बॉर्डर के पास बड़े नक्सली लीडर राजी रेड्डी उर्फ अतन्ना की मौत की बात कही जा रही है। लेकिन इस मौत की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। इस वाकये को लेकर एक वीडियो वायरल होने की बात कही जा रही है। जिसमें नक्सली कमांडर राजी रेड्डी उर्फ अतन्ना के शव के सामने नक्सली रोते और शोक मनाते नजर आ रहे हैं।अतन्ना की मौत को लेकर अब तक न तो नक्सलियों की तरफ से कोई पत्र जारी किया गया है और न ही सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से नक्सली कमांडर राजी रेड्डी उर्फ अतन्ना की मौत की पुष्टि हुई है। प्राप्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नक्सली राजी रेड्डी तेलंगाना के करीमनगर जिले का निवासी था। जब से तेलंगाना क्षेत्र में नक्सलवाद ने दस्तक दी थी। उसी समय से ही वह नक्सल संगठन में सक्रिय था। उसने नक्सल संगठन को मजबूत करने और अलग अलग राज्य में इसके विस्तार में अहम भूमिका निभाई थी।

कश्मीर से कन्याकुमारी राष्ट्रव्यापी संकल्प यात्रा

गीदम। हमारे विचार ही हमें सुखी और दुखी बनाते हैं।विचारों से ही हम सुख और दु:ख का अनुभव करते हैं। योगी ही उपयोगी होता है, जो सबके हित का चिंतन करता है, दु:खियों के दुख को कम करता है। जीवन जीने में ही जीवन बीत न जाये, जीवन की सार्थकता तो सेवा में है। उक्त उद्गार स्वर्वेद कथामृत के प्रवर्तक सुपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने संकल्प यात्रा के क्रम में गीदम के जावंगा एजुकेशन हब में आयोजित जय स्वर्वेद कथा एवं ध्यान साधना सत्र में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के मध्य व्यक्त किये। संत प्रवर श्री ने कहा कि कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं। अच्छाइयां - बुराइयां सबके भीतर है। हमे दुर्बलताओं, कठिनाइयों से घबराना नहीं है। उन कठिनाइयों को दूर करने की जो प्रेरणा, जो शक्ति, जो सामर्थ्य है वह अध्यात्म के आलोक से, स्वर्वेद के स्वर से

एक साधक को अवश्य ही प्राप्त होता है।

दिव्यवाणी के दौरान श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि विहंगम योग के प्रणेता अमर हिमालय योगी अनन्त श्री सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज ने अपनी गहन साधना द्वारा ईश्वर से योग की प्राप्ति की एवं इस अतिदुर्लभ विज्ञान को स्वर्वेद नामक अद्वितीय आध्यात्मिक सद्ग्रंथ द्वारा जनमानस को सुलभ कर दिया। स्वर्वेद हमारी आध्यात्मिक यात्रा को सदैव जागृत रखता है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती देवती कर्मा पूरे टीम के साथ संत प्रवर विज्ञान देव जी महाराज का आशीर्वाद लिया पश्चात 25000 कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के निमित्त संकल्प भी लीं, साथ ही लोगों में विहंगम योग की अद्भुत ज्ञान की धारा को प्रेरित करने की बात कही।

संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को विहंगम योग के क्रियात्मक योग साधना को सिखाया। यह साधना खुद से खुद की दूरी मिटाने के लिए है। संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज की दिव्यवाणी जय स्वर्वेद कथा के रूप में लगभग 2 घंटे तक प्रवाहित हुई । स्वर्वेद के दोहों की संगीतमय प्रस्तुति से सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे।

दिव्यवाणी के पश्चात मुख्य आगंतुकों को संत प्रवर जी के हाथों विहंगम योग का प्रधान सद्ग्रन्थ स्वर्वेद भेंट किया गया। आयोजकों ने बताया कि विहंगम योग सन्त समाज के शताब्दी समारम्भ महोत्सव एवं 25000 कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के निमित्त संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज 17 जुलाई को संकल्प यात्रा का शुभारंभ कश्मीर की धरती से हो चुका है। संकल्प यात्रा के प्रथम चरण में कश्मीर , जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड , उड़ीसा के पश्चात छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज, अम्बिकापुर, बिलासपुर, नवापारा, सरायपाली, बालोद , धमतरीहोते हुए आज रायपुर में पहुँच चुकी है।

17 एवं 18दिसंबर 2023 को विशालतम ध्यान - साधना केंद्र (मेडिटेशन सेंटर) स्वर्वेद महामंदिर, वाराणसी के पावन परिसर में 25000 कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ होना है। उसी क्रम में यह संकल्प यात्रा हो रही है जिससे अधिक से अधिक लोगों को पूरे भारत वर्ष में लाभ मिले।

खेत जा रहे युवक पर भालू और उसके बच्चे ने किया हमला, हालत गंभीर

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़ वन मंडल के खोंगापानी गांव में भालू ने एक युवक पर हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई। जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे अच्छे इलाज के लिए अपोलो अस्पताल बिलासपुर रेफर किया। लेकिन अभी भी युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मनेंद्रगढ़ के पास कोयलांचल क्षेत्र के खोंगापानी गांव का यह मामला है। खोंगापानी गांव निवासी अमित कुमार दास खेत देखने जा रहा था। अमित कुमार दास का खेत खोगापानी गोठान के पास है। गोठान के पास जब वह रुककर फोन पर बात करने लगा, तभी पीछे से भालू और उसके एक बच्चे ने उसपर पीछे से हमला कर दिया। इस हमले से युवक बुरी तरह लहुलुहान हो गया। घायल अमित ने जब शोर किया, तो स्थानीय लोगों ने उसकी आवाज सुनकर मदद की और भालू को भगाया।

भालू के हमले में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना की जानकारी तत्काल वन अमले को भी दी गई। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को वन विभाग टीम की मदद से अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया। लेकिन उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे फौरन अपोलो अस्पताल बिलासपुर रेफर किया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल युवक की हालत नाजुक बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जंगली जानवरों के होने की खबर वन अमले को हैं। लेकिन जंगली जानवरों से जनहानि को बचाने के लिए वन अमला किसी भी प्रकार की सूचना नहीं देता है। ना ही मुनादी करवाई जाती है। वन विभाग में पदस्थ रेंजर फोन ही नहीं उठाते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

विशेषाधिकार समिति के सामने अधीर रंजन रखेंगे अपना पक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा से निलंबित हुए कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी को लेकर आज लोकसभा की विशेषाधिकार समिति की बैठक हुई है। इस बैठक में फैसला लिया गया है कि कांग्रेस सांसद को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। गौरतलब है कि अधीर रंजन चौधरी को 10 अगस्त को लोकसभा से अनियंत्रित व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया गया था। उनके ऊपर लगे इन आरोपों को लेकर समिति ने उन्हें 30 अगस्त को पेश होने के लिए कहा है और अपने पक्ष में बात रखने की छूट दी है। शुक्रवार को विशेषाधिकार समिति की बैठक खत्म होने के बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि विशेषाधिकार समिति की बैठक नियमों के मुताबिक हो रही है। मुझे इस बारे में कुछ नहीं कहना है। मुझे बैठक का एजेंडा भी नहीं पता। मुझे उम्मीद है कि कार्यवाही वैसे ही होगी नियमों के अनुसार। समिति द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद अध्यक्ष (लोकसभा) निर्णय लेंगे। यह (लोकसभा से निलंबन) नियमों के अनुसार नहीं हुआ।

आम आदमी पार्टी की राजनीति में भ्रष्टाचार है : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस की तैयारियों को लेकर बीते दिनों कांग्रेस की एक अहम बैठक के बाद अल्का लांबा ने कहा था कि पार्टी दिल्ली की सभी 7 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके बाद इंडिया गठबंधन की सहयोगी आम आदमी पार्टी असहज हो गई थी। अब कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कुछ ऐसा कहा है जिससे एक बार फिर दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ सकता है। लोकसभा चुनाव 2024 पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, हमने ये नहीं कहा कि हम सातों सीटों पर लड़ेंगे। हमने कहा कि हम सात सीटों पर तैयारी करेंगे। गठबंधन की परवाह किए बिना हर पार्टी तैयारी करती है। जब गठबंधन बनेगा तो तय होगा कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ेगा। हमारी बैठक पार्टी को मजबूत करने के लिए थी। हमने बैठक में गठबंधन पर चर्चा नहीं की। हमारा रुख यह है कि हम इस पार्टी (आप) पर भरोसा नहीं कर सकते। उनकी राजनीति में भ्रष्टाचार है।

लालू की जमानत रद्द कराने सुप्रीम कोर्ट पहुंची सीबीआई

नईदिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित चारा घोटाले से जुड़े मामलों में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमानत रद्द करने की मांग करते हुए शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। कोर्ट इस याचिका पर 25 अगस्त को सुनवाई करेगी। जांच एजेंसी ने झारखंड उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल, 2022 के उस आदेश को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया है, जिसमें यादव को उस मामले में जमानत दी गई थी, जिसमें उन्हें पांच साल जेल की सजा सुनाई गई थी। यादव को झारखंड के देवघर, दुमका, चाईबासा और डोरंडा कोषागार से धोखाधड़ी से नकदी निकालने से संबंधित पांच चारा घोटाले के मामलों में सजा सुनाई गई थी। 950 करोड़ रुपये के चारा घोटाले में अविभाजित बिहार के कई सरकारी खजानों से पशु चारे के लिए आवंटित धनराशि का गबन किया गया था। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा कथित तौर पर फर्जी बिल जारी किए गए थे।

भाजपा के लोग दरार पैदा करके राजनीति करते हैं: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर पदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार, 18 अगस्त को फतेहपुर में थे। यहां सपा प्रमुख बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार कहती है कि 100 में केवल 4 बेरोजगार है। आज गांव में चले जाओ किसी को नौकरी और रोजगारी सरकार नहीं दे पा रही है। प्रदेश को, समाज को अगर कोई सुधार सकता है तो वो समाजवादी लोग हैं। भाजपा पर लोगों को बांटने का आरोप लगाते हुए अखिलेश यादव ने कहा, ये सरकार अपने वोट के लिए, अपनी कुर्सी के लिए किसी के भी बीच दरार पैदा कर देगी। आपने नहीं देखा विधानसभा में क्या कर रहे थे। ये दरार पैदा करके राजनीति करते हैं। बीजेपी के लोग दरारजीवी हैं। अखिलेश ने आगे कहा, ये सबसे बड़े भू माफिया है। पत्रकार साथियों अगर आपने सच दिखाया तो रात के 2 बजे पुलिस वाले आपके घर पर आएंगे। अगर आप डर गए तो खबर उसी दिन से बदल जाएगी।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को बनाया मुद्दा

भोपाल। कर्नाटक के सफल चुनाव अभियान को दोहराने की एक कोशिश के तहत कांग्रेस ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश में मौजूदा भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर जोरदार हमला बोला। मध्य प्रदेश में कांग्रेस इकाई ने मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार के खिलाफ 50% कमीशन भ्रष्टाचार विरोधी अभियान शुरू किया। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस एमपी अध्यक्ष कमलनाथ और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें लिखा था, घोटाला ही घोटाला; घोटाला सेठ, 50% कमीशन रेट। ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रामक चुनाव प्रचार की तैयारी शुरू कर चुकी है। कमलनाथ ने कहा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य के किसानों, युवाओं, व्यापारियों और अन्य लोगों को धोखा दिया है। राज्य में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं होगा जो न तो भ्रष्टाचार का शिकार हुआ होगा और न ही उसने भ्रष्टाचार देखा होगा। उसके आसपास हो रहा है। कांग्रेस मध्य प्रदेश में भाजपा मंत्रियों पर ठेकेदारों से 50% कमीशन मांगने का आरोप लगाती रही है।

कोविड ने हमें सहयोग का मूल्य समझाया : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने जी-20 देशों से नवाचार खोलने का किया आग्रह

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर में शुक्रवार को जी-20 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि स्वास्थ्य जीवन का आधार है। कोविड-19 महामारी ने हमें याद दिलाया है कि स्वास्थ्य हमारे निर्णयों के केंद्र में होना चाहिए। इसने हमें सहयोग का मूल्य समझाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 देशों से प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता की सुविधा देने का आग्रह किया और उनसे जनता की भलाई के लिए नवाचार खोलने की भी अपील की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समग्र स्वास्थ्य की सार्वभौमिक इच्छा का प्रमाण

पीएम मोदी ने कहा कि हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति को रोकने, तैयारी करने और प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत में हम एक समावेशी और समग्र दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं, हम स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं, चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली को बढ़ावा दे रहे हैं और सभी को सस्ती स्वास्थ्य देखभाल प्रदान कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का वैश्विक उत्सव समग्र स्वास्थ्य की सार्वभौमिक इच्छा का एक प्रमाण है।

नवाचार हमारे प्रयासों को न्यायसंगत और समावेशी बनाने के उपयोगी साधन

पीएम मोदी ने कहा, डिजिटल समाधान और नवाचार हमारे प्रयासों को न्यायसंगत और समावेशी बनाने के उपयोगी साधन हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, वैश्विक स्वास्थ्य के लिए वैश्विक पहल विभिन्न डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को एक आम मंच पर लाएगी। आइए अपने नवाचारों को जनता की भलाई के लिए खोलें। आइए हम फंडिंग के दोहराव से बचें। उन्होंने कहा, आइए हम प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता की सुविधा प्रदान करें। यह पहल वैश्विक दक्षिण के देशों को स्वास्थ्य सेवा वितरण में अंतर को कम करने में मदद करेगी। यह हमें सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने के हमारे लक्ष्य के एक कदम करीब ले जाएगी।

उन्होंने जी20 सदस्यों को बताया कि भारत लोगों की साझेदारी की मदद से वैश्विक समय सीमा से पहले ही तपेदिक (टीबी) को खत्म कर देगा। पीएम मोदी ने कहा, हमने देश के लोगों से टीबी उन्मूलन के लिए नि-क्षय मित्र या टीबी उन्मूलन के लिए मित्र बनने का आह्वान किया है। इसके अंतर्गत लगभग 10 लाख रोगियों को नागरिकों द्वारा अपनाया गया है। अब हम 2030 के वैश्विक लक्ष्य से काफी पहले टीबी उन्मूलन हासिल करने की राह पर हैं।

बौखला गईं हैं स्मृति ईरानी, अमेठी से ही चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी: अजय राय

वाराणसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को अपने गृह जनपद वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अजय राय के स्वागत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। मीडिया से बातचीत में अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। प्रियंका गांधी चाहें तो वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं, हमारा एक-एक कार्यकर्ता उनके लिए जान लगा देगा।

एक सवाल के जवाब में कहा कि स्मृति ईरानी बौखला गईं हैं। वो 13 रुपये किलो चीनी दिला रहीं थीं। पूछा कि 13 रुपये किलो चीनी मिल रहा है क्या? अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व ने जो विश्वास किया है उस विश्वास को लेकर आम जनता में जाएंगे।

वाराणसी एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बातचीत में अजय राय ने कहा कि आप कैमरा घुमाकर देखिए न, यहां बूथ लेवल का गांव-गिरांव के कार्यकर्ता खड़े हैं। अब गांव-गिरांव में कांग्रेस भाजपा को चुनाव हराएगी। बनारस की धरती महादेव की धरती है। महादेव महादेव की धरती से यह बिगुल बजा है। जिसका असर पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा।

अजय राय ने कहा कि भाजपा में क्या है, जो आप को गाली देता रहा। आप को मठ में भेजता रहा आप को गुजरात भेजता रहा। आज आप ने उसे अपने गठबंधन में ले लिया। उसे माला पहना रहे हैं और उसका स्वागत कर रहे हैं। पहले भाजपा को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। यह पूछने पर कि सबसे बड़ा मुद्दा क्या है इसपर अजय राय ने कहा कि प्रदेश में जो माहौल बनाया जा रहा है वही मुद्दा है। बेरोजगारी, महंगाई और जो डरा कर अपने साथ लेने का जो माहौल चल रहा है। ईडी-सीबीआई का डर दिखा कर लोगों को अपने साथ जोड़ा जा रहा है।

अजय राय ने खुद को राहुल गांधी का सिपाही और कार्यकर्ता बताया। कहा कि जो लड़ाई पूरी मजबूती के साथ भाजपा और नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ा था अब इसे चंदौली से गाजियाबाद तक लड़ा जाएगा। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत होगी।

अजय राय ने अपने पहले कदम के बारे में बताते हुए कहा कि वे आम कार्यकर्ता और साधारण व्यक्ति हैं। बताया कि सबसे पहले गाजीपुर शहीदों को नमन करने जा रहे हैं। ये लगातार संघर्ष करने का परिणाम है कि आज यह पद मिला है।

कांग्रेस हाईकमान ने अब तक कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष रहे पूर्व विधायक अजय राय को प्रोन्नति देते हुए प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। पार्टी शीर्ष नेतृत्व की ओर से लोकसभा चुनाव से ठीक पहले किए गए इस बदलाव को सियासी नजरिये से अहम माना जा रहा है। पूर्व विधायक राय को जुझारू नेता के रूप में पहचाना जाता है। खासतौर से वह पूर्वांचल में मजबूत पकड़ रखते हैं। अजय राय ने 2012 में कांग्रेस का हाथ थामा और उसी साल विधानसभा उपचुनाव में वाराणसी की पिंडरा सीट से पांचवी बार विधायक बने। इसके बाद से लगातार कांग्रेस में रहे। अजय राय 27 वर्ष की उम्र में ही 1996 में पहली बार भाजपा के टिकट पर विधायक बने थे। इसके बाद वह 2002 एवं 2007 में भी भाजपा के टिकट पर जीते। 2009 में भाजपा से सपा में शामिल हो गए।

पं. कमलापति त्रिपाठी के बाद पहली बार किसी नेता को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में पूरे प्रदेश की कांग्रेस की कमान संभालने का मौका मिला है। अजय राय पर कांग्रेस को प्रदेश में फिर खड़ा करने की चुनौती होगी, क्योंकि अब कांग्रेस को खोने के लिए यहां कुछ भी नहीं बचा है।

जिला पंचायत सम्मेलन में पीएम मोदी ने दिए संगठन के टिप्स

नई दिल्ली। शुक्रवार से दमन और दीव में भाजपा के दो दिवसीय जिला पंचायत सदस्य सम्मेलन की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस सम्मेलन से वर्चुअली जुड़े और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि %भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता हैं और पार्टी कार्यकर्ता का पद हमारे साथ हमेशा रहता है।

जिला पंचायत सदस्य सम्मेलन में भाजपा के 600 से ज्यादा जिला पंचायत सदस्य शामिल हुए। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि आप सब लोग एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं और उस व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए एक दूसरे के संपर्क में रहें। एक दूसरे को अपने जिले में हो रहे विकास कार्यों के बारे में बताएं। प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी के पंचायत सदस्यों को बताया कि वह एक साल में तीन सामाजिक योजनाओं का चुनाव करें और हर योजना को चार-चार महीने का वक्त दें और योजना के तहत विकास कराने पर फोकस करें। इस तरह पांच साल में आप 15 योजनाओं की समस्याओं को सुलझा सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले पंचायती राज विकास के लिए 70 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जाती थी लेकिन अब यह बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। हमने देशभर में 30 हजार से ज्यादा पंचायत भवनों का निर्माण किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मनरेगा फंड का इस्तेमाल विकास कार्यों के लिए होना चाहिए फिर चाहे वो तालाबों का निर्माण हो या फिर सड़कों का निर्माण या पेड़ लगाने का काम।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी के भीतर और भारत की राजनीति में भी राजनीतिक संस्कृति बदलाव किए हैं। आज लोग इस भावना के साथ काम कर रहे हैं कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को कैसे ताकत मिले, हम कैसे उनकी सेवा करें।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन गांवों तक विकास पहुंचाने और सरकारी कल्याण योजनाओं के तहत 100 फीसदी कवरेज सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने कहा कि हमने सबसे पहले उत्तर भारत के लिए सूरजकुंड में और पूर्वी भारत के लिए हावड़ा में क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद का आयोजन किया और अब दमन में इस परिषद में मध्य और पश्चिम भारत के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उनका लक्ष्य गांवों तक विकास पहुंचाना और सरकारी कल्याण योजनाओं के तहत पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना है।

खेल
प्रमुख समाचार

नीरज चोपड़ा की विश्व चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर निगाहें

नईदिल्ली। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की पदकों की अलमारी में सिर्फ विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण की कमी है और अब इस सुपरस्टार खिलाड़ी की निगाहें शनिवार से शुरु होने वाली इस प्रतियोगिता में इसी कमी को पूरा करने पर लगी हैं।

चोपड़ा (25 वर्ष) ने तोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीता। 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह पिछले साल डायमंड लीग चैम्पियन भी बन गये। चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था और वह इस बार यहां स्वर्ण पदक के दावेदारों में शुमार होंगे क्योंकि किसी भी प्रतिभागी को भी यहां प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। अगर चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लेते हैं तो वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जायेंगे। बिंद्रा 2008 में व्यक्तिगत स्पर्धा का ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे, उन्होंने 2006 में जगरेब में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया था। शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म को देखा जाये तो किसी को भी 27 अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। क्वालीफिकेशन इससे दो दिन पहले होगा। चोपड़ा ने इस सत्र में केवल दो शीर्ष स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं (दोहा और लुसाने डायमंड लीग) में हिस्सा लिया है और दोनों में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते। इन दोनों स्पर्धाओं के बीच उन्होंने चोट के कारण एक महीने का आराम भी किया। करीब दो महीने के आराम और ट्रेनिंग के बाद चोपड़ा ने कहा कि वह इस बड़ी प्रतियोगिता के लिये तैयार हैं जिसका दर्जा ओलंपिक की तरह ही है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 65,000 के नीचे निफ्टी 19,310 पर

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले कमजोर संकेतों के बीच इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबर में बीएसई सेंसेक्स 200 से अधिक अंक कमजोर हुआ। एनएसई के निफ्टी में भी 55 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका में दरों में और बढ़ोतरी की आशंकाओं के कारण ग्लोबल मार्केट में गिरावट देखी गई। हालांकि, 21 अगस्त को जियो फाइनेंशियल की लिस्टिंग की घोषणा के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज की अगुआई में दोपहर के सौदों में फ्रंटलाइन सूचकांकों ने एक हद तक रिकवरी की। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 202.36 अंक यानी 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 64,948.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,175.32 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,754.72 तक आया।

भारतीय कंपनियों ने जुलाई में की 3.1 अरब डॉलर की डील

नईदिल्ली। भारतीय कंपनियों के सौदे जुलाई में 58 प्रतिशत के उछाल के साथ 3.1 अरब डॉलर पर पहुंच गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, यह उछाल कुल सौदों की संख्या घटने के बावजूद बड़े लेनदेन के कारण आया है। ग्रांट थॉर्नटन द्वारा जुटाए आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में 3.1 अरब डॉलर के 95 सौदे हुए। संख्या के हिसाब से सौदों में 46 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मूल्य के हिसाब से इनमें 58 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सलाहकार कंपनी के भागीदार शांति विजेता ने कहा कि इस साल की शुरुआत से ही धीमी चल रही सौदा गतिविधियों पर वैश्विक मंदी का प्रभाव दिख रहा है। विजेता ने कहा कि सौदों के मूल्य में वृद्धि को जहां सीमापार लेनदेन ने प्रेरित किया, वहीं निजी इक्विटी क्षेत्र में सतर्कता के कारण कुल मात्रा में कमी आई। सौदे के मूल्य में यह उछाल दो अरब डॉलर के 29 सौदों की वजह से दर्ज हुआ है।

जियो फाइनेंशियल सर्विस की 21 अगस्त को होगी स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग

नईदिल्ली। भारत के अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की फाइनैंशियल फर्म जियो फाइनेंशियल सर्विस (जेएफएस) की जल्द ही स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग होने वाली है। शुक्रवार को बीएसई की तरफ से जारी सर्कुलर में बताया गया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी जियो फाइनैंसियल की स्टॉक मार्केट में 21 अगस्त, 2023 को लिस्टिंग की जाएगी। आरआईएल ने पिछले महीने 20 अरब डॉलर के मार्केट वैल्युएशन वाले जेएफएस को अलग कर दिया था यानी इसका डीमर्जर कर दिया था। बीएसई की नोटिस में कहा गया है, 'एक्सचेंज के ट्रेडिंग मेम्बर्स को सूचित किया जाता है कि सोमवार, 21 अगस्त, 2023 से प्रभावी, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड (पूर्व में रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड) के इक्विटी शेयरों को एक्सचेंज में लिस्ट किया जाएगा।

अदाणी पावर में निवेश की तैयारी कर रही अबू धाबी की एनर्जी कंपनी

नईदिल्ली। अबू धाबी की नेशनल एनर्जी कंपनी पीजेएससी (टीएक्यूए) भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने की तैयारी मे हैं। इसी क्रम टीएक्यूए गौतम अदाणी के बिजली के कारोबारों में निवेश कर सकती है, जो थर्मल प्रोडक्शन से लेकर क्लीन एनर्जी और ग्रीन हाइड्रोजन तक विभिन्न जोन में फैले हुए हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अदाणी समूह की कंपनियों या किसी एक फर्म में कंपनी 1.5 से 2.5 बिलियन डॉलर तक का निवेश कर रहे हैं। दोनों पक्षों का मानना है कि स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप के अलावा उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशिया में प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम करने के लिए टीएक्यूए और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के बीच बढ़िया ट्यूनिंग है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूपीआई की बढ़ती स्वीकार्यता

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय यूनीफाईड पेमेंट इंटरफेस को कई देश अपनाने को तैयार हो गए हैं। भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका ने भी अभी हाल ही में यूपीआई को अपना लिया है। पूर्व में, भारत और श्रीलंका की सरकारों के बीच इस सम्बंध में सहमति बन गई थी। फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर ने पहले ही भारतीय यूपीआई को अपना लिया है। इससे भारत के नागरिकों एवं यूपीआई अपनाने वाले अन्य देशों के बीच रुपए का लेनदेन आसान हो जाएगा। आम नागरिकों को इससे बहुत फायदा होगा क्योंकि रुपए को पहले अमेरिकी डॉलर में बदल कर फिर अन्य देशों की मुद्रा में परिवर्तन करने के अतिरिक्त खर्च से बचा जा सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत आने वाले सभी यात्रियों को यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने की सलाह दी है ताकि रुपए के उपयोग को बढ़ावा मिल सके।

विभिन्न देशों के बीच विदेशी व्यापार के व्यवहारों का निपटान करने हेतु उत्पादों का आयात एवं निर्यात करने वाले देशों को आपस में स्वीकार्य मुद्रा की आवश्यकता होती है। प्राचीन काल में विदेशी व्यापार के व्यवहारों का निपटान स्वर्ण मुद्राओं में किया जाता था। वर्ष 1945 में ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर विभिन्न देशों द्वारा विदेशी व्यापार के व्यवहारों के निपटान हेतु उस समय की मजबूत मुद्रा ब्रिटिश स्टर्लिंग पौंड को स्वीकार किया गया था। परंतु, कालांतर में अमेरिकी अर्थव्यवस्था के पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बनने के चलते अमेरिकी डॉलर ने ब्रिटिश स्टर्लिंग पोंड का स्थान ले लिया है, जो आज भी जारी है। आज भी अमेरिकी डॉलर पूरे विश्व में एक मजबूत मुद्रा बना हुआ है और विशेष रूप से कोरोना महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से अमेरिकी डॉलर की कीमत अन्य देशों की मुद्रा की कीमत की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। एक अमेरिकी डॉलर आज 82 रुपए का हो गया है। दरअसल अमेरिकी डॉलर की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाल ही के समय में बहुत बढ़ी है। एक तो, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बहुत तेज गति से बढ़ी हैं, प्राय: समस्त देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की खरीद का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करते हैं जिसके कारण अमेरिकी डॉलर की मांग भी बढ़ी है और जिसके चलते अमेरिकी डॉलर की कीमत में भी वृद्धि दर्ज हुई है। दूसरे, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में मुद्रा स्फीति की दर 10 प्रतिशत के आसपास (अमेरिका में 9.1 प्रतिशत) पहुंच गई थी, जो कि इन देशों में पिछले 40-50 वर्षों में सबसे अधिक महंगाई की दर है। महंगाई पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से इन देशों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि की जा रही है, जिसके कारण इन देशों द्वारा जारी किए जाने वाले बांड्स पर प्रतिफल बहुत आकर्षित हो रहे है एवं विदेशी निवेशक विकासशील देशों से अपना निवेश निकालकर अमेरिकी बांड्स में अपना निवेश बढ़ाते जा रहे हैं। जिन विकासशील देशों से डॉलर का निवेश निकाला जा रहा है उन देशों के विदेशी मुद्रा के भंडार कम होते जा रहे हैं जिससे उनकी अपनी मुद्रा पर दबाव आ रहा है और डॉलर की स्थिति लगातार मजबूत होती जा रही है। जापान येन का अमेरिकी डॉलर की तुलना में 22 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, ब्रिटिश पाउंड का 20 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, यूरो का 15 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, दक्षिण कोरिया की मुद्रा का 15 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, आस्ट्रेलिया की मुद्रा का 12 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है वहीं चीनी यूआन एवं भारतीय रुपए का 10 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है। चूंकि अन्य देशों की मुद्राओं का भारतीय रुपए की तुलना में अधिक अवमूल्यन हुआ है अत: भारतीय रुपए की कीमत इन अन्य देशों की मुद्राओं की तुलना में बढ़ गई है। कई विकसित देशों एवं एशिया के कई देशों की मुद्राओं की तुलना में भारतीय रुपए का अमेरिकी डॉलर की तुलना में कम अवमूल्यन होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं- भारतीय अर्थव्यवस्था का लगातार मजबूत रहना और देश में आर्थिक विकास की गति का तेज होना। हाल ही के समय में भारत से निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं जिसके चलते अमेरिकी डॉलर की भारत में आवक बढ़ी है। दूसरे, भारत में विदेशी निवेश भी लगातार बढ़ता जा रहा है जोकि सामान्यत: अमेरिकी डॉलर में ही होता है। इसके चलते भारत के पास पर्याप्त मात्रा में विदेशी मुद्रा का भंडार मौजूद है।

क्रमश: ...

आखिर ब्रिक्स सम्मेलन पर क्यों टिकी पूरी दुनिया की निगाहें?

अभिनय आकाश

15वें ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता इस साल साउथ अफ्रीका कर रहा है। प्रधानमंत्री इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए साउथ अफ्रीका जाएंगे। गौरतलब है कि इस सम्मेलन का आयोजन 22 अगस्त से 24 अगस्त तक किया जाएगा। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत संघ के प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे। हालांकि, यूक्रेन में कथित युद्ध अपराधों पर अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट का सामना कर रहे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस बार सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इस बात पर मतभेद है कि ब्लॉक का विस्तार किया जाए या नहीं, जिसमें दर्जनों ग्लोबल साउथ देशों को शामिल होना। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स समिट होने वाली है। इस बार समिट को लेकर डिप्लोमेसी की दुनिया में खासी गहमागहमी है। यूक्रेन के बाद दुनिया का वर्ल्ड ऑर्डर तेजी के साथ बदल रहा है। इस नए बदलाव के बीच ब्रिक्स सरीखे प्लैटफॉर्म का बढ़ता कद कुछ वक्त से शिद्दत से महसूस किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार मानते हैं कि आने वाले समय में ब्रिक्स एक अहम डिप्लोमैटिक और इकनॉमिक ब्लॉक बनने वाला है। इस बात में सच्चाई भी लगती है क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता फिलहाल पांच देशों के इस समूह को जॉइन करने के लिए दुनिया के 40 से ज्यादा देश रुचि न दिखाते। उनमें से 22 देशों ने सदस्यता के लिए अप्लाई भी कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका 22 से 24 अगस्त तक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्राजील के लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा और भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी करेगा। अगर दोनों के बीच ये मीटिंग होती है, तो 4 साल बाद ऐसा मौका होगा, जब भारत और चीन के शासनाध्यक्ष आमने-सामने होंगे। इससे पहले जी-20 की शिखर बैठक के दौरान जिनपिंग और मोदी के बीच कुछ देर की बातचीत हुई थी। अगर अब जिनपिंग और मोदी के बीच अलग से बैठक होती है, तो लद्दाख में चीन और भारत के बीच तनातनी खत्म हो सकती है। वे क्या चर्चा करने की योजना बना रहे हैं, इसके बारे में कुछ विवरण सामने आए हैं। लेकिन एजेंडे में विस्तार अधिक होने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के अनुसार, लगभग 40 देशों ने औपचारिक या अनौपचारिक रूप से शामिल होने में रुचि दिखाई है। इनमें सऊदी अरब, अर्जेंटीना और मिस्र शामिल हैं। चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने झगड़े के कारण अपने भू-राजनीतिक प्रभाव का विस्तार करना चाहता है, ब्रिक्स का तेजी से विस्तार करना चाहता है, जबकि ब्राजील विस्तार का विरोध कर रहा है, उसे डर है कि पहले से ही कमजोर क्लब इसके कारण अपना कद कमजोर कर सकता है। रॉयटर्स के सवालों के लिखित जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह सदस्यता बढ़ाने में प्रगति का समर्थन करता है और जल्द ही ब्रिक्स परिवार में शामिल होने के लिए अधिक समान विचारधारा वाले भागीदारों का स्वागत करता है। ये ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब ब्रिक्स को पश्चिम देशों के चश्मे से एक ऐसे समूह की तरह देखा जाता था, जो ज20 के बरक्स वर्ल्ड ऑर्डर के गैप को सांकेतिक रूप से भरने के लिए सामने आया था। हाल के वर्षों में दुनिया के जियो-पॉलिटिकल हालात तेजी से बदले हैं। ग्लोबल साउथ के देशों की धमक अंतरराष्ट्रीय पॉलिटिक्स में तेजी से बढ़ी है। ऐसे में ब्रिक्स का विस्तार एक ऐसा मसला है, जो इस बार समिट के अजेंडे की लिस्ट में शायद पहले नंबर पर हो। 15वें शिखर सम्मेलन का विषय ब्रिक्स और अफ्रीका है, जिसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि कैसे ब्लॉक एक ऐसे महाद्वीप के साथ संबंध बना सकता है जो तेजी से विश्व शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा का रंगमंच बन रहा है। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री नलेदी पंडोर ने पिछले सप्ताह एक बयान में कहा था कि ब्रिक्स देश दुनिया के अधिकांश लोगों की जरूरतों को संबोधित करने में वैश्विक नेतृत्व दिखाना चाहते हैं। इस मसले पर भारत का एकदम साफ रुख है। भारत ने कई बार कहा है कि समूह के विस्तार को लेकर उसे ऐतराज नहीं है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया भी था कि नए सदस्यों की एंट्री को लेकर क्राइटेरिया जैसे मसलों पर सदस्य देशों के बीच मंथन चल रहा है और भारत इस विस्तार को सकारात्मक तरीके से देखता है। हालांकि सच ये भी है कि इसे लेकर भारत की कुछ अपनी चिंताएं हैं।

विकसित भारत का मोदी प्लान

बिक्रम उपाध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। उन्होंने 2028 तक विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है और फिर अगले 20 साल में एक पूर्ण विकसित राज्य का। सवाल यह है कि चुनावी वर्ष के ये संकल्प केवल चुनावी जुमले हैं या वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की बातों में गंभीरता है? वैसे विकसित देश के तमगे का कोई स्थापित मानदंड नहीं है, पर इसके मूल्यांकन का आधार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी), प्रति व्यक्ति आय, औद्योगीकरण का स्तर, व्यापक बुनियादी ढांचे का जाल और जीवन स्तर इत्यादि मानक हैं। इन्हीं मानदंडों के आधार पर विश्व बैंक ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को चार समूहों में बांटा है- उच्च, उच्च-मध्यम, निम्न-मध्यम और निम्न आय वाले देश।

अप्रैल 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक का एक डाटा जारी किया। जिसके अनुसार विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका समेत जी7 के देश, यूरो एरिया वाले देश, चीन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्वीडन और स्पेन जैसे देश और एशिया में इजरायल, सिंगापुर, कतर, यूएई आदि को शामिल किया गया है, जबकि भारत को अभी भी इमर्जिंग एंड डेवलपिंग इकोनॉमी वाले देशों के साथ रखा गया है। साइज में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है। पर हमारी जनसंख्या दुनियाभर में सबसे अधिक है। यही कारण है, कि जब प्रति व्यक्ति जीडीपी, प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय, प्रति व्यक्ति शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च या प्रति व्यक्ति उपभोग की तुलना करते है, तो भारत एकदम से निचले पायदान वाले देशों में गिना जाने लगता है। इस समय भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,389 अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। विश्व रैंकिंग में हम प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में 128वें नंबर पर हैं, और एशिया में 31वें नंबर पर। 2021 -22 के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा जारी मानव विकास सूचकांक में भारत 191 के देशों की सूची में 132वें नंबर पर है।

संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी विभाग के आंकड़ों के अनुसार चीन 28.7ब वैश्विक विनिर्माण उत्पादन के साथ दुनिया में पहले नंबर का औद्योगिक देश बन गया है। उसके बाद अमेरिका 16.8ब वैश्विक विनिर्माण उत्पादन के साथ दूसरे नंबर पर, जापान 7.5ब वैश्विक विनिर्माण उत्पादन के साथ तीसरे नंबर पर, जर्मनी 5.3ब वैश्विक विनिर्माण उत्पादन के साथ चौथे नंबर पर और भारत 3.1ब वैश्विक विनिर्माण उत्पादन के साथ पांचवे स्थान पर है। स्पष्ट है कि एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत को अभी लंबी दूरी तय करनी है। अंग्रेजी की एक कहावत है कि हजारों मील की यात्रा एक कदम से शुरू होती है। प्रधानमंत्री मोदी वह शुरू कर चुके हैं। 9 साल पहले जहां भारत था वहां से विकसित राष्ट्र की तरफ आगे बढ़ना शुरू हो चुका है। भारत का जीडीपी 2023 में 3.75 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छू गया है, जो 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर से भी कम था। 2014-15 में प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय (मौजूदा कीमतों पर) 86,647 रुपये थी। यह अब 172,000 रुपये है। यानी इसमें 98.5ब की वृद्धि हुई है। पर इतना काफी नहीं है भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए। जनसंख्या का आकार और उसके हिसाब से एक विकसित राष्ट्र का विकास भारत तभी कर सकता है, जब वह अगले 30 साल तक चीन की तरह हर क्षेत्र में अपना विस्तार कर सके। लगातार आठ फीसदी या उससे अधिक की विकास दर हासिल करे। मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में वह चीन की जगह ले। निजी निवेश और विदेशी निवेश का बड़ा प्रवाह भारत में बने। जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करे।

प्रधानमंत्री मोदी को यह मालूम है और उन्होंने हर दिशा में प्रयास भी शुरू किया है। मोदी कोई अर्थशास्त्री नहीं है पर एक अच्छे व्यापारी की तरह भारत के लिए संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। सिस्टम में शिथिलता ना आए, इसके लिए वह खुद प्रोग्रामिंग करते हैं। वह सरकार की दिशा एक रखते हैं। आथिर्क विषयों के सभी मंत्रालयों के बीच समन्वय का काम खुद करते हैं। समय पर और शेड्यूल के अनुसार काम हो इसकी गारंटी करते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर पर उनका विशेष जोर है, इसलिए 5 साल का बजट एक साथ बना देते हैं, कही ढिलाई ना हो, इसके लिए गतिशक्ति योजना बनाते हैं। घरेलू सामान बने और बिके, इस हेतु वोकल फॉर लोकल जैसे भावनात्मक नारा देते हैं। देश में बाहर से टेक्नोलॉजी और पैसा आए इसके लिए सभी धनी देशों के प्रमुखों से व्यक्तिगत संबध बनाते हैं। हमारा सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी चीन अपने भीतर और बाहर के गतिरोधों से घिरा रहे, इसके लिए कूटनीतिक दांव पेंच करते हैं। वह राज्यों को ज्यादा आर्थिक स्वायतत्ता और सहयोग देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के अंदर भारत के विकसित देश बनने का विश्वास ऐसे ही नहीं बना है, उनके विश्वास का आधार दुनिया भर के संस्थानों का आकलन भी है। गोल्डमैन सैक्स रिसर्च का अनुमान है कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अब तो चीन भी भारत की आर्थिक विकास की दुहाई देने लगा है। पर यह भी सच्चाई है कि भारत ने विकास के दौर में खुद को बड़े लीग में शामिल करने में देर कर दी है। पर मोदी संभवत: चिड़ियों को बाज से लड़ाने के हौसलों की बात कर रहे हैं। विकासशील से विकसित देश बन जाने का यह हौसला भी कम नहीं है।

कृपया इनसे सीखें
चर्चा में पाँच रुपये में भर पेट खिलाने वाली रसोई

सौ फीसद सच है कि ऊपर वाला सब देख रहा है....। नेक नीयत और हर नेक काम को मुकाम जरूर मिलता है। कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में इसी गुरुवार 6.40 लाख रुपये जीते वाले इंजीनियर सरदार दविंदर सिंह चर्चा में हैं। 6.40 लाख रुपए जीतने के लिए कम, 5 रुपये लेकर कइयों का दिल जीतने के लिए ज्यादा। जी हाँ, सरदार जी आपकी रसोई चलाते हैं, जिसकी चर्चा अब देशभर में है। सिंह परिवार का छोटा सा नेक प्रयास दुनिया को इंसानियत का नेक संदेश देने में सफल रखा। केबीसी में हॉटसीट पर दविंदर सिंह ने जब आपकी रसोई के बारे में जानकारी दी, तो अमिताभ बच्चन भी इससे बेहद प्रभावित हुए। मुंबई से लौटने के बाद बातचीत में दविंदर सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा में बड़े-बुजुर्गों को सेवा में रत देख उन्हें भी बचपन से यही सीख मिली। दविंदर ने बताया कि दिल्ली में दो बच्चों की भूख से मौत की खबर ने उन्हें झकझोर डाला। इसके बाद बड़े भाई गुरविंदर सिंह, माता-पिता मनमोहन सिंह व सतनाम कौर, धर्मपत्नी नवनीत कौर और अपने दोस्त कर्ण को मन की बात बताई। तब से परिवार के सभी सदस्य हर शनिवार को खाना बनाते हैं, गाड़ी में रखते हैं और आपकी रसोई-भरपेट भोजन 5 रुपये में% लिखा एक बैनर लेकर शहर के किसी एक इलाके में पहुँच जाते हैं दविंदर सिंह कहते है, पाँच रुपये इसलिए कि कोई भी व्यक्ति भोजन लेने में झिझके ना।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1897 लंदन में पहली इलेक्ट्रिक टैक्सी का परिचालन किया गया।
2007 संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण-पूर्व और मिडवेस्ट में एक सप्ताह की गर्मी की लहर ने 49 की मौत का कारण बना।
2008 उत्तर कोरिया ने स्वीडन को शत्रु और संयुक्त राज्य अमेरिका को युद्ध कठपुतली घोषित किया।
2009 ईराक के बगदाद में सिलसिलेवार बम विस्फोट में 101 लोगों की मौत और 565 घायल हुए।
2010 अमेरिकी सेना की अंतिम ब्रिगेड के कुवैत जाने के साथ ऑपरेशन इराकी फ्रीडम खत्म हुआ।
2012 जापान ने 2012 का महिला बेसबॉल विश्व कप जीता, अपना तीसरा सीधा खिताब हासिल किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद्

यह उपनिषद् अथर्ववेदीय परम्परा से सम्बद्ध है। इसमें देवगणों एवं प्रजापति के बीच प्रश्नोत्तर के माध्यम से सविशेष (साकार) और निर्विशेष (निराकार) ब्रह्म का निरूपण किया गया है। पाँच प्रखण्डों में यह उपनिषद् उपनिबद्ध है। ये पाँचों प्रखण्ड भी उपनिषद् के नाम से प्रसिद्ध हैं। इस उपनिषद् में परमात्मा को परम पुरुषार्थी (नृसिंह) रूप में व्यक्त किया गया है। कहा गया है कि परम पुरुष के तप से सृष्टि विकसित हुई। सृष्टि विकास उसका पहला पूर्व तप कहा जाने योग्य है। सृष्टि विकास का क्रम स्पष्ट करने वाले उपनिषद् को पूर्वतापिनी कहा गया है।

प्रथम उपनिषद् का वर्ण्य विषय है सृष्टि के मूल में प्रजापति की कामना, प्रजापति द्वारा आनुष्टुभ मन्त्र का दर्शन, सम्पूर्ण जगत् आनुष्टुभमय, मन्त्रराज के चार पाद, ऋषि- देवता छन्द विषयक प्रश्न, पाद और अंगसहित मन्त्र का फल, लोक, वेद, ब्रह्मा आदि के रूप में साम का ध्यान, मन्त्रराज साम का माहात्म्य तथा इस विद्या की महिमा। द्वितीय उपनिषद् का वर्ण्य विषय है नारसिंह मन्त्रराज द्वारा संसार से पार होना, प्रणव के पादों का साम के पादों के साथ तादात्म्य, साम की अनुष्टुपता, साम की पंचांगता, ओंकार की न्यास प्रक्रिया, मन्त्रराज के प्रत्येक पद द्वारा न्यास, मन्त्रराज के उग्र, वीर आदि पदों की सार्थकता। तृतीय उपनिषद् में मन्त्रराज के शक्ति बीज आदि की जिज्ञासा तथा शक्ति और बीज का स्वरूप निरूपण है। चतुर्थ उपनिषद् का वर्ण्य विषय है अंग मन्त्र का उपदेश, प्रणव की ब्रह्मात्मकता, प्रणव के चारों पदों का निरूपण, सावित्री गायत्री मन्त्र का स्वरूप, यजुर्लक्ष्मी मन्त्र, नृसिंह गायत्री मन्त्र आदि का स्वरूप निरूपण । पंचम उपनिषद् का वर्ण्य विषय है- देवों द्वारा महाचक्र की जिज्ञासा, षड्, अष्ट, द्वादश, द्वात्रिंशत् (32) अरों वाले चक्रों का निरूपण, अवयव दर्शन, महाचक्रदर्शन, महाचक्र वेधन महिमा, मन्त्रराज के अध्ययन का फल, मन्त्रराज के जापक की सर्वोत्कृष्टता तथा मन्त्रराज के जापक की ब्रह्मत्व प्राप्ति का निरूपण इस प्रकार निर्विशेष ब्रह्म का सविशेष ब्रह्म (नृसिंह भगवान्) के साथ तादात्म्य निरूपित हुआ है।

कहा जाता है कि जब सारा संसार जल के रूप में ही था। सर्वत्र सलिल राशि ही दृष्टिगोचर हो रही थी। उसी जल राशि के मध्य कमल पत्र पर प्रजापति ब्रह्मा जी प्रकट हुए। प्रजापति ब्रह्माजी के मन में यह कामना उत्पन्न हुई कि मैं सृष्टि रचना करूँ यह लोक प्रसिद्ध उक्ति है कि मनुष्य मन में जैसी भावना करता है, भीतर से वैसी ही वाणी निकलती है और वैसी ही क्रिया होने लगती है। इसी सम्बन्ध में ऋषियों ने कहा है- प्राचीन काल में सृष्टि रचना के समय पहले मन से काम की उत्पत्ति हुई। निरन्तर आत्म निरीक्षण करने वाले ज्ञानी जन काम को अंत: स्थित आत्मा का बन्धन मानते हैं।

क्रमश:...

चीन के तीन सौ सैनिकों को ढेर करने वाले जसवंत सिंह रावत

स्कंद शुक्ल

चीन के साथ लड़ा गया 1962 का युद्ध भारतीय सेना के वीर जवानों की गौरव गाथा है। इस युद्ध में सीमा की रक्षा करते हुए देश के कई जाबाजों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। ऐसे ही एक महान सपूत रहे राइफल मैन जसवंत सिंह रावत। जिन्होंने 72 घंटे भूखे-प्यासे रहकर चीनी सैनिकों को न सिर्फ रोके रखा, बल्कि दावा यह भी किया जाता है कि उन्होंने दुश्मन देश के तीन सौ सैनिकों को ढेर कर दिया था।

19 अगस्त, 1941 को उत्तराखंड के पौड़ी-गढ़वाल जिले के बादयूं में जसवंत सिंह रावत का जन्म हुआ था। 17 साल की उम्र में ही वह सेना में भर्ती होने चले गए थे, लेकिन तब कम उम्र के चलते उन्हें नहीं लिया गया। हालांकि, 19 अगस्त 1960 को जसवंत को सेना में बतौर राइफल मैन शामिल कर लिया गया। 14 सितंबर, 1961 को उनकी ट्रेनिंग पूरी हुई। इसके एक साल बाद ही यानी 17 नवंबर, 1962 को चीन की सेना ने अरुणाचल प्रदेश पर कब्जा करने के उद्देश्य से हमला कर दिया।

सुबह के करीब पांच बजे चीनी सैनिकों ने सेला टॉप के नजदीक धावा बोला, जहां मौके पर तैनात गड़वाल राइफल्स की डेल्टा कंपनी ने उनका सामना किया। जसवंत सिंह रावत इसी कंपनी का हिस्सा थे। 17 नवंबर 1962 को शुरू हुई यह लड़ाई अगले 72 घंटों तक लगातार जारी रही।

चीनी सेना हावी होती जा रही थी, इसलिए भारतीय सेना ने गढ़वाल यूनिट की चौथी बटालियन को वापस बुला लिया। लेकिन इसमें शामिल जसवंत सिंह, लांस नायक त्रिलोकी सिंह नेगी और गोपाल गुसाई नहीं लौटे। ये तीनों सैनिक एक बंकर से गोलीबारी कर रही चीनी मशीनगन को छुड़ाना चाहते थे।

तीनों जवान चट्टानों और झाड़ियों में छिपकर भारी गोलीबारी से बचते हुए चीनी सेना के बंकर के करीब जा पहुंचे और महज 15 यार्ड की दूरी से हैंड ग्रेनेड फेंकते हुए दुश्मन सेना के कई सैनिकों को मारकर मशीनगन छीन लाए। इससे पूरी लड़ाई की दिशा ही बदल गई और चीन का अरुणाचल प्रदेश को जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। हालांकि, इस गोलीबारी में त्रिलोकी और गोपाल मारे गए। वहीं, जसवंत को दुश्मन सेना ने घेर लिया और उनका सिर काटकर ले गए। इसके बाद 20 नवंबर 1962 को चीन ने युद्ध विराम की घोषणा कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, इन तीन दिनों में 300 चीनी सैनिक मारे गए थे। जिससे अरुणाचल प्रदेश को उनके कब्जे में जाने से बचाया जा सके।

राइफलमैन रावत को 1962 के युद्ध के दौरान उनकी वीरता के लिए मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। जसवंत सिंह रावत भारतीय सेना के अकेले सैनिक हैं, जिन्हें मौत के बाद प्रमोशन मिला था। पहले नायक फिर कैप्टन और उसके बाद मेजर जनरल बने।

इस दौरान उनके घरवालों को पूरी सैलरी भी पहुंचाई गई। अरुणाचल के लोग उन्हें आज भी शहीद नहीं मानते हैं। माना जाता है कि वह आज भी सीमा की सुरक्षा कर रहे हैं। शहीद जसतंव सिंह रावत के शौर्य गाथा पर बनी फिल्म 72 आवर्स- मारटायर हू नेवर डायड बनी है।

सचिन पायलट की चुप्पी के सियासी मायनों की मुसीबत!

निरंजन परिहार

सचिन पायलट बातचीत में कुशल हैं। सामान्य बोलचाल में भी, मीडिया से भी और सार्वजनिक तौर पर भी। हिंदी वे अच्छी जानते हैं और राजनीतिक वाकपटुता में भी वह दूसरे नेताओं से उन्नीस नहीं है। अंग्रेजी तो हिंदी से भी बेहतर बोलते हैं। लेकिन राजस्थान और लगभग पूरे हिंदुस्तान में भी किसी नेता का अंग्रेजी में बात करना वोटों की राजनीति के लिए भारी साबित होता है, इस तथ्य को पायलट जानते हैं, सो वे सार्वजनिक तौर पर अंग्रेजी में बोलने से बचते हैं। हिंदी में ही बोलते हैं और हिंदी में ही भाषण भी देते हैं। शब्दावली वे बहुत अच्छी चुनते हैं और उनका वाक्य विन्यास भी विशेष अंदाज से भरा होता है। लेकिन बीते लगभग दो महीनों से पायलट न तो कुछ खास बोल रहे हैं, न ही भाषण दे रहे हैं और न मीडिया से कोई बातचीत। तस्वीर के तेवर यही हैं कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके पूर्व उप मुख्यमंत्री पायलट के बीच तकरार भले ही बंद है, मगर रार अभी भी बरकरार है। यही रार राजस्थान में कांग्रेस और गहलोत के फिर से सत्ता में आने के प्रयासों की पतवार पर पलटवार कर सकती है।

कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में रुचि रखने वाले लोग पायलट के इस मौन के मायने तलाश रहे हैं, और समर्थक हैरान हैं कि उनका नेता कुछ तो बोले। बाहर बीजेपी और भीतर कांग्रेस दोनों में बड़ी हलचल के हालात हैं। कांग्रेस और उसकी सरकार पर प्रहार करती बीजेपी और उनके नेताओं को करारा जवाब देने के लिए कांग्रेस के नेताओं में पायलट ही बेहद सक्षम माने जा सकते हैं, लेकिन पायलट हैं कि भाषा पर पकड़, स्पष्ट उच्चारण और

शालीन शब्दावली के बावजूद चुप्पी साधे हैं, और उनकी यही चुप्पी राजनीतिक रहस्य के गुब्बारे को फुला रही है। वैसे, मुख्यमंत्री गहलोत खुश हो सकते हैं कि पार्टी में उनके प्रखर विरोधी के रूप में लगभग कुख्यात होने की हद तक चर्चित सचिन इन दिनों शांत हैं। लेकिन यह चुप्पी जब अपनी आवाज की बुलंदियों को साधेगी, तो क्या होगा, यह केवल पायलट ही जानते हैं। वैसे, पायलट की राजनीति के जानकार कहते हैं कि ताजा राजनीतिक परिदृश्य में जब उनका मौन ही मुखरित हो रहा है, तो बोलने की जरूरत ही क्या है। दरअसल, पायलट की इस चुप्पी की जड़ में कांग्रेस आलाकमान के साथ वह समझौता है, लेकिन समझौते की शर्तें क्या हैं, कोई नहीं जानता। कुछ महीनों पहले पायलट की पदयात्रा के बाद जब कांग्रेस में हलचल तेज हुई, तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने गहलोत और पायलट से कई बार बात की और पार्टी हित में दोनों में सुलह की कोशिश हुई। आखिर, 6 जुलाई को दिल्ली में राजस्थान के लगभग सभी बड़े नेताओं के साथ खड़गे और राहुल ने चुनावी रणनीति तय करने की आड़ में सुलह करवाने की बैठक की जिसमें पायलट खुद शामिल रहे, लेकिन दोनों पैरों के दोनों अंगूठों में चोट आने और फ्रेक्चर हो जाने की वजह से मुख्यमंत्री गहलोत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े।

माना जा रहा था कि नई दिल्ली में हुई इसी बैठक में हुए समझौते के तहत गहलोत और पायलट के बीच जारी खींचतान थम गई और राजस्थान कांग्रेस में शांतिकाल की स्थापना के लिहाज से यह बैठक काफी महत्वपूर्ण भी रही। इस बैठक के बाद 8 जुलाई को पायलट का एक बयान आया, जिसमें उन्होंने साफ साफ कहा था कि राजस्थान में अगला विधानसभा चुनाव पार्टी के सभी नेता एकजुट होकर लड़ेंगे और सामूहिक नेतृत्व ही इस चुनाव में आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। इस बयान के बाद लगने लगा था कि अब पायलट को चुनाव तक गहलोत से कोई समस्या नहीं है। लेकिन 11 अगस्त को जयपुर में हुई राजस्थान कांग्रेस की पार्लियामेंट्री अफेयर्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में भी पायलट जब केवल नपे तुले शब्दों में बहुत कम ही बोले तो उनके न बोलने की बातें चलने लगीं। उधर, बैठक खत्म होते ही मुख्यमंत्री गहलोत ने एक बार फिर से बीजेपी पर धावा बोलते हुए कह दिया कि राजस्थान में उनकी सरकार गिराने की दो दो बार कोशिश हुई है। इस बयान को सीधे पायलट से जोड़कर देखा गया, जिनकी बहुचर्चित मानेसर बगावत के पीछे बीजेपी का षड़यंत्र बताया जाता रहा है और जिसकी वजह से पायलट को सवा तीन साल पहले उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के दो दो पदों से एक साथ बर्खास्त कर दिया गया था।

कांग्रेस में किसी भी मुद्दे पर कभी न बोलने नेता के रूप में सबसे पहले नरसिम्हाराव को जाना जाता है। वे ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने चुप रहने की अपनी दिव्य कला को ही अपना सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार बना डाला था। उनके बाद प्रधानमंत्री बने मनमोहन सिंह की भी लगभग इसी तासीर के कारण लोग उन्हें मनमोहन के बजाय मौनमोहन सिंह तक कहने लगे थे। संयोग से सचिन पायलट उन्हीं मौनमोहन के दूसरे कार्यकाल के मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री रहे हैं। राजनीति में निरीह प्राणी के रूप में कहे जाने वाले मनमोहन की रोबोटनुमा चाल और किसी भी गंभीरतम मुद्दे पर भी निष्भाव बने रहने की वजह से अक्सर उनकी चुप्पी का मतलब कमजोरी से लगाया जाता रहा। हमारे देश में मौन रहने वाले राजनेता को आम तौर पर निर्णायक न होने या निर्णय न लेने की क्षमता से संपन्न ही माना जाता है। लेकिन सचिन पायलट तो हर मुद्दे पर धाराप्रवाह बोलने वाले नेता माने जाते हैं। दरअसल, जब बोलने वाला व्यक्ति जहां बोलना जरूरी हो, वहां भी खुल कर नहीं बोले, तो राजनीति में वह चुप्पी रहस्य तो बुनती ही है। और रहस्य यही है कि अद्भुत आक्रामकता की राजनीतिक तासीर वाले पायलट की चकित करने वाली चुप्पी बहुत कुछ साफ साफ कह रही है, पर हर किसी को सुनाई नहीं दे रही, लेकिन जब सुनाई देगी, तो कांग्रेस में भूचाल खड़ा होगा। और कोई भी भूचाल कभी सुखद परिणाम नहीं देता। चुनाव सामने हैं और सामने बीजेपी कोई बहुत कमजोर नहीं है। इसलिए पायलट की चुप्पी को समझकर कांग्रेस को अपनी सियासी सम्हाल रखनी होगी, वरना राहुल गांधी भले ही अपनी भारत जोड़ो यात्रा का पार्ट टू भी शुरू कर देंगे, लेकिन जादूगर गहलोत कोई जादू ही कर दे तो अलग बात, मगर राजस्थान में कांग्रेस को अकेले अशोक गहलोत ही जिता देंगे, ऐसा तो किसी को भी आसान नहीं लगता।

हिन्द स्वराज

बंग-भंग (भाग-2)

प्रश्न- बंग-भंगके नतीजे आपने क्या देखे?

उत्तर- आज तक हम मानते आये हैं कि बादशाह से अर्ज करना चाहिए और वैसा करने पर भी दाद न मिले तो अलबत्ता, अर्ज तो करते ही रहना दु:ख सहन करना चाहिए; बंगाल के टुकड़े होने के बाद लोगों ने देखा कि हमारी अर्ज के पीछे कुछ ताकत चाहिए, लोगों में कष्ट सहन करने की शक्ति चाहिए। यह नया जोश टुकड़े होने का अहम नतीजा माना जायेगा। यह जोश अखबारों के लेखों में दिखायी दिया। लेख कड़े होने लगे। जो बात लोग डरते हुए या चोरी-छिपे करते थे, वह खुल्लमखुल्ला होने लगी-लिखी जाने लगी। स्वदेशी का आन्दोलन चला। अंग्रेजों को देखकर छोटे-बड़े सब भागते थे, पर अब नहीं डरते; मार-पीटसे भी नहीं डरते; जेल जाने में उन्हें कोई हर्ज नहीं मालूम होता; और हिन्द के पुत्ररत्न आज देश निकाला भुगतते हुए (विदेशों में) विराजमान हैं। यह चीज उस अर्ज से अलग है। यों लोगों में खलबली मच रही है। बंगाल की हवा उत्तर में पंजाब तक और (दक्षिण में) मद्रास इलाके में कन्याकुमारी तक पहुँच गयी

प्रश्न- इसके अलावा और कोई जानने लायक नतीजा आपको सूझता है?

उत्तर- बंग-भंग जैसे अंग्रेजी जहाज में दरार पड़ी है, वैसे ही हममें भी दरार फूट पड़ी है। बड़ी घटनाओं के परिणाम भी यों बड़े ही होते हैं। हमारे नेताओं में दो दल हो गये हैं- एक मॉडरेट और दूसरा एक्स्ट्रीमिस्ट। उनको हम धीमे और उतावले कह सकते हैं। (नरम दल व गरम दल शब्द भी चलते हैं।) कोई मॉडरेट को डरपोक पक्ष और एक्स्ट्रीमिस्ट को हिम्मतवाला पक्ष भी कहते हैं। सब अपने-अपने ख्यालों के मुताबिक इन दो शब्दों का अर्थ करते हैं। यह सच है कि ये जो दो दल हुए हैं, उनके बीच जहर भी पैदा हुआ है। एक दल दूसरे का भरोसा नहीं करता, दोनों एक-दूसरे को ताना मारते हैं। सूरत-कांग्रेस के समय करीब-करीब मारपीट भी हो गयी। ये जो दो दल हुए हैं वह देश के लिए अच्छी निशानी नहीं हैं, ऐसा मुझे तो लगता है। लेकिन मैं यह भी मानता हूँ कि ऐसे दल लम्बे अर्से तक टिकेंगे नहीं। इस तरह कब तक ये दल रहेंगे; यह तो नेताओं पर आधार रखता है।

प्रधानमंत्री के साथ खड़ा पूरा संगठन गुटबाजी से सीधे मोदी निपटेंगे

राजस्थान। भाजपा चुनाव से पहले समिति का गठन कर चुकी है। प्रदेश में गुटबाजी को स्पष्ट संदेश मिल गया है क्योंकि अब पूरा संगठन प्रधानमंत्री के साथ खड़ा नजर आ रहा है। ऐसे में प्रदेश में कोई भी और गुट किसी के भी समर्थन में खड़ा हुआ तो मुकाबला सीधे पीएम से होगा। वसुंधरा राजे को किसी समिति में जगह नहीं मिली है, राजे क्या सिर्फ स्टार प्रचारक रहेंगी, क्या राजे प्रचार करेंगी? ये अब एक बड़ा सवाल बना हुआ है।

विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। चुनाव होने में 100 दिन के आसपास ही बचे हैं और प्रदेश के दोनों ही प्रमुख दल अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने में लगे हैं। आगामी चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर ही भाजपा ने 17 अगस्त को संकल्प समिति और चुनाव प्रबंधन समिति का ऐलान कर पूरे प्रदेश को चौंका दिया।

राजस्थान भाजपा में निरंतर चली आ रही गुटबाजी पर इस फैसले से विराम लगा जाएगा या फिर और मुखर होकर दो गुट नजर आने लगेंगे, ये देखना अभी बाकी है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का नाम किसी

भी समिति में नहीं होना एक विस्मित करने वाला फैसला था। इस बीच एक बात स्पष्ट है कि प्रदेश में पूरा संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है। अब अगर कोई भी नया गुट बनता है तो उसका मुक़ाबला सीधे प्रधानमंत्री मोदी के साथ होगा।

हालांकि कुछ राजे समर्थक अभी भी किसी और समिति के आने का इंतजार कर रहे हैं, परन्तु प्रदेश के आलाकमान का स्पष्ट रूप से संदेश है कि जो होना है वो हो चुका है। यानी कोई भी समिति या कमेटी अब नहीं आएगी।

अगर कोई भी समिति नहीं आएगी तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की क्या भूमिका होगी? इस सवाल के जवाब में कल प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा था कि राजे हमारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और पार्टी के लिए प्रचार करेंगी। पार्टी जो भी काम कहेगी वो हम सब मिलकर करेंगे और एक ही लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे। भाजपा की सत्ता वापसी का लक्ष्य। प्रदेश प्रभारी के इस बयान से तो स्पष्ट है कि वसुंधरा राजे भाजपा की स्टार प्रचारक होंगी और पार्टी का प्रचार करेंगी, परंतु सवाल यहां पर यह उठता है कि क्या राजे बिना किसी बड़ी जिम्मेदारी के प्रचार के लिए जाएंगी?

संगठन के किसी आयोजन में नहीं पहुंचीं राजे

पिछले चार साल का ही इतिहास देखें तो यह साफ़ नजर आता है कि संगठन के किसी भी बड़े धरना प्रदर्शन या आयोजन में राजे नहीं पहुंची हैं। हाल ही में हुए महाघेराव में भी राजे ने सिर्फ ट्वीट कर ही काम चलाया था, जबकि प्रधानमंत्री खुद महा घेराव को लेकर काफी उत्साहित और संजीदा थे। राजे की मौजूदगी सिर्फ वहीं रही है, जहां राष्ट्रीय स्तर के नेता पहुंचे हैं, जिसका प्रमाण है 17 अगस्त की कोर कमेटी की बैठक। सब मौजूद थे राजे नहीं आईं।

क्या राजे प्रचार करने जाएंगी? नहीं गई तो क्या भाजपा सत्ता में वापसी कर पाएगी?

यह प्रमुख सवाल है अगर राजे भाजपा की परिवर्तन यात्रा से दूरी बना लेती हैं तो क्या भाजपा सत्ता वापसी कर पाएगी। प्रदेश में दो गुट हैं। एक संगठन के साथ, जिसकी संगठन के साथ नोकझोंक चलती रहती है पर वो संगठन को इग्नोर करने की स्थिति में नहीं है। दूसरा गुट राजे समर्थकों का है जो सिर्फ राजे के साथ चलते हैं। अब चूंकि प्रधानमंत्री खुद अपना गुट बना रहे हैं तो क्या राजे समर्थक अभी वहीं रहेंगे या प्रधानमंत्री के साथ दिखाई देंगे। ये प्रदेश में भाजपा की स्थिति को साफ करेगा।

पीएम मोदी से प्रभावित होकर शरद पवार थामेंगे एनडीए का दामन !

मुंबई। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने विश्वास जताया है कि एनसीपी संस्थापक शरद पवार एक दिन भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का समर्थन करेंगे। उनके इस बयान के बाद कयासों का दौर एक बार फिर शुरू हो गया है।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता बावनकुले, शरद पवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच हालिया बैठक पर एक सवाल के जवाब में नागपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से बात कर रहे थे। उस वक्त उन्होंने उक्त बात कही। आपको बता दें कि अजित पवार पिछले महीने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के आठ विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो गये थे। पिछले हफ्ते पुणे में शरद और अजित पवार के बीच हुई सीक्रेट बैठक के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल मच गयी थी। शरद पवार अब भी महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा हैं जिसमें शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं।

शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने दोनों नेताओं के बीच बैठक पर चिंता व्यक्त की थी। इस बारे में पूछे जाने पर बावनकुले ने कहा कि शरद पवार ने खुद स्पष्ट किया है कि यह एक पारिवारिक बैठक थी। मुझे लगता है कि शरद पवार एक दिन भारत को मजबूत और 'आत्मनिर्भर' बनाने के मोदी जी के दृष्टिकोण और सपने का समर्थन करेंगे।

इधर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर विपक्ष शासित राज्यों की निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को कहा कि मौजूदा शासकों की नीति जाति, धर्म और भाषा के आधार पर समाज की खाई को चौड़ा करना है। पवार ने महाराष्ट्र के बीड कस्बे में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने मणिपुर में जातीय हिंसा को लेकर भी केंद्र पर हमला बोला। आपको बता दें कि बीड बागी एनसीपी नेता और कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे का गृह जिला है। पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर जा कर वहां के लोगों की पीड़ा को जानना चाहिए था।

उल्लेखनीय है कि इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस (इंडिया) का गठन पिछले दिनों बेंगलुरू में किया गया था। इस एलायंस के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा किया था। इस कार्यक्रम में पवार के शिरकत करने का विरोध कुछ दलों ने किया था। इसके बाद भी एनसीपी प्रमुख पीएम मोदी के इस कार्यक्रम में पहुंचे थे। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुणे के दौरे पर थे।

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को लेकर भाजपा की रणनीति

नईदिल्ली। इस साल के आखिर में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। उनमें से मुख्य रूप से मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान हैं। वर्तमान में देखें तो मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है। वहीं, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में है। 2018 के चुनावी परिणामों पर नजर डालें तो तीनों ही राज्यों में भाजपा सत्ता में थी। लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, मध्यप्रदेश में 2020 में सियासी उठापटक के बाद भाजपा एक बार फिर से सत्ता में आने में कामयाब हो गई। लेकिन 2018 में तीनों ही राज्यों में मिली हार से भाजपा ने बड़ा सबक लिया है और यही कारण है कि अभी से ही तीनों राज्यों को लेकर भाजपा अपनी मजबूत रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश में जुटी हुई है। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर रहती है।

गुरुवार को हुए बड़े निर्णय

वर्तमान में देखें तो शायद है ऐसे बेहद कम मौके आए होंगे, जब भाजपा चुनाव की तारीखों की घोषणा से बहुत पहले ही उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी हो। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश को लेकर ऐसा हुआ है। मध्यप्रदेश में 230 विधानसभा की सीटें हैं और भाजपा की ओर से 39 उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार दिया गया है। वहीं, छत्तीसगढ़ में भी 21 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी गई है। छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 90 सीटें हैं। वही राजस्थान में भाजपा ने 2 पैनल का गठन कर दिया है। इससे भाजपा ने राजस्थान को लेकर भी अपना संदेश दे दिया है।

2024 चुनाव के लिहाज से मध्यप्रदेश काफी अहम राज्य है। यही कारण है कि भाजपा मध्यप्रदेश को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। 2018 में ज्यादा वोट पाकर भी सीटों के मामले में भाजपा के पीछे रह गई थी। यही कारण है कि भाजपा ने अभी से ही अपने दांव खेलने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश में पार्टी के

पास शिवराज सिंह चौहान जैसा मजबूत नेता है। लेकिन कहीं ना कहीं आलाकमान इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगाने की कोशिश में है। मध्यप्रदेश में उन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा पहले कर दी गई है जिनमें से ज्यादा पर कांग्रेस ने पिछली बार चुनाव में जीत हासिल की थी। इन सीटों पर भाजपा ने अभी से ही अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इनमें वे सीट भी हैं जहां भाजपा एक या दो बार चुनाव हार चुकी है। आंतरिक सर्वे में भी इन सीटों पर पार्टी की स्थिति ठीक नहीं पाई गई है। यही कारण है कि भाजपा ने अभी से ही ताल ठोक दिया है। मध्यप्रदेश में 2018 में चुनाव हारे 14 पर पार्टी ने फिर से भरोसा जताया है।

मध्यप्रदेश की तुलना में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस मजबूत नजर आ रही है। यही कारण है कि भाजपा कांग्रेस को सीधी टक्कर देने के लिए अभी से ही 90 में से 21 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा महिलाओं को साधने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि पहले ही सूची में भाजपा की ओर से महिला उम्मीदवारों को महत्व दिया गया है। इसके अलावा 21 में से 19 नए चेहरों को शामिल किया गया है। 21 में से 8 ओबीसी वर्ग से है, 11 एसटी, एक एससी और एक सामान्य उम्मीदवार को मौका दिया गया है। पार्टी ने इसमें पूरी तरीके से अपने सोशल इंजीनियरिंग का ध्यान रखा है। इसके अलावा भूपेश बघेल को उनके गढ़ में ही घेरने की पार्टी ने तैयारी की है और उनके भतीजे विजय बघेल को उनके खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा है।

राजस्थान को भी लेकर भाजपा गंभीर है और कहीं ना कहीं यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि पार्टी राज्य में सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने जा रही है। दरअसल, भाजपा की ओर से दो कमेटी की घोषणा की गई है। लेकिन दोनों में ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को जगह नहीं दी गई है। ऐसे में सिंधिया को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, बीजेपी ने साफ तौर पर कहा है कि वसुंधरा राजे राज्य में उनकी बड़ी नेता है और वह पार्टी का प्रमुख चेहरा भी हैं। उनके लिए दूसरा रोल निर्धारित किया जाएगा। कहीं ना कहीं राजस्थान में भाजपा नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी। प्रधानमंत्री 6 बार अब तक राज्य का दौरा कर चुके हैं। इसके अलावा स्थानीय नेताओं को भी बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और अर्जुन राम मेघवाल शामिल हैं।

26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण जल्द

मुंबई। 26/11 मुंबई आतंकी हमले मामले में आरोपी पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को जल्द ही भारत लाया जा सकता है। मामले के विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम का कहना है कि आरोपी तहव्वुर राणा का संभावित प्रत्यर्पण अब कुछ महीनों का सवाल है। निकम का यह बयान अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने 26/11 के मुंबई हमलों में शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में लाने की मांग की थी। हालांकि, पटेल ने कहा था कि तहव्वुर राणा की प्रत्यर्पण प्रक्रिया एक लंबित मामला है।

एक अमेरिकी अदालत ने गुरुवार को तहव्वुर राणा द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट को खारिज कर दिया, जिससे अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रमाणपत्र जारी करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। तहव्वुर राणा पर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों में शामिल होने का आरोप है।

अमेरिकी अदालत द्वारा बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट को खारिज करने पर उज्जवल निकम ने कहा, वास्तव में यह भारत के लिए एक बड़ी सफलता है और मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है यह अमेरिकी सरकार और भारत सरकार के बीच अच्छे संबंधों की वजह से हुआ है। अमेरिकी प्रशासन ने घोषणा की थी कि मुंबई पर 26/11 को हुए आतंकवादी हमले के मामले में अपराधी कोई भी हो, उन्हें कानून के अनुसार दंडित किया जाना चाहिए।

देश के लोगों को जागरूक करेगा इंडिया गठबंधन मुंबई बैठक पर इस एजेंडे पर लग सकती है मुहर

नईदिल्ली। विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) के मुंबई में समूह की प्रस्तावित तीसरी बैठक में संविधान की रक्षा के सार के बारे में जागरूकता अभियान के प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। इस बात की जानकारी गठबंधन के वरिष्ठ नेता ने दी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि अभियान 2024 के राष्ट्रीय चुनावों से पहले लोगों को एकता की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करने में मदद करेगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारा प्राथमिक उद्देश्य यह संदेश फैलाना है कि विपक्षी गुट का गठन संविधान की रक्षा करने और भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार से लड़ने के लिए किया गया है।

दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि अभियान के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया जा सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दो दिवसीय दिल्ली दौरे के दौरान मुंबई बैठक के एजेंडे पर भारत के नेताओं के साथ चर्चा की। एक व्यक्ति ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा, बैठक का एक मसौदा एजेंडा प्रक्रियाधीन है। कांग्रेस, कुमार और अन्य नेताओं के बीच बातचीत हुई। गुरुवार को पटना लौटे कुमार ने कहा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि और चेक-अप के लिए दिल्ली गए थे। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा

इंडिया समूह के साथ चर्चा के लिए नहीं थी। उन्होंने कहा, हम कांग्रेस और अन्य नेताओं से बात करते रहते हैं। हमारी टेलीफोन पर बात होती है।

मुंबई में सीट-बंटवारे का फॉर्मूला मुख्य एजेंडा होगा। मामले की जानकारी रखने वाले एक दूसरे व्यक्ति ने कहा कि जिस व्यवस्था पर चर्चा की जा रही है वह मुख्य रूप से राज्य-विशिष्ट होगी, जिसमें यथासंभव अधिक से अधिक सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों के खिलाफ एक उम्मीदवार खड़ा करने पर जोर दिया जाएगा। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि अड़चनें बनी रहने के बावजूद सीट बंटवारे के लिए जीत की संभावना के मुख्य कारक को ध्यान में रखा जाएगा। उदाहरण के लिए, केरल में वामपंथी और कांग्रेस प्रमुख हैं जबकि भाजपा तीसरे स्थान पर है। एक और नेता ने कहा कि केरल में सीट बंटवारे के मुद्दों पर विचार किया जा रहा है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि कांग्रेस और वामपंथी दोनों अपने मतभेदों को दूर करेंगे।

इंडिया गठबंधन विपक्ष का एक नाटक : दुष्यंत कुमार

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने विपक्ष के इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों का कोई भी गठबंधन कहीं नहीं चलेगा। गौतम ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) की पहली बैठक - जो 23 जून को पटना में हुई थी - में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नाराज हो गए थे तो वहीं दूसरी बैठक - 17-18 जुलाई को हुई थी जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाराज होने की खबर आई थी। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि उनकी (इंडिया ब्लॉक) गठबंधन योजना जल्द ही विफल हो जाएगी... कौन जानता है कि कितने लोग तीसरे को छोड़ देंगे। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी अगली कार्रवाई की रणनीति बनाने के लिए इंडिया गठबंधन मुंबई में बैठक करने के लिए तैयार है। अगले साल लोकसभा चुनाव में भाजपा से संयुक्त रूप से मुकाबला करने के लिए बनाए गए 26 दलों के विपक्षी गठबंधन की 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में बैठक होने वाली है। गौतम ने विधानसभा चुनाव में आपसी कलह और एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने के लिए विपक्षी दलों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, पंजाब में, वे आप कांग्रेस को एक भी सीट नहीं देगी। दिल्ली में हालात खराब हैं, इसलिए वह (अरविंद केजरीवाल) सीट बंटवारे की बात कर सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में घुसने नहीं देगी। कांग्रेस महाराष्ट्र में भी खराब स्थिति में हैं। इसके अलावा गौतम ने इंडिया गुट को स्वार्थी और नाटकीय स्वभाव का बताकर हमला बोला। उन्होंने कहा, यह गठबंधन एक नाटक है और स्वार्थी स्वभाव का है। स्वार्थ से किया गया कोई भी कार्य कभी पूरा नहीं होता। ये लोग मोदी विरोधी हैं। वे लोगों को क्या ऑफर दे रहे हैं, ये तो उन्हें भी अभी तक पता नहीं है।

लिख कर रख लो, नीतीश की पांच सीट भी नहीं आएगी : प्रशांत कुमार

पटना। चुनावी रणनीति का से नेता बनने की कोशिश में जुटे प्रशांत किशोर लगातार बिहार में जन सुराज पद यात्रा निकाल रहे हैं। इसी दौरान वह बिहार की सत्तारूढ़ महागठबंधन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इन सबके बीच नीतीश कुमार पर एक बार फिर से प्रशांत किशोर ने जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार के बाहर के यात्राओं को वह गंभीर रूप से नहीं लेते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपने बंगाल पर मेरा ट्वीट देखा होगा। मैंने तब दावा किया था कि बंगाल में भाजपा के 100 सीट नहीं आएगी और वह सच हुआ। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू को भी चुनौती दे दी।

प्रशांत किशोर ने साफ तौर पर कहा कि चाहे जो कर लें, आज मैं लिखकर दे रहा हूं कि लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार की जातियों को 5 सीट भी नहीं आने वाली है। इसको लेकर उन्होंने अपना तर्क भी दिया। प्रशांत किशोर ने बताया कि जदयू का जमीन पर कोई अस्तित्व नहीं बचा है। संगठन नहीं है और नेता भी नहीं है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि जदयू की कोई छवि नहीं है। ऐसे में पार्टी को कौन वोट देगा? उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव फिलहाल अभी दूर है लेकिन मैं अभी सब के बारे में नहीं बता सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जदयू का कोई भविष्य नहीं है। जदयू पार्टी का अंतिम काल चल रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने हीं अपनी पार्टी का क्रियाकर्म कर दिया है। अब उनको जदयू की जरूरत नहीं है।

पहले भी साधा था निशाना

प्रशांत किशोर ने दावा किया कि बस नीतीश कुमार को इतनी जरूरत है कि हम मुख्यमंत्री बने रहे चाहे पार्टी में कोई काम हो या ना हो। इससे पहले अपने बयान में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं भी बिहार का लड़का हूं। चुनाव इतनी मजबूती से लड़वाऊंगा कि लालू-नीतीश जैसे नेताओं के दांत खट्टे कर दूंगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मुझे धकियाना इनके बस की बात नहीं। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि जन सुराज व्यवस्था को अगर हम नहीं बनाएंगे लोग यही कहेंगे कि प्रशांत किशोर गांव और प्रखंडों में घूम रहे हैं। इनकी तो कोई ताकत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लालू यादव और भाजपा के लोग धकिया नहीं सकते हैं।

चुनाव से तीन महीने पहले टिकट का एलान करके भाजपा ने कांग्रेस को दी चुनौती

आशीष तिवारी

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों की घोषणा चुनाव से तकरीबन तीन महीने पहले करके देश की सियासत में एक बड़ा दांव खेल दिया है। इस तरीके का सियासी दांव देश की राजनीति में सबसे पहले बहुजन समाज पार्टी ने शुरू किया था। चुनाव से तकरीबन एक साल पहले बहुजन समाज पार्टी अपने प्रत्याशियों की घोषणा करके उनको सियासी मैदान में उतार दिया करती थी। फिलहाल भाजपा के इस दांव से सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस पार्टी के सामने आ गई है।

दरअसल, सियासी गलियारों में चर्चाएं इसी बात की सबसे पहले हो रही थी कि कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी से पहले अपने पत्ते खोलकर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करेगी, लेकिन बाजी कांग्रेस से पहले भाजपा ने मार ली। फिलहाल भारतीय जनता पार्टी की और से टिकट बंटवारे में फ्रंट फुट पर की गई इस बैटिंग के बाद कांग्रेस के नेताओं ने बैठकें शुरू कर दी हैं। जल्द ही कांग्रेस भी अब अपने प्रत्याशी घोषित करेगी। हालांकि, कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि भले ही उनके प्रत्याशी बाद में घोषित हों, लेकिन वह भाजपा से ज्यादा मजबूत और जिताऊ होंगे।

अब क्या होगी कांग्रेस की रणनीति

कांग्रेस पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि कांग्रेस के प्रत्याशियों की घोषणा भी जल्द ही हो जाएगी। मध्य प्रदेश के चुनाव में रणनीतिक तौर पर कमान संभालने वाले नेताओं में शामिल एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी ने कुछ सीटों पर ही अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं। इससे साफ पता चलता है कि भारतीय जनता पार्टी की तैयारियां समूचे मध्यप्रदेश को लेकर नहीं चल रही है।

वह कहते हैं कि अगर ऐसी तैयारी चल भी रही हैं तो उसमें पार्टी को बहुत माथा पच्ची करनी पड़ रही है। जबकि कांग्रेस में समूचे मध्यप्रदेश के प्रत्याशियों की चयन की प्रक्रिया लगभग पूरी होने वाली है। वह कहते

हैं कि कांग्रेस में किसी तरीके की भगदड़ और प्रत्याशी ना घोषित करने की हड़बड़ी के साथ किसी भी तरह का सियासी समीकरण गड़बड़ होने वाला नहीं है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चयन प्रक्रिया के मध्यम से जिताऊ प्रत्याशियों की सूची जल्द ही जारी करने वाली है।

कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पार्टी मध्य प्रदेश ही नहीं छत्तीसगढ़ तेलंगाना और राजस्थान में भी अपने प्रत्याशियों की सूची जल्द ही जारी करेगी। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राजस्थान और मध्य प्रदेश समेत छत्तीसगढ़ में पार्टी ने प्रत्येक विधानसभा से जो पैनल मंगवाया था, उनमें से ज्यादातर की शॉर्ट लिस्टिंग हो चुकी है। इन राज्यों में कुछ महत्वपूर्ण विधानसभा सीटों पर अभी आलाकमान के साथ टिकट बंटवारे को लेकर चर्चा हो रही है। उसके बाद प्रदेश संगठन और राष्ट्रीय कार्यकारिणी समेत पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर जिम्मेदार नेताओं की अनुमति के साथ लिस्ट जारी होगी।

पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि क्योंकि कांग्रेस की राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार है। इसलिए टिकट चयन में हर तरीके के सियासी समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशी घोषित किए जाने हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि दोनों राज्यों में कुछ वर्तमान विधायकों समेत कुछ मंत्रियों की भी छुट्टी हो सकती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी ने ऐसा पहली बार किया है कि चुनाव की तारीख से तकरीबन तीन महीने पहले ही अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हो। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक राजीव दुबे कहते हैं कि तीन महीने पहले प्रत्याशी घोषित करने की आधिकारिक घोषणा भाजपा और कांग्रेस जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां पहले नहीं करती थी। दुबे कहते हैं कि बहुजन समाज पार्टी जरूर अपने प्रत्याशियों की आधिकारिक और अनाधिकारिक तौर पर घोषणा किसी भी चुनाव से लगभग साल भर पहले या दस महीने पहले कर देती थी। ताकि बसपा के वोटर और कैडर को अपने प्रत्याशियों के बारे में समय रहते पता चल सके और बसपा का जनाधार बढ़ता रहे। लेकिन इस बार भारतीय जनता पार्टी ने ऐसा करके देश की सियासत में एक नए चलन की शुरुआत कर दी है।

सियासी जानकारों का मानना है कि अब आने वाले चुनाव में यह ट्रेंड भी देखने को मिल सकता है कि जिन सीटों पर सत्ता में मौजूद दल चुनाव हार चुका है वहां पर प्रत्याशियों की घोषणा पहले कर दी जाए। ऐसा करके सिर्फ प्रत्याशी ही नहीं बल्कि पार्टी को मजबूती मिलने की संभावना है बढ़ जाती हैं।

नृत्य, संगीत और साहित्य की त्रिवेणी राजा चक्रधरसिंह

प्रो. अश्विनी केशरवानी

रायगढ़ के राजा चक्रधरसिंह ने जयपुर, बनारस और लखनऊ कत्थक घराना की तर्ज में ''रायगढ़ कत्थक घराना'' बनाकर कत्थक नृत्य की एक नई शैली विकसित कर ''संगीत सम्राट'' की उपाधि से विभूषित होकर छश्रीसगढ़ को गौरवान्वित किया। संगीतानुरागी और कला पारखी तो वे थे ही, एक अच्छे तबला वादक और सितार वादक भी थे। उन्होंने संगीत और साहित्य की दुर्लभ पुस्तकें लिखीं हैं। पूरे प्रदेश ही नहीं वरन देश में रायगढ़ के गणेश मेला उत्सव से छश्रीसगढ़ की अलग पहचान बनी है। इस उत्सव में नृत्य, संगीत कला और साहित्य का अद्भूत समागम होता था। सुप्रसिद्ध साहित्यकार पंडित शुकलाल पांडेय छश्रीसगढ़ गौरव में रायगढ़ को कुछ इस प्रकार परिभाषित करते हैं:-

महाराज हैं देव चक्रधर सिंह बड़भागी।
नृत्य वाद्य संगीत ग्रंथ रचना अनुरागी।
केलो सरितापुरी रायगढ़ की बन पायल।
बजती है अति मधुर मंद स्वर से प्रतिपल पल।
जल कल है, सुन्दर महल है निशि में विपुल द्युतिधवल।
है ग्राम रायगढ़ राज्य के, सुखी संपदा युत सकल ।।

गणेश मेले की शुरूवात:-

रायगढ़ में ''गणेश मेले'' की शुरूवात कब हुई इसका कोई लिखित साक्ष्य नहीं मिलता। मुझे मेरे घर में रायगढ़ के राजा विश्वनाथ सिंह का 8 सितंबर 1918 को लिखा एक आमंत्रण पत्र माखनसाव के नाम मिला है जिसमें उन्होंने गणेश मेला उत्सव में सम्मिलित होने का अनुरोध किया गया है। इस परम्परा का निर्वाह राजा भूपदेवसिंह भी करते रहे। पंडित मेदिनी प्रसाद पांडेय ने 'गणपति उत्सव दर्पण' लिखा है। 20 पेज की इस प्रकाशित पुस्तिका में पांडेय जी ने गणेश उत्सव के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों को छंदों में समेटने का प्रयास किया है। गणेश चतुर्थी की तिथि तब स्थायी हो गयी जब कुंवर चक्रधरसिंह का जन्म गणेश चतुर्थी को हुआ। बालक चक्रधरसिंह के जन्म को चिरस्थायी बनाने के लिए 'चक्रधर पुस्तक माला' के प्रकाशन की शुरूवात की थी। इस पुस्तक माला के अंतर्गत पंडित पुरूषोत्तम प्रसाद पांडेय के कुशल संपादन में पंडित अनंतराम पांडेय की रचनाओं का संग्रह 'अनंत लेखावली' के रूप में नटवर प्रेस रायगढ़ से प्रकाशित किया गया था। कहते हैं रायगढ़ रियासत के राजा जुझारसिंह ने अपने शौर्य और पराक्रम से राज्य को सुदृढ़ किया, राजा भूपदेवसिंह ने उसे श्री सम्पन्न किया और राजा चक्रधरसिंह ने उसे संगीत, कला, नृत्य और साहित्य की त्रिवेणी के रूप में ख्याति दिलायी।

नान्हे महाराज से चक्रधर सिंह तक का सफर:-

दरअसल रायगढ़ दरबार को संगीत, नृत्य और कला के क्षेत्र में ख्याति यहां बरसों से आयोजित होने वाले गणेश मेला उत्सव में मिली। बाद में यह जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा। क्योंकि इस दिन (19 अगस्त सन् 1905 को) रायगढ़ के आठवें राजा भूपदेवसिंह के द्वितीय पुत्र रत्न के रूप में चक्रधरसिंह का जन्म हुआ। वे तीन भाई क्रमश: श्री नटवरसिंह, श्री चक्रधरसिंह और श्री बलभद्रसिंह थे। चक्रधरसिंह को सभी ''नान्हे महाराज'' कहते थे। उनका लालन पालन यहां के संगीतमय और साहित्यिक वातावरण में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रायगढ़ के मोती महल में हुई। आठ वर्ष की आयु में सन् 1914 में उन्हें रायपुर के राजकुमार कालेज में दखिल कराया गया। नौ वर्ष तक वहां के कड़े अनुशासन में विद्याध्ययन करने के बाद सन 1923 में प्रशासनिक ट्रेनिंग के लिए छिंदवाड़ा चले गये। कुशलता पूर्वक वहां की प्रशासनिक ट्रेनिंग पूरा करके रायगढ़ लौटने पर उनका विवाह बिंद्रानवागढ़ के जमींदार की बहन से हुआ। जिनके गर्भ से श्री ललित कुमार सिंह, श्री भानुप्रताप सिंह, मोहिनी देवी और गंधर्वकुमारी देवी का जन्म हुआ। 15 फरवरी 1924 को राजा नटवरसिंह की असामयिक मृत्यु हो गयी। चूंकि उनका कोई पुत्र नहीं था अत: रानी साहिबा ने चक्रधरसिंह को गोद ले लिया। इस प्रकार श्री चक्रधरसिंह रायगढ़ रियासत की गद्दी पर आसीन हुए। 04 मार्च सन् 1929 में सारंगढ़ के राजा जवाहरसिंह की पुत्री कुमारी बसन्तमाला से राजा चक्रधरसिंह का दूसरा विवाह हुआ जिसमें शिवरीनारायण के श्री आत्माराम साव सम्मिलित हुए। मैं उनका

वंशज हूं और मुझे इस विवाह का निमंत्रण पत्र मेरे घर में मिला। उनके गर्भ से सन 1932 में कुंवर सुरेन्द्रकुमार सिंह का जन्म हुआ। उनकी मां का देहांत हो जाने पर राजा चक्रधरसिंह ने कवर्धा के राजा धर्मराजसिंह की बहन से तीसरा विवाह किया जिनसे कोई संतान नहीं हुआ।

नृत्य, संगीत और साहित्य की त्रिवेणी के रूप में:-

राजा बनने के बाद चक्रधरसिंह राजकीय कार्यो के अतिरिक्त अपना अधिकांश समय संगीत, नृत्य, कला और साहित्य साधना में व्यतीत करने लगे। वे एक उत्कृष्ट तबला वादक, कला पारखी और संगीत प्रमी थे। यही नहीं बल्कि वे एक अच्छे साहित्यकार भी थे। उन्होंने संगीत के कई अनमोल ग्रंथों, दर्जन भर साहित्यिक और उर्दू काव्य तथा उपन्यास की रचना की। उनके दरबार में केवल कलारत्न ही नहीं बल्कि साहित्य रत्न भी थे। सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री भगवतीचरण वर्मा, पंडित माखनलाल चतुर्वेदी, श्री रामेश्वर शुक्ल ''अंचल'', डॉ. रामकुमार वर्मा और पं. जानकी बल्लभ शास्त्री को यहां अपनी साहित्यिक प्रतिभा दिखाने और पुरस्कृत होने का सौभाग्य मिला। अंचल के अनेक लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार जिनमें पं. अनंतराम पांडेय, पं. मेदिनीप्रसाद पांडेय, पं. पुरूषोश्रम प्रसाद पांडेय, पं. लोचनप्रसाद पांडेय, डॉ. बल्देवप्रसाद मिश्र और ''पद्मश्री'' पं. मुकुटधर पांडेय आदि प्रमुख थे, ने यहां साहित्यिक वातावरण का सृजन किया। सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. बल्देवप्रसाद मिश्र रायगढ़ दरबार में दीवान रहे। श्री आनंद मोहन बाजपेयी उनके निजी सचिव और आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी उनके पथ प्रदर्शक थे। इनके सानिध्य में राजा चक्रधर सिंह ने कई पुस्तकों की रचना की। उनमें बैरागढ़िया राजकुमार, अल्कापुरी और मायाचक्र (सभी उपन्यास), रम्यरास, रत्नहार, रत्नमंजूषा (सभी काव्य), काव्य कानन (ब्रज काव्य), जोशे फरहत और निगारे फरहत (उर्दू काव्य) आदि प्रमुख है। इसके अलावा नर्तन सर्वस्वम, तालतोयनिधि, रागरत्नमंजूषा और मुरजपरन पुष्पाकर आदि संगीत की अनमोल कृतियों का उन्होंने सृजन किया है।

उनके कुशल निर्देशन में यहां के अनेक बाल कलाकारों को संगीत, नृत्यकला और तबला वादन की शिक्षा मिली और वे देश विदेश में रायगढ दरबार की ख्याति को फैलाये। इनमें कार्तिकराम, कल्याणदास, फिरतूदास और बर्मनलाल की जोड़ी ने कत्थक के क्षेत्र में रायगढ़ दरबार की ख्याति पूरे देश में फैलाये। निश्चित रूप से ''रायगढ़ कत्थक घराना'' के निर्माण में इन कलाकारों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

राजा से शायर:-

बहरहाल, राजा चक्रधर सिंह हिन्दी काव्य में अपना उपनाम ''चक्रप्रिया'' और उर्दू काव्य में ''फरहत'' लिखा करते थे। देखिए उनकी एक कविता:-

लौ लगी जिसने मेरी वो चक्रप्रिया आते नहीं
कोई कह दो कि प्रीतम आये हुये हैं
नैना दरशन को ललचाये हुये है
कहना माने नहीं अकुलाये हुये हैं।

डॉ. ब्रजभूषण सिंह 'आदर्श' के अनुसार- ' मध्यप्रदेश में विंध्यप्रदेश के पच्चीसों राजाओं का उल्लेख मिलता है जिन्होंने उच्च कोटि की काव्य रचना की है। मध्य काल में इन नरेश कवियों ने भक्ति और रीति कालीन काव्यधारा को संतुष्ट किया है। इनमें रायगढ़ के कला मर्मज्ञ राजा चक्रधर सिंह का नाम अग्रगण्य है। वे आधुनिक युग के कवि, शायर और सुलेखक थे।' कवि के रूप में उनका 'रम्यरास' जिसे वंशस्थ छंदों में लिखा गया है, आज भी लोगों के पास सुरक्षित है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का सरस वर्णन किया गया है। इसमें खड़ी बोली के तत्सम शब्द प्रधान शैली में कविवर हरिओम जी की शैली का प्रभाव दिखाई देता है। पेश है इसकी एक बानगी:-

मुखेद की स्निग्ध, सुधा समेत थी
लिखी हुई विश्व विभूति सी लिए।
शरन्निशा सुन्दर सुन्दरी समा,
अभिन्न संयोग वियोग योगिनी।
विशुद्ध शांति स्फुट थी प्रभामयी
खड़ा हुआ उर्ध्व नभ प्रदेश में,
मृगांक रेखा वषु में प्रसार के
द्विजेश था कान-सा नरेश का।

वर्णवृंतों की शैली तत्सम प्रधान संस्कृत निष्ठ शब्दावली के प्रति राजा चक्रधरसिंह का बड़ा मोह था। उनकी भाषा में अलंकारिता थी:-

शशांक सा आन कांत शांत था,
निरभ्र आकाश समान देह थी
शरन्निशा में लसते ब्रजेश
शरच्छय के नर मूर्तरूप से
सजे हुये थे शिखिपंख केश में
तड़ित्प्रभा सा पट पीत था लसा
गले लगी लगी थी वनमाल सोहतो
ब्रजेश वर्षा छविधाम थे बने।

डॉ. आदर्श राजा चक्रधरसिंह को द्विवेदी कालीन प्रमुख प्रबंध काव्य रचयिताओं में से एक माना है। उनकी रम्यरास नागपुर विश्वविद्यालय में एम. ए. के पाठ्यक्रम के लिए स्वीकृत है। राजा चक्रधरसिंह ने उर्दू में 'जोशे फरहत' और 'निगारे फरहत' लिखा है जो देवनागरी लिपि में प्रकाशित हुआ है। ये दोनों गजल संग्रह है। 'निगारे फरहत' की भूमिका हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि श्री भगवतीचरण वर्मा ने लिखी है। इसी प्रकार 'जोशे फरहत' सन 1932 में छपी है। इसमें 178 गजल संग्रहित है। देखिये खमसा का एक भाव:-

खालिक ने ये दिन हमको दिखाया है जो फरहत
आंखें में समा और समाया है जो फरहत
गुलशन का तमाशा नजर आया है जो फरहत
फिर मोस में गुलजोश पे आया है जो फरहत
क्योंकर वा अनादिल को ये मस्ताना बना दे।

उनकी बजलों में मुहावरेदारी और वंदिशा काबिले तारीफहै-

मिल के कतरा भी दरिया से दरिया बना
हक से बंदा भी मिला के खुदा हो गया।

एक गजल की चंद पंक्तियां भी पेश है:-

राजे दिल आज उनको सुनायें हम
राज उल्फत की उनको दिखाये हम
रूठ जायेंगे अगर वे मनाकर उन्हें
अपने पहलू में लाकर बिठायेंगे हम।

राजा चक्रधरसिंह एक उत्कृष्ट तबला और सितार वादक तथा विलक्षण ताण्डव नर्तक थे। संगीत, नृत्य कला और साहित्य के आयोजन में उन्होंने अपार धनराशि खर्च की जिसके कारण उन्हें ''कोर्ट ऑफ वार्ड्स'' के अधीन रहना पड़ा। अनेक संगीत सम्मेलनों, साहित्यिक समितियों और कला मंडलियों को वे गुप्त दान दिया करते थे। सन् 1936 और 1939 में इलाहाबाद में आयोजित अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन के वे सभापति चुने गये थे। लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन में दतिया के नरेश ने राजा चक्रधरसिंह को ''संगीत सम्राट'' की उपाधि से सम्मानित किया था। ऐसे कला साधक राजा चक्रधरसिंह का 7 अक्टूबर 1947 को 42 वर्ष की अल्पायु में निधन हो गया। उनके निधन से एक चकमता सितारा डूब गया। लेकिन जब जब संगीत, नृत्यकला और साहित्य की चर्चा होगी तब तब उन्हें याद किया जायेगा।

आज भी रहस्य बनी हुई है सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु

अनन्या मिश्रा

भारत के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी की तरह है। आज ही के दिन यानी की 18 अगस्त को सुभाष चंद्र बोस का निधन हुआ था। हालांकि आज भी नेता जी की मृत्यु एक रहस्य बनी हुई है। भारत के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी की तरह है। उनके जीवन में भी फिल्म की तरह ही एक्शन, रोमांस और रहस्य तीनों ही है। वह आजादी की लड़ाई लड़ने वाले असली हीरो थे। जिन्होंनें अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार न करने हुए आजाद हिंद फौज का गठन किया था। वहीं उनकी लव लाइफ भी काफी ज्यादा दिलचस्प थी। बोस ने अपनी से ेटरी एमिली से लव मैरिज की थी। एमिली मूल रूप से ऑस्ट्रिया की रहने वाली थी। 18 अगस्त को सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु हुई थी। हालांकि बोस की मृत्यु पर आज भी रहस्य बना हुआ था। आइे जानते हैं उवकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर सुभाष चंद्र बोस के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

उड़ीसा के बंगाली परिवार में 23 जनवरी 1897 को सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ था। उनके 7 भाई और 6 बहनें थी। वहीं बोस अपनी माता-पिता के 9वीं संतान थे। वह अपने भाई शरदचंद्र बोस के काफी नजदीक थे। बोस के पिता जानकीनाथ कटक के महशूर और सफल वकील थे। नेताजी बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में काफी ज्यादा होशियार थे। हालांकि उनकी खेल-कूद में कभी रुचि नहीं रही। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा कटक से पूरी की। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए वह कलकत्ता चले गए। उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज से फिलोसोफी में क्र किया। यहां पर पढ़ाई के दौरान ही उनके मन में अंग्रेजों के खिलाफ जंग शुरू हुई थी।

बोस सिविल सिविल सर्विस करना चाहते थे, ब्रिटिश के शासन के चलते उस समय भारतीयों के लिए यह सर्विस काफी मुश्किल थी। जिसके चलते नेताजी के पिता ने उन्हें सिविल सर्विस की तैयारी के लिए इंग्लैंड भेज दिया। इस परीक्षा में बोस ने चौथा स्थान हासिल किया था। उन्हें इंग्लिश में सबसे ज्यादा नंबर मिले थे। वह विवेकानंद को अपना गुरु मानते थे। इसी के साथ उनके मन में देश की आजादी को लिए भी चिंता थी। इसी कारण साल 1921 में उन्होंने इंडियन सिविल सर्विस की नौकरी ठुकरा दी और वापस भारत

आ गए।

आजादी की लड़ाई में योगदान

बता दें कि देश वापस आने के बाद वह आजादी की लड़ाई में कूद गए। उन्होंने कांग्रेस पार्टी ज्वॉइन कर ली। शुरूआत में वह कलकत्ता में कांग्रेस पार्टी के नेता रहे। वह चितरंजन दास के नेतृत्व में काम किया करते थे। बोस चितरंजन दास को अपना राजनैतिक गुरु मानते थे। वहीं साल 1922 में चितरंजन दान से कांग्रेस और नेहरू का साथ छोड़ दिया। जिसके बाद उन्होंने अलग पार्टी स्वराज बना ली। वहीं इस दौरन तक नेता जी ने कलकत्ता के नोजवान, छात्र-छात्रा व मजदूर लोगों के बीच अपनी बेहद खास जगह बना ली थी। वह जल्द से जल्द अपने देश को स्वाधीन भारत के रूप में देखना चाहते थे।

नेशनल इंडियन आर्मी

साल 1939 में जब सेकेंड वर्ल्ड वार चल रहा था तो नेता जी ने वहां अपना रुख किया। नेता जी पूरी दुनिया से मदद चाहते थे। जिससे कि अंग्रेज दबाव में आकर भारत को छोड़ दें। इस बात का उन्हें बहुत अच्छा असर देखने को मिला। लेकिन तब ब्रिटिश सरकार ने उन्हें जेल में डाल दिया। करीब 2 सप्ताह तक नेता जी ने जेल में ना तो कुछ खाया और ना पिया। उनकी हालत बिगड़ती देख देश के नौजवान उग्र होने लगे। जिसके बाद सरकार ने उन्हें कलकत्ता में नजरबंद करते रखा। साल 1941 में बोस अपनी भतीजे की मदद से कलकत्ता से भाग निकले। इस दौरान वह सबसे पहले बिहार गए और फिर वहां से पाकिस्तान के पेशावर पहुंचे। फिर सोवियत संघ होते हुए सुभाष चंद्र बोस जर्मनी पहुंचे और वहां के शासक एडोल्फ हिटलर से मुलाकात की।

साल 1943 में सुभाष चंद्र बोस जर्मनी छोड़ जापान जा पहुंचे। यहां पर वह मोहन सिंह से मिले। मोहन सिंह उस दौरान आजाद हिंद फौज के मुख्य थे। जिसके के बाद बोस ने मोहन सिंह और रास बिहारी के साथ मिलकर आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। इसके साथ ही उन्होंने आजाद हिंद फौज सरकार नामक पार्टी बनाई। साल 1944 में नेता जी ने अपनी आजाद हिन्द फ़ौज को तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा% का नारा दिया। उनके इस नारे मे देश भर में एक नई क्रांति को जन्म दिया।

मौत

साल 1950 तक यह खबरे सामने आने लगीं कि नेता जी तपस्वी बन गए हैं। लेकिन 1960 में इतिहासकार लियोनार्ड ए. गॉर्डन ने इसे अफवाह बताया। कुछ रिपोर्ट के अनुसार, जब मित्सुबिशी के-21 बमवर्षक विमान, जिस पर वे सवार थे, वह 18 अगस्त 1945 को क्रैश हो गया। हालांकि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि बोस की मृत्यु कब हुई थी। क्योंकि उनकी बॉडी नहीं मिली थी, जिसके कुछ समय बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

विजयलक्ष्मी पंडित ने खुलकर किया था आपातकाल का विरोध, बुआ-भतीजी में छिड़ गई थी रार

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक प्रमुख नाम जवाहर लाल नेहरू की बहन विजयलक्ष्मी पंडित का था। उन्होंने आजादी की लड़ाई में अपना विशेष योगदान दिया था। आज ही के दिन 18 अगस्त को विजयलक्ष्मी पंडित का जन्म हुआ था।भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में नेहरू परिवार पर गांधी जी का काफी प्रभाव देखने को मिलता है। इनमें से एक प्रमुख नाम जवाहर लाल नेहरू की बहन विजयलक्ष्मी पंडित का था। वह एक स्वतंत्रता सेनानी के तौर पर जानी जाती थीं। आज ही के दिन यानी की 18 अगस्त को विजयलक्ष्मी पंडित का जन्म हुआ था। आजादी की लड़ाई में विजयलक्ष्मी पंडित कई बार जेल भी गईं। उन्होंने आजादी के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के कई देशों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया था।

आजादी के बाद उन्होंने भारतीय महिला शक्ति को एक नई पहचान देने का काम किया था। वहीं कई देशों की राजदूत व कुछ राज्यों की राजपाल होने के बाद भी विजयलक्ष्मी पंडित ने आपातकाल के दौरान अपनी भतीजी इंदिरा गांधी का विरोध किया था। आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सिरी के मौके पर विजयलक्ष्मी पंडित के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

इलाहाबाद में 18 अगस्त 1900 में स्वरूप कुमारी का जन्म हुआ था। वह प्रसिद्ध वकील मोतीलाल नेहरू की दूसरी संतान और जवाहर लाल नेहरु की छोटी थीं। उनका शुरूआती जीवन एक राजकुमारी की तरह बीता था। उन्होंने अपने घर पर शुरूआती शिक्षा हासिल की। शिक्षा के अलावा उनका साहित्य, राजनीति व घुड़सवारी में उनकी खासी रुचि थी।

विवाह

स्वरूप कुमारी का विवाह फेमस वकील सीताराम पंडित से हुआ था। शादी के बाद स्वरूप कुमारी ने अपना नाम विजयलक्ष्मी पंडित रख लिया था। वह गांधी जी से काफी प्रभावित थीं। गांधी जी से प्रभावित होने के बाद उन्होंने राजनीति का रुख किया। देश में आजादी की लड़ाई के दौरान वह 1932-33, 1940 और 1942-43 में जेल गईं। विजयलक्ष्मी के पति भी आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेते रहे। साल 1944 में जेल में उनके पति का निधन हो गया था।

आजादी से पहले प्रभाव

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ही विजयलक्ष्मी का राजनैतिक प्रभाव दिखने लगा था। आजादी से पहले विजयलक्ष्मी कैबिनेट मंत्री बनने वाली पहली भारतीय महिला थीं। साल 1937 में हुए संयुक्त प्रांत के चुनावों में उन्होंने जीत हासिल की और स्थानीय स्वशासन और लोकस्वास्थ्य मंत्री बनीं। इसके बाद साल 1946 से लेकर 1947 तक उन्होंने लोक स्वास्थ्य मंत्री के पद की जिम्मेदारियां निभाईं।

विदेशों में बनीं भारतीय राजनयिक

विजयलक्ष्मी पंडित संविधान सभा की सदस्य के रूप में हुई थीं। वहीं देश की आजादी के बाद कूटनीतिक सेवाओं के पदों पर रहीं। बता दें कि आजादी के तीन साल पहले तक वह सोवियत संघ, साल 1951 में अमेरिका और मैक्सिको, साल 1955 से 1961 के बीच आयरलैंड, यूनाइडेट किंगडम और साल 1958 से 1961 तक स्पेन आदि देशों में भारतीय राजदूत बनकर रहीं।

राजनीति से संन्यास और फिर आपातकाल

60 के दशक में जब विजयलक्ष्मी भारत लौटी तो वह राजनीति में सक्रिय हो गईं। साल 1962 से 1964 तक वह महाराष्ट्र की राज्यपाल रहीं। इसके बाद साल 1968 में वह फूलपुर से लोकसभा सदस्य चुनी गईं। हालांकि इसके बाद उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया और देहरादून में रहने लगीं। लेकिन जब साल 1975 में उनकी भतीजी और देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की तो उन्होंने इसका विरोध किया। जिसके कारण आपातकाल के दौरान विजयलक्ष्मी पंडित पर खासी नजर रखी गई और उनके फोन टैप किए गए। वहीं उनसे मिलने वालों में भी कमी आ गई थी।

मौत

आपातकाल को दौरान विजयलक्ष्मी पंडित खुलकर इंदिरा गांधी के विरोध में आईं। उन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ जनता पार्टी को अपना समर्थन देना शुरू कर दिया। साथ ही वह राजनीति में फिर से सक्रिय हो गईं। इसके बाद उन्होंने 1977 में राष्ट्रपति चुनाव भी लड़ा। लेकिन नीलम संजीव रेड्डी के सामने उनको हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने फिर से राजनीति से दूरी बना ली। देहरादून में वह खाली समय में लेखन का कार्य करने लगी। वहीं 1 दिसंबर 1990 में विजयलक्ष्मी पंडित का निधन हो गया।

संक्षिप्त समाचार

भूपेश बघेल ने हिमाचल प्रदेश को 11 करोड़ सहायता राशि देने का किया ऐलान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हिमाचल प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा से उबारने और पीड़ितों की मदद के लिए 11 करोड़ की सहायता राशि देने की घोषणा की है। सीएम भूपेश ने कल ही हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह से फोन पर बात की थी। भूपेश बघेल ने कहा कि इस विपदा के समय में हम सभी छत्तीसगढ़वासी हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़े हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से आई विपदा की स्थिति में पीड़ित लोगों की मदद के लिए सीएम ने सहायता राशि के रूप में 11 करोड रुपए की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भीषण प्रकृति प्रकृति प्राकृतिक विद्या आई है ऐसे में हम सभी छत्तीसगढ़वासी हिमाचल के लोगों के साथ खड़े हैं। सीएम भूपेश ने बीते दिनों हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से फोन पर बात की थी। इस दौरान सीएम हिमाचल प्रदेश के हालात की जानकारी ली थी। भूपेश बघेल ने उनसे कहा कि पूरा देश हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़ा है। सभी मिलकर आपदा का सामना करेंगे। इसके साथ ही सामान्य स्थिति की बहाली के लिए काम करेंगे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की घोषणा, कुमारी शैलजा अध्यक्ष

रायपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की घोषणा कर दी है। कुमारी शैलजा को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज, स्पीकर चरणदास महंत के अलावा 8 मंत्रियों के नाम शामिल है। इनमें टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, रविंद्र चौबे, मोहम्मद अकबर, शिव डहरिया, मोहन मरकाम, अनिला भेड़िया, जयसिंह अग्रवाल ये मंत्री कमेटी में शामिल हैं। इसके अलावा अभनपुर विधायक धनेंद्र साहू और रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा को भी शामिल किया गया है। कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर कमेटी में सह प्रभारी सप्तगिरी शंकर उल्का, चंदन यादव, विजय जांगिड़ का नाम भी शामिल है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र कमेटी का ऐलान, अकबर बने चेयरमैन

रायपुर। बीजेपी के बाद अब छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने भी चुनाव घोषणा पत्र समिति का ऐलान कर दिया है। इसमें मंत्री मोहम्मद अकबर को कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। हालांकि बहुत पहले से ही उनके नाम पर मंथन चल रहा था। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव घोषणा पत्र कमेटी में 23 सदस्यों की घोषणा की है। इसके अलावा इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी, डिस्प्लीनरी एक्शन कमेटी और प्लानिंग एंड स्ट्रेटजी कमेटी की भी घोषणा कर दी गई है। जारी आदेश के मुताबिक, चुनाव घोषणा पत्र कमेटी में 23 सदस्य, इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी 7, डिस्प्लीनरी एक्शन कमेटी 9 और प्लानिंग एंड स्ट्रेटजी कमेटी में 18 सदस्य बनाए गए हैं। इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी का चेयरमैन मंत्री शिवकुमार डहरिया को बनाया गया है। वहीं योजना और रणनीति समिति की कमान गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को दी गई है। अभनपुर से वरिष्ठ विधायक धनेंद्र साहू को डिस्प्लीनरी एक्शन कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है।

कांग्रेस में हुआ 11 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने छत्तीसगढ़ में 11 नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। जिनमें सक्ति-त्रिलोक चंद जायसवाल, बलाईगढ़-सारंगढ़-अरुण मालाकार, मनेन्द्रगढ़ - चिरमिरी-भरतपुर-अशोक श्रीवास्तव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी-अनिल मानिकपुरी, कोरिया-प्रदीप गुप्ता, राजनांदगांव (ग्रामीण)- भागवत साहू, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही- उत्तम वासुदेव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई-गजेंद्र ठाकरे, बस्तर (शहर)-सुशील मौर्य, नारायणपुर- रजनु नेताम तथा कवर्धा- होरी राम साहू शामिल है।

चंदन यादव व सप्तगिरि आज लेंगे कांग्रेसजनों की बैठक

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का शनिवार को राजीव भवन रायपुर में कांग्रेसजनों की बैठक लेंगे। आयोजित बैठक में भाग लेंगे। बैठक में भाग लेने के बाद दोपहर 2.15 बजे सप्तगिरि शंकर उल्का रायपुर से नई दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

जगदलपुर महापौर के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव का सम्मिलन 29 को

जगदलपुर। कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी विजय दयाराम के. द्वारा छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 23 (क) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगरपालिक निगम जगदलपुर महापौर श्रीमती सफीरा साहू के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव का सम्मिलन आहूत किया गया है। सम्मिलन 29 अगस्त को दोपहर 3 बजे जिला कार्यालय के प्रेरणा हॉल में होगी।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्माण कार्यों में जीएसटी को बड़ी समस्या - बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्माण कार्यों में जीएसटी को बड़ी समस्या बताते हुए शुक्रवार को बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने एक राजधानी रायपुर में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की । जिसमें एसोसिएशन ने दो महत्वपूर्ण बिदुओं जैसे पूर्व की तरह 12 प्रतिशत जीएसटी लागू करने तथा निविदाओं में जीएसटी की राशि की गणना अलग से करने का प्रावधान करने के संबंध में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहा।

बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के स्टेट चेयरमैन कंवलजीत सिंह ओबेरॉय ने बताया कि लोक निर्माण विभाग छग व अन्य निर्माण विभाग के स्थापना समय से ही निर्माण कार्य में उपयोग गिट्टी, मुरूम, रेती आदि के खनिज रॉयल्टी का होने वाले सामग्री मूल्य सरकारी दर पर काटकर खनिज विभाग में जमा करते हुए ठेकेदारो को अंतिम देयक का भुगतान दिया जाता था। लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग के स्थापना दिवस से ही अनुबंध में उपरोक्त प्रावधान है जो आज भी है। परन्तु अचानक कुछ वर्षों से रॉयल्टी विलयरेन्स खनिज विभाग से लाने पर अंतिम देयक दिया जायेगा कहते हुए करोड़ो का भुगतान रोक दिया गया है।

निर्माण कार्य में संलग्न ठेकेदार स्थानीय खनन पट्टा प्राप्त क्रेशरों से खनिज सामग्री, गिट्टी, मुरूम, रेती को पूरा मूल्य देकर खरीदा जाता है। उत्खननकर्ता की जवाबदारी है कि खनिज विभाग को रॉयल्टी का मूल्य प्रदाय करें। निर्माण करता ऐजेन्सी पट्टा प्राप्त व्यापारी से खनिज खरीद कर सिर्फ परिवहन करता है व निर्माण कार्य में प्रयोग कि गई सामग्री का सरकारी दर पर निर्माण विभाग कटौती करता आ रहा है। वर्तमान में ठेकेदारों के पास रॉयल्टी न होने की स्थिति में 5 गुना काटने का प्रावधान खनिज विभाग ने किया है।

उन्होंने कहा कि बिल्डर्स एशोसिएशन ऑफ इंडिया माँग करती है कि अनुबंध में निहित प्रावधान के तहत चल देयक से सरकारी दर पर रॉयल्टी राशि काटकर खनिज विभाग में जमा करते हुए ठेकेदारों का भुगतान करे जिससे छत्तीसगढ़ के विकास में संलग्न ठेकेदार जो तन मन धन से लगे है इनका भुगतान हो सके व निर्माण कार्य गुणवत्ता से निर्वाध चले व समय सीमा में पूर्ण हो सके।

उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के निर्माण कार्यों में जीएसटी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है जीएसटी के संबंध में बिल्डर्स एशोसिएशन ऑफ इंडिया 2 बिन्दुओ पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती है। 1. पूर्व में निर्माण में जीएसटी 12 प्रतिशत लागू किया गया था। जिस समय वेट हटाकर जीएसटी लागू किया गया उस समय चल रहे कार्यों में जीएसटी 12 प्रतिशत व वेट 5 प्रतिशत की फर्क की राशि का भुगतान ठेकेदारों को किया गया है। पर पिछले वर्ष जीएसओ 12 प्रतिशत के स्लेब को बदलकर 18 प्रतिशत कर दिया गया। परन्तु छत्तीसगढ़ के विभाग जैसे लोक निर्माण विभाग अंतर की 6 प्रतिशत की राशि का भुगतान नहीं कर रहा है इस संबंध में कुछ ठेकेदार उच्च न्यायालय की शरण में गये जिसमे उच्च न्यायालय द्वारा 12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत जीएसटी के अंतर की राशि की गणना कर भुगतान करने आदेश पारित किया गया पर कोई भी विभाग इसमे रूची नही ले रहा है। जबकि केन्द्र के सभी विभागो में एवं छत्तीसगढ़ के अन्य विभागो में अंतर की राशि का भुगतान किया जा रहा है।2. केन्द्रीय निर्माण विभाग व पीएम जीएसवाई तथा एमएम जीएसवाई ने निविदा में जीएसटी की गणना अलग से की जाती है। परन्तु लोक निर्माण विभाग व अन्य विभागों में नही कि जाती है। अंतर की 6 प्रतिशत राशि का भुगतान सुनिश्चित करते हुए निविदाओं में जीएसटी की राशि की गणना अलग से करने का प्रावधान करने हेतु ।बता दे कि 1941 में स्थापित, बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) निर्माण कंपनियों ठेकेदारों, इंजीनियरों, बिल्डरों, डेवलपर्स और रियलटर्स आदि का शीर्ष प्रतिनिधि निकाय है।

पाटन से विजय बघेल के प्रत्याशी घोषित होते ही कार्यकर्ताओं में उत्साहः उपासने

रायपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पाटन विधानसभा के प्रभारी सच्चिदानंद उपासने ने कहा की जैसे ही पाटन विधानसभा हेतु सांसद विजय बघेल को प्रत्याशी बनाये जाने की घोषणा हुई पूरे पाटन विधानसभा की जनता में विशेषकर युवा वर्ग में उत्साह देखते ही बन रहा,गांव गांव में फटाके फोड़े जा रहे व मिठाइयाँ बाँटी जा रही,यहाँ तक की कांग्रेस का एक वर्ग भी भाजपा जनों को बधाई दे सहयोग का आश्वासन दे रहे। उपासने ने कहा कि भय व आतंक से जनता विगत साढ़े चार वर्षों से त्रस्त हो चुकी है और उससे मुक्ति चाहती है,यही कारण है पाटन में लगातार युवा वर्ग भाजपा में बड़ी मात्रा में शामिल हो रहा,पांच सौ युवा शीघ्र ही शामिल होने वाले हैं,विजय बघेल को प्रत्याशी बनाये जाने से पाटन में भाजपा की जीत सुनिश्चित है। पाटन की विजय से प्रदेश में भाजपा सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।विधानसभा प्रभारी सच्चिदानंद उपासने ने प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व का आभार माना की पार्टी ने कार्यकर्ताओं व मतदाताओं की इच्छा का सम्मान कर उनकी भावनाओं के अनुरूप प्रत्याशी दिया है तो विजय की विजय सुनिश्चित है।

भ्रष्टाचार में डूबी रही कांग्रेस सरकार, समाज कल्याण मंत्री बेचते रहे शराब: देवलाल

बालोद। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से जारी की गई पहली सूची में बालोद जिले के डौंडीलोहारा विधानसभा क्षेत्र से देवलाल ठाकुर को प्रत्याशी बनाया है। टिकट मिलने के बाद देवलाल ठाकुर बालोद भाजपा कार्यालय पहुंचे तो उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान देवलाल ठाकुर ने प्रदेश के महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया के ऊपर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर समाज कल्याण विभाग की जिम्मेदारी है, लेकिन उन्होंने चार वर्षों तक अपनी दुकान से शराब की बिक्री कराई है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा ने उनको ऊपर विश्वास जताया है वह इसे बरकरार रखेंगे।

देवलाल ठाकुर ने कहा कि पार्टी का शुरू से ही दिशा निर्देश है कि गांव गरीब कल्याण की दिशा में कार्य करना है। इसके लिए निरंतर वह पहले से ही काम करते आ रहे हैं और आगे पार्टी जो भी दिशा निर्देश करेगी उस पर वह अमल करेंगे। उन्होंने कहा कि वे लगातार अवैध शराब, बेरोजगारी भत्ता और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ते आए हैं। राज्य सरकार के खिलाफ उन्होंने आवाज बुलंद की है।

डौंडीलोहारा विधानसभा प्रत्याशी देवलाल ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो स्थानीय घोषणा पत्र बनाया था, उसका एक भी वादा पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा था विधानसभा में केंद्रीय विद्यालय बनायेंगे पर अब तक नहीं बना है और दल्ली राजहरा में 100 बिस्तर अस्पताल खोलने का वादा था वो भी पूरा नहीं हुआ था। विधानसभा क्षेत्र में 18 अधूरे बांध हैं, उन्हें पूरा कराने की बात कही गई थी पर अब तक यह अधूरा है। आदिवासियों को लाल पानी से आजादी दिलाने की बात हुई थी और अब तक सब अधूरा है। केवल भ्रष्टाचार में सरकार डूबी हुई है।

मंत्री डहरिया ने दिये शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं श्रम तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष कोरबा में जिला स्तरीय अधिकारियों की में जिले में स्कूलों से सम्बंधित कार्यों में प्रगति नहीं दिखने पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता एंटोनी तिर्की और जिला शिक्षा अधिकारी जी पी भारद्वाज को शो-काज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण से संबंधित कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के भी निर्देश दिए। मंत्री डॉ डहरिया ने निर्माण कार्यों में लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी। उन्होंने बैठक के दौरान उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में मंत्री डॉ डहरिया ने नगरीय प्रशासन अंतर्गत अधोसंरचना, प्रधानमंत्री आवास, मोबाइल मेडिकल यूनिट, राजीव आश्रय आवास की जानकारी ली। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि अधोसंरचना अंतर्गत कार्यों को शीघ्र पूरा करें। उन्होंने निगम अंतर्गत खम्बे और लाइट, सामुदायिक भवन, दुकान निर्माण तथा जमीन आबंटन और आधिपत्य, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, सफाई व्यवस्था, पेयजल, ओडीएफकी समीक्षा की। मंत्री डॉ. डहरिया ने 15वें वित्त अंतर्गत उपलब्ध राशि और प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, संगठित और असंगठित कर्मकारों के संचालित योजनाओं की समीक्षा की और सहायक श्रमायुक्त को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंद हितग्राहियों तक पहुँचा कर उन्हें लाभान्वित करें। उन्होंने पंजीयन की स्थिति और मोबाइल नम्बर दर्ज करने में आ रही समस्याओं को भी निराकरण के निर्देश दिए।

मंत्री डॉ. डहरिया ने जिले में शिक्षा व्यवस्था, स्कूलों में शिक्षकों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि विद्यार्थियों के दर्ज संख्या के आधार पर पर्याप्त शिक्षक हो, यह सुनिश्चित किया जाए। आदिवासी क्षेत्र में शिक्षक की कमी को पूरा करने के साथ अध्यापन व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित हो। उन्होंने स्कूल सहित अन्य संस्थाओं के छोटे-छोटे निर्माण कार्यों की प्रगति के लिए निरंतर निरीक्षण के निर्देश देते हुए समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की और घरों तक पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के पश्चात भी पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाने वाले स्थानों पर जाँच के निर्देश दिए। मंत्री ने जिले में खाद्य विभाग अंतर्गत राशनकार्ड, उपलब्ध खाद्यान्न, राजस्व विभाग अंतर्गत लंबित प्रकरणों, वन अधिकार पट्टे के वितरण की समीक्षा की और समय पर पूर्ण करने के साथ आवश्यक निर्देश दिए।

भाजपा के 21 चेहरे बता रहे हैं कि भाजपा में उम्मीदवारों का अकाल है : बैज

■ विजय बघेल पाटन से बलि का बकरा बनाये गये

रायपुर। विधानसभा चुनाव के लिये 21 उम्मीदवारों की सूची जारी करके भाजपा ने मान लिया है कि इन 21 सीटों पर उसकी जमानत नहीं बचने वाली है वहां पर कोई दूसरा दावेदार नहीं है इसलिये इन सीटों पर उम्मीदवार घोषित करके भाजपा चुनाव लडने की औपचारिकता निभा रही है। भाजपा ने 21 सीटों पर उम्मीदवार नहीं बलि का बकरा खोजा है। सारा प्रदेश जानता है कि पाटन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की लोकप्रियता उनके द्वारा किये गये विकास कार्यों के सामने भाजपा के उम्मीदवार की दुर्गति होना तय है तो वहां पर विजय बघेल को बलि का बकरा बनाया गया है। भाजपा ने गरीबों के पैसा गबन कर इंदिरा बैंक के घोटाले में घूस के आरोपी रामविचार नेताम को भी प्रत्याशी बनाया है। इंदिरा बैंक के मुख्य अभियुक्त उमेश सिन्हा अपने नार्को टेस्ट में तत्कालीन मंत्री रामविचार नेताम को 1 करोड़ रू. घूस देना स्वीकार किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की 21 उम्मीदवारों की सूची से मोदी के तथाकथित भाई, भतीजावाद, परिवारवाद के संबंध में की जा रही दंभोक्ति की भी पोल खुल गयी। भाजपा ने खैरागढ़ से रमन सिंह के भांजे को टिकिट दिया है। मोदी और भाजपा को यहां परिवारवाद नहीं दिख रहा। रमन का बेटा सांसद बनेगा, भांजा विधायक चुनाव लड़ेगा। जब उपचुनाव लडने की बारी आती है तो लोधी समाज के कोमल जंघेल को प्रत्याशी बनाया जाता है। आम चुनाव में अपने भांजे को उपकृत करते है। भाजपा का खैरागढ़ में महल के खिलाफ हल का नारा भी खोखला साबित हो गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा दावा करती है कि उसने नये चेहरों को मौका दिया है लेकिन उसके अधिकांश घोषित प्रत्याशी 2018 के पहले की भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन, कमीशनखोरी के भागीदार रहे है। 15 साल तक विभिन्न पदों पर रहकर रमन राज के भ्रष्टाचार में संलिप्त रहे है इनको नया प्रत्याशी बताकर भाजपा अपने 15 साल के भ्रष्टाचार पर पर्दा नहीं डाल पायेगी। जनता भाजपा के 15 सालों के कुशासन, वायदाखिलाफी को भूली नहीं है। भाजपा की पहली प्रत्याशी की सूची पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने बिना दूल्हा के बारातियों की सूची जारी कर दी। चुनाव आदर्श आचार संहिता लगते तक भाजपा की सूची में कई बार संशोधन होगा, कई लोगों के नाम काटे जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं के आगे भाजपा को कुछ सूझ नहीं रहा है भाजपा की विधानसभा चुनाव में करारी हार अभी से नरेंद्र मोदी ने भाप लिया है इसीलिए रायगढ़ की सभा में आने से इंकार कर दिया ताकि इज्जत बची रहे।

अटल सरकार में शुरू की गई प्रधानमंत्री सड़क योजना को लेकर मोदी सरकार गंभीर नही

रायपुर। मोदी सरकार अटल सरकार के समय शुरू की गई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को लेकर गंभीर नहीं है ईमानदारी से उक्त योजना का क्रियान्वयन नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधिकार से देश के कई गांवों को वंचित कर उस गांव के विकास को प्रभावित कर रही है शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार की बुनियादी सुविधाओं को पहुंचने से रोक रही है जब प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना शुरू की गई तब नियम बनाया गया था।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में पूरी राशि केंद्र सरकार देगी इसके लिए सामान्य गांव में 500 की आबादी, पिछड़े इलाकों के गांवों में 250 की आबादी और नक्सली क्षेत्र की गांव में 100 की आबादी होने पर वहां अनिवार्य किया गया था। 2001 के जनगणना में जिन गांवो की आबादी पांच सौ, ढाई सौ और सौ से कम थी उन गाँवो में योजना शुरू नही की गई थी उन्ही गांवो की आबादी 2011 के जनगणना में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अनुसार हो गई है फिर भी नरेंद्र मोदी की सरकार उन गांवों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से दूर रखी हुई है और 2021 में यदि जनगणना हो जाता तब देश के और अनेक गांव प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के दायरे में आते लेकिन मोदी सरकार पूर्ववर्ती सरकार के दौरान शुरू की गई योजनाओं को लेकर ही ईमानदार नहीं है और उस योजना का पलीता लगा रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार पहले से चल रही प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के नियम कायदे को पालन नहीं कर रही है और इस योजना में केंद्र की 100 प्रतिशत राशि को घटाकर केंद्र और राज्य के बीच में 60 और 40 पर्सेंट का अंशदान रख दिया है। प्रदेश के 1572 से अधिक सड़के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत आ रही है जिसके लिए राज्य सरकार ने कई बार केंद्र सरकार को आवंटन के लिए पत्र लिखा है और योजना में लगने वाली अपने हिस्से की राशि देने की बात भी कही है लेकिन मोदी सरकार 1572 सड़कों को प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत नहीं ले रही है।

छत्तीसगढ़ में आसान नहीं भाजपा की डगर, दांव पर लगी 'विजय' की प्रतिष्ठा

ललित कुमार सिंह

बीजेपी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर 21 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। दो दिनों तक दिल्ली दरबार में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत दिग्गज नेताओं के मंथन के बाद 21 सीटों पर बीजेपी हाईकमान ने मुहर लगी दी है। हालांकि चर्चा ये भी है कि करीब आधी सीटों पर यानी 45 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए हैं। फिलहाल, बीजेपी ने 21 सीटों पर ही अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

इस लिस्ट में तीन वीआईपी सीटों को लेकर प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। पक्ष विपक्ष समेत जनता की नजर इन तीन सीटों पर है। पहली सीट की बात करें तो दुर्ग जिले से सांसद और सीएम भूपेश बघेल के भतीजे विजय बघेल को पाटन विधानसभा से चुनावी मैदान में उतारा है। इस वजह से इस बार छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 कई मायनों में बेहद खास होगा। अब इस सीट पर

विधानसभा चुनाव के मैदान में चाचा-भतीजे के बीच टक्कर होगी। ऐसे में ये सीट बेहद रोचक और अहम हो गई है।

माना जा रहा है कि बीजेपी ने काफी सोच समझकर ये दांव खेला है। पाटन सीएम भूपेश बघेल की विधानसभा सीट है, वो यहां से विधायक हैं। ऐसे में बीजेपी ने उनके ही गृह जिले दुर्ग से सांसद भतीजे को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा है। ऐसे में अब सबकी नजरें यहां पर चाचा-भतीजे के चुनावी लड़ाई पर रहेगी। जहां सीएम भूपेश बघेल आक्रामक राजनीति के लिए जाने जाते हैं। वहीं उनके भतीजे सांसद विजय बघेल भी अपनी सधी हुई राजीनति के लिए फेमस हैं। वो अपने चाचा पर उसी अंदाज में वार करते हैं, जिस तेवर के साथ सीएम निशाना साधते हैं।

विजय बघेल का सियासी सफर

विजय बघेल अपने चाचा भूपेश बघेल को एक बार विधानसभा चुनाव में पटखनी दे चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल को हराया था। इसके बाद साल 2013 के विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल ने विजय बघेल को हराकर हिसाब-किताब बराबर कर लिया था। सीएम भूपेश बघेल वर्ष 2014 में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष बने। इसके बाद उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ा गया। साल 2018 में कांग्रेस ने 68 सीटों पर जीत दर्ज कर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई और भूपेश बघेल प्रदेश के सीएम बने। 2008 के भूपेश और आज के भूपेश में जमीन-आसमान का अंतर है। सीएम बनने के बाद उनका सरकार और संगठन दोनों में कद बढ़ा है। आज वो कांग्रेसशासित मुख्यमंत्रियों में सबसे ताकतवर सीएम हैं। ऐसे में विजय बघेल की राह आसान नहीं है। उनकी प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। पाटन की जनता किस पर फूल बरसाएगी, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। बहरहाल, बीजेपी ने उन्हें पाटन से टिकट देकर एक पर प्रकार से दांव खेला है। यदि वो इसमें सफल होते हैं तो पार्टी में उनका कद बढ़ना तय है। यदि नहीं तो उन्हें दोबारा सांसदी का टिकट देकर संसद में भेजा जा सकता है। सबसे अहम बात ये है कि पार्टी ने इस बार विजय बघेल को बीजेपी घोषणा पत्र समिति का चैयरमैन भी बनाया है। ऐसे में पार्टी में उनका कद और भी बढ़ गया है। इस बार उनके ही नेतृत्व में घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा। दूसरी ओर रामानुजगंज से पूर्व सांसद रामविचार नेताम को टिकट दिया गया है। आईएएस की नौकरी छोड़कर बीजेपी में आए ओपी चौधरी का खरसिया से टिकट काटकर महेश साहू को मौका दिया गया है। ऐसे में उनके भविष्य पर खतरा मंड़रा रहा है। हालांकि चर्चा है कि चंद्रपुर से उन्हें टिकट मिल सकता है।

21 सीटों पर जातिगत फैक्टर

बीजेपी ने जो 21 सीट पर अपने प्रत्याशियों का ऐलान किया है। उसमें जातिगत समीकरण का विशेष ख्याल रखा गया है। इसी के आधार पर टिकट दिया है। एसटी, एससी और ओबीसी सीट का ध्यान रखकर टिकट दिया गया है। 21 सीटों में 9 सीटें एसटी/एससी के लिए रिजर्व है। 10 सीटों पर एसटी और 1 सीट पर एससी, एक सामान्य सीट पर आदिवासी चेहरे को मौका दिया गया है। जिन 21 सीटों पर भाजपा दिकट दिए हैं। वहां अधिकांश पर कांग्रेस का गढ़ रहा है। कई ऐसी सीटें हैं, जहां बीजेपी कम ही जीत पाई है। बीजेपी ने पिछली बार इन सीटों जिन्हें मौका दिया था, लगभग सभी जगहों पर बदल दिया गया है। बीजेपी की पहली लिस्ट जारी होने पर सीएम भूपेश ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लिस्ट में कुछ खास नहीं है। वहीं प्रत्याशी बनाए पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि बीजेपी ने उन्हें पाटन से मौका दिया है। जनता के आशीर्वाद से भूपेश को पटखनी देंगे। हालांकि कौन, किसको मात देगा ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

चाकू काटे बांस को, बंशी खोले भेद.....

छत्तीसगढ़ में एक तरफ कोरबा, भिलाई जैसे अत्याधुनिक शहर हैं,तो अबूझमाढ़ जैसा अबूझा क्षेत्र भी है,बस्तर के कई गांव ऐसे हैं जहां पेयजल, यातायात के लिये सड़क के साथ ही बिजली भी मुहैया नहीं है। बस्तर की हालत तो यह है कि सलवा जुडूम के बाद 600 से अधिक गांव उजड़ गये हैं ।जंगली जीवों की सुरक्षा के नाम पर जमीन को जंगल में ले लिया गया है खेत छीने गये, घरबार छीन गये, उद्योगपतियों को जमीन दे दी गई,जंगल, स्कूलों में सुरक्षाबल का कब्जा हो गया,ठेकेदार और उनके मजदूर अब वहां के मालिक हो गये,प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर भी उद्योगपतियों का कब्जा होता जा रहा है। बेरोजगारी,अपराध, भ्रष्टाचार,भाई-भतीजावाद का बोलबाला हो गया और हमारे जनप्रतिनिधियों की सक्रियता... !अब तो सवाल उठ रहे हैं। एक मान्य सिधांत के अनुसार 100 से कम विधायक संख्यावाली विधानसभा की कार्यवाही औसतन प्रतिवर्ष 60 दिन चलनी चाहिये इस हिसाब से छत्तीसगढ़ में 300 बैठकें होनी थी पर हो क्या रहा है.. ? छत्तीसगढ़ की पहली विधानसभा में औसतन प्रतिवर्ष 40 दिन ही विस की कार्यवाही चली। दूसरी विधानसभा में 5 सालों में 182 बैठकें हुई यानि प्रतिवर्ष 36 बैठकें हुई और तीसरी विधानसभा में कुल 160 बैठकें हुई। यानि प्रतिवर्ष औसतन 32 दिन ही सदन की कार्यवाही चली क्यों... ।मौजूदा छ्ग की चौथी विधानसभा का गठन दिसम्बर 18 में हुआ था ।पिछले लगभग 5 सालों में 17विधानसभा सत्र हुये और 116 बैठकें ही हुईं... यानि प्रति वर्ष औसत 23 बैठकें ही हुई ।सवाल है कि सत्ता पक्ष की 71 विधानसभा सदस्यों के मुकाबले प्रमुख विपक्षी दल भाजपा की संख्या 14 तक सिमटी रही....कम बैठकें क्यों.....इसका जवाब तो सत्ताधारी दल के पास ही मिल सकता है। वैसे विपक्ष के नेता भी इसके लिये कहीं न कहीं जिम्मेदार ठहराये जा सकते है। मंत्रियों,विधायकों के वेतन, भत्ता और पेंशन पर तो सत्तापक्ष तथा विपक्ष एकजुट होकर एक मतेन फैसला ले लेते हैं,पर कई जनहित के मुद्दों में विरोधाभाष नजर आता है। विधायक तो स्वयं को मुख्यसचिव से उपर मानते हैं पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कैसे करते हैं यह किसी से छिपा नहीं है... !

भाजपा प्रत्याशी और 3 का गणित.....?

छ्ग में आगामी विधानसभा चुनाव के लिये समय पूर्व पहली सूची में 21भाजपा उम्मीदवार घोषित किये गये हैं।21 प्रत्याशी का अंक ज्योतिष में योग यानि 2+1=3, मप्र में 39 प्रत्याशी 3+9...12यानि 1+2=3....इधर भाजपा नाम के 3अक्षरों का योग भी 3....क्या यह ज्योतिष गणित है या संयोग है..छ्ग में आगामी विस चुनाव में सीएम भूपेश बघेल के मुकाबले सांसद विजय बघेल भाजपा से प्रत्याशी बनाये गये हैं तो राज्यसभा सदस्य रहे रामविचार नेताम भी विस चुनाव लड़ेंगे।वैसे प्रत्याशी की घोषणा के बाद भाजपा के दिग्गज नेता पूर्व मंत्री,पूर्व सांसद चंद्रशेखर साहू,पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा,कलेक्टरी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले ओपी चौधरी,पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय,सुभाऊ कश्यप, पिंकी शाह,कोमल जंघेल को उम्मीदवार नहीं बनाना चर्चा में जरूर है।भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता सम्पन्न में पीएम नरेन्द्र मोदी,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,गृह मंत्री अमित शाह एवं केन्द्रीय चुनाव समिति के अन्य सदस्यों सहित डॉ रमन सिंह,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल भी उपस्थित थे। घोषित प्रत्याशी....(प्रेमनगर)भूलन सिंह मरावी(भटगांव) श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े(प्रतापपुर) (अजजा) श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्थे,(रामानुजगंज) (अजजा) रामविचार नेताम,(लुन्ड्रा)(अजजा) प्रबोज मिंज (खरसिया)महेश साहू, धर्मजयगढ़(अजजा) हरिश्चन्द्र राठिया (कोरबा)लखनलाल देवांगन,(मरवाही) प्रणव कुमार मरपच्ची,सरायपाली (अजा) श्रीमती सरला कोसरिया,(खल्लारी) श्रीमती अलका चंद्राकर,(अभनपुर)इन्द्रकुमार साहू, (राजिम)रोहित साहू, (सिहावा)(अजजा)श्रवण मरकाम,(डौंडीलोहारा) (अजजा) देवलाल हलवा ठाकुर,(पाटन)विजय बघेल,(खैरागढ़)विक्रांत सिंह,(खुज्जी)श्रीमती गीता घासी साहू,(मोहला मानपुर)(अजजा)संजीव साहा(कांकेर)(अजजा) आशाराम नेताम,(बस्तर) (अजजा)मनीराम कश्यप शामिल हैं।

बस्तर की एक अधूरी प्रेम कहानी.....?

बस्तर के परिदृश्य में ही प्रदर्शित फिल्म हमारी अधूरी कहानी% को लेकर बस्तर की एक पुरानी प्राचीन प्रेम कहानी जीवंत हो रही है ।कोण्डागांव की वादियों में एक सच्ची प्रेम कहानी झिटकू-मिटकी की एक अधूरी प्रेम कहानी की चर्चा है। हालांकि इनकी मोहब्बत का दुखद अंत हुआ था पर शिल्प नगरी कोण्डागांव में इनके नाम से शिल्प कला केन्द्र भी स्थापित किया गया है। बस्तर के अधिकतर हस्त शिल्प में झिटकू-मिटकी की कृतियां आज भी उनके सच्चे प्रेम का संदेश देती है।

झिटकू-मिटकी की मूर्तियां,अमेरिका, जापान,स्काटलैंड, हांगकांग,सिंगापुर सहित थाईलैंड के संग्रहालयों और दूतावासों समेत भारत के कई राज्यों में बस्तर की पहचान बनाये हुए हैं ।किवदंती है कि केशकाल के पेण्ड्रावंड गांव में एक गोंड परिवार सात भाइयों की एक लाडली बहन थी मिटकी। बहन विवाह के बाद उनसे दूर न हो इसके लिए झिटकू का नाम तय किया और उसी के घर आदिवासी परंपरा के चलते अपनी बहन मिटकी को लमसेना के रूप में रख दिया। इसी बीच दोनों के बीच एक साथ रहने के कारण प्यार बढ़ गया। दुर्भाग्य से तभी अकाल पड़ा। कहा जाता है कि किसी भाई को सपने में कुलदेवी के अकाल से निपटने किसी नेक इंसान की बली का रास्ता सुझाया। सभी भाइयों ने झिटकू की बली तलाब में दे दी और बाद में मिटकी ने भी गमजदा होकर उसी तालाब में डूबकर आत्महत्या कर ली और प्रेम कहानी का दुखद अंत हो गया ।खैर बड़े पर्दे की विद्याबालन की फिल्म अधूरी कहानी में सीजी 17 नंबर की बस दिखाई गई है बस्तर का माईल स्टोन भी दिखाया गया है। यह बात और है कि बस्तर में लिली के फूल के बगीचे में फिल्म के हीरो इमरान हाशमी की अस्थियां फिल्म के अंत में बिखेरते दिखाया गया है जबकि लिली के बगीचे से बस्तर का दूर दूर तक कोई संबंध नहीं है। खैर बस्तर का माईल स्टोन दिखाया गया और फिल्म छत्तीसगढ़ में करमुक्त भी कर दी गई थी।

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापना ... सराहनीय पहल..

मूल छत्तीसगड़िया,चंदखुरी मां कौशल्या के मंदिर के करीब एक गांव में जन्म लेने वाले जांजगीर के पुलिस कप्तान विजय कुमार अग्रवाल ने अपने कार्यालय के सामने रिक्त स्थान को एक बगीचे का रूप दिया,वृक्षारोपण भी अपने स्टाफ से करायाऔर मध्य में छत्तीसगढ़ी महतारी की आकर्षक प्रतिमा स्थापित भी करवाकर एक प्रेरणाभी दी है,राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सीएम भूपेश बघेल ने इसे लोकर्पित भी किया है ।कितना अच्छा हो कि प्रदेश के सभी कलेक्टर/एसपी ऑफिस में यह पहल शुरू हो। यहां बताना जरुरी है छ्ग महतारी की कल्पना कर उसकी पूजापाठ की शुरुआत विजय के पिता दाऊ आनंद अग्रवाल ने रायपुर कलेक्टर ऑफिस के सामने छत्तीसगढ़ निर्माण के लिये शुरूअखंड आंदोलन स्थल पर की थी ।वैसे छ्ग के सीएम की पहल पर ही पूरे प्रदेश में छत्तीसगढ़िया महतारी की प्रतिमा को एक स्वरुप मिला है।

और अब बस....

- अगले विस चुनाव में कांग्रेस-भाजपा कितने पूर्व आईएएस को उम्मीदवार बनाएगी... !
- एक बड़े नेता के भांजे को टिकट मिल गई तो क्या अब खुद की, बेटे की टिकट खतरे में पड़ गई है!
- किस संभागीय आयुक्त के आदेश को उनके बैचमेट कलेक्टर ने बदल दिया है...?
- क्या शराब आयुक्त के लिये चर्चित आईएएस जनक पाठक ही सबसे योग्य थे....?

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कामों के बल पर फिर सरकार बनायेंगे : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। भरोसे का सम्मेलन और संभागीय सम्मेलनों के बाद विधानसभा स्तर पर होने वाले सम्मेलनों को पूरा करने के बाद पार्टी अब अपने

बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन संकल्प शिविर कर रही है। रायपुर, बस्तर संभागों में संकल्प शिविर कार्यक्रम प्रगति पर है। संकल्प शिविरों में कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं को अपनी नीतियों और योजनाओं का प्रशिक्षण देकर जनता के बीच भेजेगी। हमारी तैयारी बूथों तक पूरी हो चुकी है। हमारे संगठन की मजबूती और सरकार के जनकल्याण कार्यों का मुकाबला करने में विपक्ष पूरी तरह नाकामयाब है। आने वाले चुनाव में कांग्रेस सरकार के काम और जनकल्याणकारी योजनाएं कांग्रेस सरकार का ब्रह्मास्त्र होगी। भाजपा के पास कांग्रेस का मुकाबला करने के लिये कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा हवाहवाई और काल्पनिक मुद्दों पर प्रदेश में राजनीति करना चाह रही जिसके कारण वह जनता से और दूर होते जा रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाने के बाद कांग्रेस के प्रति जनता का भरोसा और बढ़ते गया, 5 उपचुनाव, नगरीय निकाय चुनाव, पंचायत चुनावों में जनता ने भाजपा को नकार दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं में हताशा है, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

जनता की मूल समस्या जिसके लिए मोदी सरकार जिम्मेदार: ठाकुर

रायपुर। भाजपा के घोषणापत्र के लिए सुझाव मांगने पर कांग्रेस ने तंज कसते हुये प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा घोषणा पत्र के लिए सुझाव मांग कर क्या करेगी जब प्रदेश की जनता का विश्वास भरोसा भाजपा पर नही है। रमन सरकार घोषणा पत्र के वादों को पूरा नहीं की इसलिए

15 साल के सत्ता के बाद 15 सीट में सिमट गई और कांग्रेस के जन घोषणा पत्र पर जनता ने भरोसा किया इसके परिणामों की कांग्रेस 68 सीट जीतकर सरकार बनाई और जनता के प्रत्येक वादे को पूरा की है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा को वास्तविक में जनता की समस्याओं की चिंता है तो भाजपा को सुझाव की सियासी नौटंकी करने के बजाय मोदी सरकार से जनता से किए वादों को पूरा कराये। जनता की मूल समस्या बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों को उपज की सही कीमत नहीं मिलना, महिलाओं की सुरक्षा और समय पर ट्रेन नहीं मिलना और एलआईसी, बैंकों का डूबना सरकारी कंपनियों का बिकना है और इन समस्याओं का जड़ केंद्र की मोदी सरकार की मुनाफाखोरी दमनकारीनीति और जनविरोधी सोच है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की जहां भी सरकारें हैं उन राज्यों की जनता से किये वादे को भाजपा ने आज तक पुरा नही किया है। केंद्र की सरकार बनने पर दो करोड रोजगार, 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा, भ्रष्टाचार खत्म करने सस्ते दरों पर पेट्रोल डीजल, रसोई गैस देने और अनेक लोकलुभाने वादा भाजपा ने किया था।

गुटबाजी और अंतर्द्वंद्व से जूझ रही कांग्रेस : केदार कश्यप

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महामंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद कांग्रेस का खेमा जिस प्रकार प्रलाप कर रहा है, उससे यह आईने की तरह साफ हो गया है कि भाजपा के

21 योद्धाओं की प्रथम पंक्ति को देखकर पूरी कांग्रेस सदमे में चली गई है। श्री कश्यप ने कहा कि गुटबाजी और अंतर्द्वंद्व से जूझ रही कांग्रेस अभी टिकट के दावेदारों से आवेदन ही जमा करने में लगी है और भाजपा ने जनता के आशीर्वाद से अपने 21 प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी। हताश और निराश कांग्रेस के पास प्रलाप करने के अलावा अब और कोई काम नहीं बचा है। श्री कश्यप ने कहा कि भाजपा की छाती भेदने के राजनीतिक अहंकार में आकंठ डूबी कांग्रेस अब लोकतंत्र और जनादेश का अपमान करने में लग गई है। कांग्रेस के लोगों को इस बात का जरा भी इल्म नहीं है कि जनता कांग्रेस सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो गई है और बस अपने मताधिकार के प्रयोग की राह देख रही है ताकि प्रदेश की भ्रष्टाचार करने वाली, वादाखिलाफी करने वाली, युवाओं को साथ खुले तौर पर छल करने वाली, महिलाओं की सुरक्षा और उन्नति को पलीता लगाने वाली, गरीबों का हक मारने वाली, किसानों के आत्मसम्मान को लहूलुहान करके आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली कांग्रेस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंके।

उल्टे पांव भाग रही है देश की अर्थव्यवस्था, कर्ज़ तीन गुना: वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि विपक्ष में रहते हुए रुपए की गिरावट को प्रधानमंत्री की गरिमा से जोड़ने वाले भाजपाई यह बताएं कि मोदी राज के कुशासन में विगत 9 वर्षों में 44 प्रतिशत की गिरावट के साथ

रुपया अब तक के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, तो क्या भाजपाई मानते हैं कि मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री पद की गरिमा को गिराया है? दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के सिलेबस से बाहर एंटायर पॉलीटिकल साइंस वाले अनर्थशास्त्री के 18-18 घंटे परिश्रम का ही प्रमाण है कि देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से उल्टे पांव भाग रही है। जनता का खून चूस कर दैनिक उपभोग की वस्तुओं को भी टैक्स के दायरे में लाकर कर संग्रहण तीन गुना करने के बावजूद भी 2014 की तुलना में आज देश पर कुल कर्ज का भार तीन गुना अधिक बढ़ गया है, तो आखिर यह पैसा जा कहां रहा है? 30 से अधिक सार्वजनिक उपक्रम औने-पौने दाम पर बेच दिए गए, देश के संसाधन, सरकारी विभागों की संपत्तियां, सार्वजनिक उपक्रम औने-पौने दाम पर पूंजीपति मित्रों को लुटाए गए। पूंजीपत मित्रों के लाखों करोड़ का लोन राइट-ऑफ कर दिए। कोर्पोरेट टैक्स में छूट भी अर्थात् मित्रों को मलाई लेकीन देश के युवा, देश के किसान और आम जनता को मिलने वाली सब्सिडी को रेवड़ी करार देकर उससे भी वंचित कर रहे। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार आम जनता से जिस बेरहमी से जीएसटी वसूल रही है।

जिलाध्यक्षों की नियुक्ति दिल्ली से होना कमजोरी का एक और संकेत : नलिनीश ठोकने

रायपुर। कांग्रेस पार्टी को जिलाध्याक्ष के नाम की सूची भी दिल्ली से जारी करना पड़ रहा है, छत्तीसगढ़ कांग्रेस अपनी आपसी खींचतान में इतनी कमचोर हो गई कि जिलाध्यक्षों के नाम को

राहुल गांधी से फाईनल करवा रहे हैं ।भाजपा प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा कि सत्ता आसीन कांग्रेस पार्टी चुनाव आते बहुत कमजोर नजर आ रही है। भाजपा छत्तीसगढ़ में जहां एक ओर अपने प्रत्याशी की घोषणा कर रही है वहीं कांग्रेस अभी जिलाध्यक्षों के नाम पर खींचतान कर रहे हैं।भाजपा प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भाजपा के संगठन में झांकताक करते करते अपने संगठन के लिए काम करना भूल गए। नतीजा यह है कि हम प्रत्याशी की घोषणा कर रहे हैं वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नाम पर खींचतान कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता श्री ठोकने ने भूपेश बघेल जी के ओवर कॉन्फिडेंस के कारण कांग्रेस का संगठन कमजोर नजर आ रहा है उन्होंने कहा कि खुद काम किया नहीं वहीं कांग्रेस ने को काम करने दिया नहीं। यह दूसरी बार है जब दिल्ली से सूची आयी है इसमें पहले उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के नाम की घोषणा कांग्रेस केन्द्रीय नेतृत्व ने की थी जो कि मुख्यमंत्री जी का विशेषाधिकार होता है। इससे यह साबित हुआ है कि भूपेश जी बस दस जनपथ की कठपुतली मात्र हैं।

प्रदेश व पाटन को कलंकित करने वाले मुख्यमंत्री से मुक्ति दिलाएंगे : विजय

भाजपा प्रत्याशी घोषित किए जाने पर नेतृत्व का माना आभार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद विजय बघेल ने कहा है कि धोखेबाज, फरेबी, झूठ बोलने वाले, शराब की नदियाँ बहाने वाले, घपले-घोटाले करके भ्रष्टाचार की हदें पार करने वाले, छत्तीसगढ़ और पाटन की धरती को कलंकित करने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से छत्तीसगढ़ की जनता को मुक्ति दिलानी है। श्री बघेल ने पाटन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से स्वयं को भाजपा प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद कहा कि जनता ने हर हमेशा उन्हें (सांसद श्री बघेल को) बहुत आशीर्वाद दिया है और आज भी उन्हें भाजपा, भाजपा के शीर्ष और प्रादेशिक नेतृत्व ने पाटन की जनता और वहाँ कार्यकर्ताओं के प्रेम और स्नेह की बदौलत पाटन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकित किया है, उसके लिए वे पार्टी के राष्ट्रीय व प्रादेशिक नेतृत्व के आभारी हैं।

भाजपा सांसद श्री बघेल ने पाटन क्षेत्र की जनता व कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री बघेल और स्वयं को पुराने प्रतिद्वंद्वी बताया और कहा कि भाजपा ने जो अवसर दिया है तो अब मुख्यमंत्री के तौर पर भूपेश बघेल के साथ चुनावी दंगल में और अधिक आनंद आएगा। हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि पाटन विधानसभा क्षेत्र तथा छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा यकीनन जीतेगी। भाजपा द्वारा प्रत्याशियों की घोषणा करने पर मुख्यमंत्री बघेल की टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए सांसद श्री बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल के अंदर की पीड़ा सहज ही समझी जा सकती है। मुख्यमंत्री की यह पीड़ा उनसे (सांसद श्री बघेल से) बेहतर कोई नहीं जानता। ऊपर चेहरे से मुख्यमंत्री भले ही दिखावा कर रहे हों, लेकिन उनके अंदर क्या बीत रही है, यह वह (सांसद बघेल) और पाटन की जनता समझ सकती है कि मुख्यमंत्री के मन में कितना डर समा गया है! यह डर बहुत जल्दी समाप्त होगा और मुख्यमंत्री जमीन पर आएंगे।

भाजपा सांसद व पाटन से घोषित भाजपा प्रत्याशी श्री बघेल ने पाटन विधानसभा से अपनी जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पाटन की जनता ने मुख्यमंत्री को पाँच-पाँच बार विधायक बनाकर इस लायक बनाया कि वे मुख्यमंत्री बने। लेकिन, आज पाटन की जनता अफसोस कर रही है, अपने आपके ऐसा महसूस कर रहे हैं कि हम ही हैं जो इस जैसे मुख्यमंत्री को बार-बार विधायक बनाकर भेजते रहे, और आज वे मुख्यमंत्री हैं फिर भी उन्होंने पाटन क्षेत्र को कलंकित कर दिया है। भाजपा सांसद श्री बघेल ने कहा कि पाटन स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों की पवित्र धरती है, और उसे अपनी सरकार के भ्रष्टाचार से मुख्यमंत्री ने कलंकित कर रखा है। हत्या-बलात्कार और बढ़ते अपराध ने पाटन क्षेत्र की दुर्गति कर दी है। 'सब ले बढ़िया छत्तीसगढ़िया' इस भाव से सम्मानित करने वाले हम लोग स्वयं को अपमानित महसूस कर रहे हैं।

हमने कांग्रेस के रातों की नींद उड़ा दी: साव

- **21 प्रत्याशियों का नाम ऐलान, हमारे जीत का पैगाम; तैयारी का मिला लंबा मौका**

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की ओर से 21 नामों का ऐलान एक दिन पहले ही किया गया है। इसे छत्तीसगढ़ भाजपा अपनी चुनावी बढ़त के रूप में देख रही है। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने शनिवार को कहा कि हमारे इस निर्णय से कांग्रेसियों की नींद उड़ गई है। हमने अपनी हारी हुई सीट पर नामों का पहले ऐलान कर प्रत्याशियों को तैयारी के लिए लंबा समय दिया है। इसका फायदा पार्टी को मिलेगा।

पार्टी कार्यालय एकात्म परिसर में मीडिया से बात करते हुए साव ने कहा कि भाजपा हर चुनाव को गंभीरता से लेती है। इसी की वजह

से अब बूथ, मंडल और विधानसभा स्तर पर हमने गतिविधियां तेज कर दी हैं। भाजपा चुनाव कमेटी ने 90 में से 21 विधानसभा में प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया है, ये ऐलान हमारी जीत का पैगाम है। हमने युवाओं को और अनुभवी चेहरों को मौका दिया है, जो जनता के बीच रहने वाले नेता हैं।

जनता को अपराध से मुक्ति चाहिए

साव ने कहा कि इस सरकार में नौकरियों के भर्ती में जमकर घोटाला हुआ है। आज यहां का युवा अपने भविष्य को लेकर परेशान हैं। राज्य में अपराध और अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं। जिससे जनता अभी सरकार से छुटकारा चाहती है। उन्होंने कहा की सरकार के मंत्री पाटन के प्रत्याशी विजय बघेल को लेकर अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं। इससे साफ होता है कि उन्हें अपनी हार का डर परेशान कर रहा है।

साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित होने वाला आदि महोत्सव स्थगित

रायपुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत कार्य करने वाले जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड), रायपुर ने सूचित किया है कि 20 से 28 अगस्त 2023 तक साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित होने वाला आदि महोत्सव स्थगित कर दिया गया है ।

ट्राइफेड ने बताया कि खराब मौसम और राज्य के बाहर से आने वाले कारीगरों को रायपुर पहुंचने में आने वाली बाधाओं के ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है । ट्राइफेड ने जानकारी दी कि नई तारीखों की घोषणा उचित समय पर की जाएंगी और असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त किया है ।ज्ञापन सौंपा।

राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में श्री भोलाराम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

भाइयों की कलाई में सजेगी 'रीपा' में तैयार राखियां

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सरकार में आते ही ग्रामीणों, किसानों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की बेहतरी के अनेक योजनाएं शुरू की है। ग्रामीणों को रोजगार और आजीविका से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) लगातार स्थापना की जा रही है। रीपा में स्थानीय स्तर पर काम मिलने से बड़ी संख्या में महिलाएं भी इससे उत्सुकता के साथ जुड़ रही है और आर्थिक रूप से उन्हें संबल मिला है।

कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर जनपद के ग्राम मझगवां में स्थापित महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) में कार्यरत महिलाएं इस बार भी राखी बनाने में जुटी हैं। रीपा में तैयार स्नेह की यह डोर भाइयों के कलाई में सजेगी। स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा इस बार करीब 8 हजार राखियां तैयार की जा रही हैं। समूह से तैयार राखियों को स्थानीय व्यापारियों द्वारा हाथों-हाथ खरीद लिया जाता है और इस बिक्री से प्राप्त राशि को महिलाएं आपस में बांट लेती है। महिला एवं बाल विकास विभाग, कोरिया के लिए भी समूह की महिलाएं एक हजार राखियां तैयार कर रही है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.